THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 223 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.3, 2079 शुक्रवार, 28 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

2024 तक हर राज्य में एनआईए शाखाएं स्थापित करने का लक्ष्य : अमित शाह

फरीदाबाद, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सूरजकुंड मेंआयोजित सभी राज्यों के गृह मंत्रियों के चिंतन शिविर में बोले कानून-व्यवस्था की परिस्थिति का विषय जब राज्य का जिम्मा है उस वक्त सीमा रहित अपराधों का मुकाबला करने के लिए तभी हम सफल हो सकते हैं जब सभी राज्य मिल कर इस पर चिंतन करें और रणनीति बनाएं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमने 2024 तक हर राज्य में एनआईए शाखाएं स्थापित करने का फैसला किया है। हमें सहकारी संघवाद और संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण के अपने लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सक्षम होने के लिए 3सी-सहयोग, समन्वय और सहयोग को महत्व देना होगा।

जम्मू रेलवे स्टेशन के पास मिले 18 डेटोनेटर

बड़ी आतंकी साजिश की आशंका

जम्मू, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू शहर में रेलवे स्टेशन पर टैक्सी स्टैंड के पास से एक संदिग्ध बैग मिला है। बताया जा रहा है कि बैग में कई डेटोनेटर और आईडी बरामद किए गए हैं। पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम मौके पर हैं। बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया है। टीम की तरफ से आसपास के इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, जम्मू रेलवे स्टेशन पर एक संदिग्ध बैग मिला है। जांच में बैग में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और करीब18 डेटोनेटर (एक तरह के विस्फोटक) मिले हैं। पुलिस की टीम ने इन्हें कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी है। आज जम्मू कश्मीर में शौर्य दिवस मनाया जा रहा है। इस बीच शहर जम्मू के बीचों-बीच स्थित रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध बैग का मिलने से लोग सकते में आ गए हैं। पुलिस और सुरक्षाबल मामले की जांच कर रहे हैं। एसएसपी जीआरपी आरिफ रिशु ने कहा कि जम्मू रेलवे स्टेशन में टैक्सी स्टैंड के पास से एक बैग बरामद किया गया है। इससे विस्फोटक सामग्री मिली है। जांच में पता चला कि बैग में 18 डेटोनेटर और कुछ तार मिले हैं। मामले की जांच की जा रही है।

केसीआर की पार्टी के दावों पर बोली भाजपा

50 विधायकों की जरूरत है, हम 4 का क्या करेंगे?

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलंगाना पुलिस ने तेलंगाना राष्ट्र समिति के चार विधायकों को कथित रूप से रिश्वत देने की कोशिश करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के इस दावे के एक दिन बाद, भाजपा ने कहा है कि उसका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने गुरुवार को कहा कि यह सब बनी बनाई कहानी है। उन्होंने कहा, यह सब ड्रामा है और पूरी स्क्रिप्ट प्रगति भवन (मुख्यमंत्री निवास) से लिखी गई है। हम इस मामले की सुप्रीम कोर्ट के जज से जांच कराने की मांग करते हैं। हमें कोई विधायक खरीदने की जरूरत नहीं है।

तीन लोगों को बुधवार रात मोइनाबाद में टीआरएस के तांदुर से विधायक पी रोहित रेड्डी के फार्महाउस से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि टीआरएस विधायक रेड्डी ने उनसे यह कहते हुए संपर्क किया था कि भाजपा से जुड़े लोगों ने उन्हें और अन्य विधायकों जी बलराज, हार्वर्डन रेड्डी और आर कांथा राव को भाजपा में शामिल होने के लिए लुभाने की कोशिश की थी। रोहित रेड्डी ने कहा कि योजना के चंद्रशेखर रेड्डी (केसीआर) की टीआरएस सरकार को गिराने की थी।

श्रम एवं रोजगार मंत्री सी मल्ला रेड्डी ने कहा: टीआरएस में एकनाथ शिंदे नहीं हैं। हमारे विधायकों को खरीदने के भाजपा के प्रयास बुरी तरह विफल रहे क्योंकि हम बिकने वाले नहीं हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में, शिंदे ने भाजपा के साथ सरकार बनाने के लिए शिवसेना से बगावत कर दी थी। हालांकि टीआरएस के दावे का मजाक उड़ाते हुए, भाजपा नेता पी विष्णुवर्धन रेड्डी ने आश्चर्य जताया कि भाजपा चार विधायकों के साथ केसीआर सरकार को कैसे गिरा सकती है। उन्होंने कहा, 'इन आरोपों में कोई तर्क नहीं है। तेलंगाना में हमारे केवल तीन विधायक हैं। हमें सरकार गिराने के लिए सत्ताधारी दल के करीब 100 विधायकों में से कम से कम आधे विधायकों की जरूरत है। हम चार विधायकों का क्या करेंगे?

बीजेपी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर मामले की एसआईटी जांच की मांग की है। तेलंगाना कांग्रेस पीसीसी अध्यक्ष मल्लू भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि यह टीआरएस ही थी जिसने राज्य में "विधायकों को खरीदने की संस्कृति" शुरू की थी और भाजपा इसे आगे ले जा रही है। उन्होंने कहा, टीआरएस ने हमारे कई विधायकों को खरीदा। भाजपा भी यही काम कर रही है। बुधवार को गिरफ्तार किए गए तीन लोगों में दिल्ली के मूल निवासी रामचंद्र भारती उर्फ सतीश शर्मा; हैदराबाद के मूल निवासी नंद कुमार; और तिरुपति के सिंहयाजी स्वामी शामिल थे।

आजम खान को 3 साल की सजा

हेट स्पीच मामले में रामपुर कोर्ट ने सुनाया फैसला, विधायकी जाएगी

रामपुर,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। हेट स्पीच मामले में सपा विधायक और पूर्व मंत्री आजम खान को दोषी करार देते हुए 3 साल की सजा सुनाई गई है। यह सजा रामपुर की एमपी,एमएलए कोर्ट ने सुनाई है। साथ ही उन पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। हालांकि उन्हें जमानत मिल गई है।फिरभी आजम की विधायकी पर संकट आ गया है। इस समय आजम खान रामपुर शहर विधानसभा से विधायक हैं।

दरअसल, आजम खान पर पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और रामपुर के तत्कालीन डीएम के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी करने का आरोप है। यह बयान उन्होंने थाना क्षेत्र मिलक में एक जनसभा में दिया था। 21 अक्टूबर को हुई पिछली सुनवाई के लिए आजम खाकोर्ट में पेशी पर नहीं पहुंचे थे, इसलिए इस मामले में अंतिम फैसला नहीं हो सका था। आजम खान कई मामलों में 27 महीने जेल में रहे, उन्हें इसी साल 20 मई को जमानत मिली थी।

2 साल से ज्यादा सजा होने पर रद्द हो जाती है विधायकी

हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के अधिवक्ता प्रमोद तिवारी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने साल 2013 में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। कोर्ट के मुताबिक, अगर सांसदों और विधायकों को किसी भी मामले में 2 साल से ज्यादा की सजा हुई है, तो उनकी सदस्यता (संसद और विधानसभा से) रद्द हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों पर तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8 (4) निरस्त कर दिया है। इस आदेश के साथ विधान सभा अध्यक्ष सदस्यता रद्द करने का आदेश पारित करेंगे। साल 2019 में थाना मिलक में वीडियो मॉनिटरिंग टीम के प्रभारी अनिल कुमार चौहान प्रभारी ने हेट स्पीच मामले में मुकदमा दर्ज करवाया था।

कोयंबटूर कार ब्लास्ट : पुलिस ने गिरफ्तार किया छठवां आरोपी धमाके में जान गंवाने वाले से है खास रिश्ता

कोयंबटूर ,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोयंबटूर कार ब्लास्ट मामले में पुलिस ने छठवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान अफसर खान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह धमाके में जान गंवाने वाले जमेशा मुबिन का चचेरा भाई है। कोयंबटूर पुलिस के मुताबिक, एसआईटी ने उसे दो दिन पहले पकड़ लिया था। बता दें कि 23 अक्तूबर को तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के उक्कड़म में कार में एलपीजी सिलेंडर फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

धमाके में एक की हुई थी मौत, परिजनों से पूछताछ जारी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जिस कार में धमाका हुआ वह उक्कड़म में एक मंदिर के पास खड़ी थी। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस और दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। मृतक की पहचान कोयंबटूर के जमीशा मुबिन के तौर पर हुई है। उसके परिजनों से पूछताछ जारी है। कार के मालिक की भी पहचान कर ली गई है। घटना स्थल पर जली कार के अलावा कीलें और कंचे बिखरे मिले हैं। इसलिए घटना को लेकर कई तरह के संदेह जताए जा रहे हैं।

शीतकाल के लिए बंद हुए बाबा केदारनाथ धाम के कपाट

रुद्रप्रयाग,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध धाम केदारनाथ के कपाट भैया दूज यानी आज शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। आगामी छह माह की पूजा अर्चना एवं भोले बाबा के दर्शन ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में होंगे। आज ही यमुनोत्री धाम के कपाट भी दोपहर 12:09 बजे बंद कर दिए जाएंगे। एक दिन पहले गंगोत्री धाम के कपाट भी बंद कर दिए गए थे। वहीं, बदरीनाथ धाम के कपाट 19 नवंबर को बंद होंगे। गुरुवार को सुबह चार बजे से केदारनाथ धाम में भगवान का अभिषेक किया गया। जिसके बाद उन्हें समाधि दी गई। भगवान केदार की डोली मंदिर के बाहर आई और भक्तों ने भव्य दर्शन दिए। इसके बाद पौराणिक विधिविधान के साथ मंदिर के मुख्य कपाट के साथ ही पीछे के कपाट को बंद कर सील कर दिया गया। धाम से बाबा की चल विग्रह डोली अपने शीतकालीन स्थान के लिए रवाना हो गई।

भारतीय एयरफोर्स के लिए टाटा बनाएगा ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट

पहले 16 विमान 2023 से 2025 के बीच आएंगे

नई दिल्ली,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना के लिए सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बनाने की जिम्मेदारी टाटा एयरबस को सौंपी गई है। कंपनी वडोदरा स्थित प्लांट में इन एयरक्राफ्ट का निर्माण करेगी। यह जानकारी सेना के अधिकारियों ने दी। रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि यह पूरी तरह स्वदेशी में से एक होगा। भारत में बने विमानों की आपूर्ति 2026 से 2031 तक की जाएगी। पहले 16 विमान 2023 से 2025 के बीच आएंगे।

रक्षा सचिव ने कहा कि आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं है। नीति यह है कि भारत में जो कुछ भी बनाया जा सकता है वह यहां बनाया जाएगा। रक्षा बलों के लिए मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए एक जोरदार प्रयास किया जा रहा है। ऑपरेशनल तैयारियों से समझौता नहीं किया जाता है और ऑपरेशनल तैयारी हमारे दिमाग में सबसे आगे है। रक्षा सचिव अजय कुमार ने कहा कि गुजरात के वडोदरा में एयरबस सी-295 परिवहन विमान के उत्पादन के लिए एक विनिर्माण केंद्र स्थापित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि सुविधा की स्थापना का शिलान्यास समारोह 30 अक्टूबर को होगा और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। कुमार ने कहा कि पहली बार, सी-295 विमान का निर्माण यूरोप के बाहर किया जाएगा। पिछले साल सितंबर में भारत ने एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ लगभग 21,000 करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए, जिसमें भारतीय वायुसेना के पुराने एवरो -%48 विमानों को बदलने के लिए 56 सी -295 परिवहन विमान की खरीद की गई थी, जिसमें भारत में पहली बार किसी निजी कंपनी द्वारा सैन्य विमानों का निर्माण भी शामिल है। समझौते के तहत एयरबस चार साल के भीतर सेविले, स्पेन में अपनी अंतिम असेंबली लाइन से 'फ़्लाई-अवे' स्थिति में पहले 16 विमान देगा और बाद में 40 विमान भारत में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स (टीएएसएल) द्वारा निर्मित और असेंबल किए जाएंगे। दोनों कंपनियों के बीच एक औद्योगिक साझेदारी के हिस्से के रूप में ये कार्य पूरा होगा।

एलएसी के पास भारत-अमेरिका करेंगे मिलिट्री ड्रिल

8 नवंबर से 11 दिसंबर के बीच भारत एक-साथ 3 युद्धाभ्यास करेगा

नई दिल्ली,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-चीन तनाव के बीच चीन से लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास भारत और अमेरिका मिलिट्री ड्रिल करेंगे। साल खत्म होते-होते भारत 3 बड़े युद्धाभ्यास एक-साथ करने जा रहा है। ये सभी मिलिट्री एक्सरसाइज 8 नंवबर से शुरू हो जाएंगी। 11 दिसंबर तक चलने वाली इन मिलिट्री एक्सरसाइज में भारत अपनी सैन्य ताकत दिखाएगा।

उत्तराखंड के औली में होगी भारत-यूएस की ड्रिल

भारत और अमेरिका 15 नवंबर से 2 दिसंबर तक एलएसी के पास युद्धाभ्यास करेंगे। एक्सरसाइज उत्तराखंड के औली में होगी। ये इलाका एलएसी से महज 100 किलोमीटर दूर है। एक अधिकारी ने कहा- युद्धाभ्यास में दोनों देशों के करीब 350-350 सैनिक शामिल होंगे। पहाड़ों और बेहद ठंडे इलाकों में इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप्स को परखा जाएगा। एक साल ये एक्सरसाइज भारत में होती है और एक साल अमेरिका में। पिछले साल ये युद्धाभ्यास अमेरिका के अलास्का में किया गया था। उत्तरांखड से सटा चीन बॉर्डर भारतीय सेना के सेंट्रल सेक्टर का हिस्सा है। ये इलाका भारत और चीन के बीच लंबे समय से विवादित रहा है।

कांग्रेस का आरिफ मो. खान पर तीखा हमला

कहा-संवैधानिक पद का अपमान कर रहे हैं राज्यपाल

तिरुवनंतपुरम, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पर तीखा हमला करते हुए उन्हें उनके संवैधानिक पद का अपमान करार दिया और संदेह व्यक्त किया कि क्या दक्षिण राज्य में वाम सरकार और राजभवन के बीच चल रही लड़ाई पिछले बार की तरह ही दिखावे वाली लड़ाई है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को वित्त मंत्री के एन बालगोपाल के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाले उनके पत्र पर विवाद के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने राज्यपाल पर निशाना साधा।

एआईसीसी महासचिव (मीडिया और संचार) जयराम रमेश ने कहा कि केरल के राज्यपाल सभी दलों के व्यक्ति हैं। वह अपने करियर में कई राजनीतिक दलों में रहे हैं। वह स्पष्ट रूप से महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में अपने समकक्षों की तरह संवैधानिक पद का अपमान कर रहे हैं। केरल में आरिफ मो. खान द्वारा मुख्यमंत्री को वित्त मंत्री बालगोपाल के खिलाफ संवैधानिक रूप से उचित कार्रवाई की मांग करने के एक दिन बाद कांग्रेस का ये बयान आया।

कांग्रेस का भाजपा पर हमला

कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा पर श्वेतपत्र जारी करे मोदी सरकार

नई दिल्ली,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले से कश्मीरी पंडितों के कथित पलायन को लेकर भाजपा पर हमला किया और मांग की कि मोदी सरकार अपने आठ साल के शासन के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय की दुर्दशा पर एक श्वेत पत्र जारी करे। विपक्षी दल ने जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की लक्षित हत्याओं को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि सरकार को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। आतंकवादियों ने हाल ही में कई लक्षित हत्याओं को अंजाम दिया है, 10 कश्मीरी पंडित परिवार डर के मारे अपने गांव, चौधरीगुंड, शोपियां छोड़ कर जम्मू पहुंच गए।

1989 में कश्मीरी पंडितों के पहले पलायन के दौरान थी भाजपा समर्थित वीपी सिंह की सरकार। जम्मू में डेरा डाले हुए अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने घाटी में लौटने की किसी भी योजना से इनकार किया। हालांकि, शोपियां में अधिकारियों ने जिले से कश्मीरी पंडितों का कोई पलायन नहीं होने का दावा करके बचने का प्रयास किया है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एआईसीसी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 1989 में जब कश्मीरी पंडितों का पहला प्रवास हुआ था, तब भाजपा के समर्थन से वीपी सिंह की सरकार थी।

दंगा होने पर राजीव गांधी ने शाह सरकार को गिराया था

खेड़ा ने कहा,1986 में जब कश्मीरी पंडितों के खिलाफ पहला दंगा हुआ, केंद्र में राजीव गांधी की सरकार थी। कश्मीरी पंडित राष्ट्रीय स्टेडियम से राजीव गांधी के कार्यालय तक गए, उन्होंने उन्हें सुना और गुलाम मोहम्मद शाह की सरकार को गिरा दिया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा केवल जीरो टॉलरेंस की बात करती है लेकिन वास्तव में इसका मतलब राजीव गांधी ने दिखाया था। केंद्र की आलोचना करते हुए खेड़ा ने कहा कि सरकार के 70 मंत्री कश्मीर में एक आउटरीच कार्यक्रम कर रहे हैं और पूछा कि क्या उनमें से कोई कश्मीरी पंडितों के शिविर में गया।

उन्होंने पूछा, यह आउटरीच क्या है जब आप वहां शिविरों में रहने वाले कश्मीरी पंडितों तक नहीं पहुंच सकते हैं। एक आदेश का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को उनकी इच्छा के खिलाफ काम पर लौटने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि इस साल जनवरी से अक्टूबर तक कश्मीरी पंडितों की 30 लक्षित हत्याएं हुई हैं।

गोपाल राय का दावा-एलजी ने रोक ली 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' की फाइल

केजरीवाल ने कहा-गंदी राजनीति है इसकी वजह

नई दिल्ली,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय का दावा है कि एलजी वीके सक्सेना दिल्ली सरकार की रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान से जुड़े फाइल को क्लियर नहीं कर रहे हैं। मालूम हो कि यह अभियान कल से शुरू होना तय था।

उन्होंने कि 21 तारीख को ये फ़ाइल एलजी को भेजी गई थी लेकिन एलजी विनय सक्सेना की ओर से अभी तक फ़ाइल को मंजूरी नही दी गई। राय ने कहा कि उन्हें बहुत सारे कामों के लिए फुर्सत है, रोजाना चिट्ठी लिखते हैं, इसी शहर में रहते हैं। लेकिन उन्होंने अबतक इस फाइल को साइन नहीं किया है।अभी तक फ़ाइल न आने की वजह से ये मुहिम पोस्टपोन करनी पड़ रही है। साथ ही राय ने तंज कसते हुए कहा कि एलजी के पास सीएम अरविंद केजरीवाल को बेमतलब पत्र लिखने समेत हर तरह की चीजों के लिए वक्त है लेकिन रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ कैंपेन की फाइल क्लियर करने का वक्त नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि एलजी कार्यालय को बार-बार कॉल करने के बावजूद, उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया ,जिस कारण से रेड लाइट ऑन, गाडी ऑफ अभियान रोक दिया गया है। वहीं, सीएम केजरीवाल ने बीजेपी पर हमला करते हुए लिखा कि गाड़ियों के प्रदूषण को कम करने के लिए 28 तारीख से शुरू होने वाले 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैम्पेन को एलजी साहब द्वारा फ़ाइल रोकने की वजह से स्थगित करना पड़ रहा है जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

बता दें कि वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार एक बार फिर 28 अक्टूबर से 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान शुरू करने जा रही है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने घोषणा की। गौरतलब है कि इस अभियान को सबसे पहले 16 अक्टूबर 2020 को वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए शुरू किया गया था।

ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी मामले पर सुनवाई खत्म, आठ नवंबर को आएगा कोर्ट का आदेश

वाराणसी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी मस्जिद और श्रृंगार गौरी मामले पर गुरुवार को वाराणसी कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है। अदालत ने आदेश के लिए 8 नवंबर की तारीख नियत कर दी है। भगवान आदि विश्वेश्वर के विराजमानका मामला सुनवाई योग्य है या नहीं इस पर आज यानि गुरुवार कोसिविल जज सीनियर डिवीजन महेंद्र प्रसाद पांडेय की फास्ट ट्रैक कोर्ट में फैसला आना था। बतादें कि मामले पर हिंदू और मुस्लिम पक्ष की बहस 15 अक्तूबरको हुई थी। बहस के बाद कोर्ट नेसुनवाई की अगली तारीख 27 अक्तूबर यानि आज की नियतकी थी। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है।

संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल कराने की दिशा में प्रयास जारी : जयशंकर

नयी दिल्ली,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल कराने की दिशा में प्रयास जारी है, इसमें कुछ प्रगति हुई है लेकिन इसमें अभी थोड़ा समय लगेगा । जयशंकर ने 12वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के शुभंकर एवं वेबसाइट के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान एक सवाल के जवाब में यह बात कही ।

विदेश मंत्री ने कहा, आप जानते हैं कि हिन्दी का उपयोग यूनेस्को में हो रहा है। जहां तक संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में हिन्दी के उपयोग की बात है, तो इस बारे में संयुक्त राष्ट्र के साथ हमारा एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) है। उन्होंने कहा कि इसके तहत अभी सोशल मीडिया, न्यूजलेटर में हिन्दी का उपयोग किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को शामिल करने के संदर्भ में उन्होंने कहा कि इसे बढ़ाने में अभी थोड़ा समय लगेगा । संयुक्त राष्ट्र की प्रक्रिया में एक नयी भाषा को शामिल करना इतना आसान नहीं है।

डिजिटल माध्यम से दूसरे देशों में हिन्दी को बढ़ावा देने के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारा अनुभव डिजिटल माध्यम के उपयोग को लेकर है, खासकर अफ्रीका में अच्छा अनुभव है। यह शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में डिजिटल माध्यम के उपयोग से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि सलाहकार समिति की बैठक में आज इस विषय पर चर्चा हुई है और हमारी इच्छा है कि हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिये आधुनिक तकनीक का उपयोग करें । इससे पहले, जयशंकर ने अपने ट्वीट में कहा, 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन के आयोजन के लिए गठित सलाहकार समिति और उप-समितियों की पहली बैठक में भाग लिया। मोदी सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उल्लेखनीय प्रयास कर रही है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि भारत और विदेश में रहने वाले हिंदी प्रेमी, विद्वान तथा शिक्षण संस्थान इस सम्मेलन में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

सोलन में 5 नवंबर को चुनावी हुंकार भरेंगे मोदी

शिमला, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 नवंबर को सोलन में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। उनका दौरा लगभग तय हो चुका है। मोदी ठोडो मैदान में शिमला लोकसभा क्षेत्र के सोलन, शिमला और सिरमौर के सभी 17 विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के पक्ष में दोपहर के समय जनसभा करेंगे। सोलन जिला शिमला और सिरमौर के केंद्र में पड़ता है। लिहाजा यहां पर ही प्रधानमंत्री समेत केंद्रीय नेताओं की रैलियां और जनसभाएं आयोजित की जाती हैं। इससे पहले मोदी निचले हिमाचल में रैलियां और जनसभाएं कर चुके हैं। बिलासपुर, ऊना, चंबा में चुनावी हुंकार भर चुके हैं। इसके अलावा मंडी में उन्होंने कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित किया था। विधानसभा चुनाव को देखते हुए दशहरे के बहाने कुल्लू में भी मोदी आ चुके हैं। इससे पहले सोलन में मोदी ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान जनसभा की थी। उसके बाद वह पहली बार सोलन आएंगे।

अहमदाबाद से दिल्ली आ रही अकासा एयर फ्लाइट से टकराई पक्षी

इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद से दिल्ली आ रही अकासा एयर की फ्लाइट पक्षी की चपेट में आ गई। अकासा की फ्लाइट संख्या क्यूपी 1333 अहमदाबाद से दिल्ली आ रही थी तभी फ्लाइट से एक पक्षी टकरा गई। पक्षी टकराने के बाद जहाज को सुरक्षित उतार लिया गया। अकासा एयर के प्रवक्ता ने बताया कि फ्लाइट को सुरक्षित उतार लिया गया और सभी यात्री सुरक्षित हैं।

देश के इन राज्यों में कल से होगी बारिश

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में इस बात की भविष्यवाणी की है कि 29 अक्टूबर से देश के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में निचले क्षोभमंडल के स्तर में उत्तर-पूर्वी हवाओं के साथ पूर्वोत्तर मानसून की बारिश हो सकती है। पूर्वानुमान में यह भी कहा गया है कि एक चक्रवाती परिसंचरण वर्तमान में पश्चिम मध्य और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के निचले क्षोभमंडल स्तरों में बना हुआ है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने कहा कि निचले क्षोभमंडल स्तरों में एक ट्रफ रेखा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक से तमिलनाडु होते हुए बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी तक जाती है। आईएमडी ने कहा, "उपरोक्त स्थितियों के कारण 29 और 30 अक्टूबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा और केरल में अलग-अलग जगहों पर बारिश हो सकती है।" मौसम विभाग ने कहा है, 30 अक्टूबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। अगले दो दिनों के दौरान उत्तर-पूर्वी राज्यों और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग जगहों पर हल्की वर्षा की संभावना है। पूर्वानुमान में यह भी कहा गया है कि अगले पांच दिनों के दौरान देश के बाकी हिस्सों में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा

जम्मू-कश्मीर में चुनाव के लिए हम तैयार

श्रीनगर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष एवं सांसद डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में जब भी विधानसभा चुनाव होंगे, उनकी पार्टी इसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हालात कभी ठीक नहीं थे, तब भी यहां चुनाव होते रहे हैं। यहां तीन साल से चुनाव नहीं हुए हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में फारूक अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि जब कश्मीर में बाढ़ आई थी, तब भी यहां चुनाव हुए थे। तब चुनाव को देरी से करने के लिए कहा गया था, लेकिन इलेक्शन हुए। इससे पहले भी विपरीत परिस्थितियों में चुनाव हुए हैं। अभी तीन साल से चुनाव प्रक्रिया अधर में हैं। ऐसे में जब भी चुनाव होंगे, उनकी पार्टी इसके लिए तैयार है।

राजनाथ सिंह बोले- पीओजेके के लोगों का दर्द हम समझते हैं

वो दिन दूर नहीं, जब सभी मैंडेट होंगे पूरे

श्रीनगर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीनगर के बडगाम में शौर्य दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पोओजेके के लोगों का दर्द हम समझते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि वे पाकिस्तान से सवाल करना चाहेंगे कि जिन इलाकों पर उसने अनधिकृत कब्जा किया हुआ है वहां लोगों को क्या अधिकार दिए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, 'यहां मैं पाकिस्तान से यह सवाल जरूर पूछना चाहूंगा, कि हमारे जिन इलाकों पर उसने अपना अनधिकृत कब्जा जमाया हुआ है, वहां के लोगों को उसने कितने अधिकार दे रखे हैं। मानवाधिकार के नाम पर मगरमच्छ के आंसू बहाने वाला पाकिस्तान, इन इलाकों के लोगों की कितनी चिंता करता है, यह सब जानते हैं।' आगे उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख का क्षेत्र आज सामान्य प्रदेशों से कहीं अधिक रफ्तार से प्रगति के रास्ते पर है। यह प्रदेश एक के बाद एक विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। पर मैं यहां कहना चाहूंगा, कि अभी तो हमने इस इलाके के विकास का आगाज भर किया है। राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी यात्रा तो तब पूरी होगी, जब 1947 के रिफ्यूजियों को न्याय मिलेगा, जब उनके पूर्वजों की भूमि उन्हें सम्मान के साथ वापस मिल सकेगी। मैं यहां की जनता, और हमारी सेनाओं के पराक्रम के बल पर पूरा आश्वस्त हूं, कि वह दिन दूर नहीं जब हमारे यह सभी मेनडेट भी सफलतापूर्वक पूरे होंगे। उन्होंने कहा, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू और कश्मीर के पूर्ण एकीकरण का एक महायज्ञ शुरू किया था, जिसकी पूर्णाहुति 5 अगस्त 2019 को हुई, जब माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में अनुच्छेद का अवसान हुआ, और इस क्षेत्र में उम्मीदों की एक नई सुबह हुई।

कनाडा के ब्रैम्पटन की पहली सिख महिला पार्षद बनीं नवजीत कौर बराड़

जालंधर (पंजाब), 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-कनाडाई स्वास्थ्य कार्यकर्ता नवजीत कौर बराड़ कनाडा के ब्रैम्पटन शहर की पहली सिख महिला पार्षद चुनी गई। उन्होंने जर्मेन चैंबर्स को हराया, जो ब्रैम्पटन वेस्ट के लिए एक पूर्व कंजर्वेटिव एमपी उम्मीदवार थीं। चैंबर्स को 22.59 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए व कारमेन विल्सन 15.41 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर आए। अपने अभियान के रूप में, नवजीत कौर बराड़ ने पिछले दो माह में 40,000 से अधिक दरवाजे खटखटाए व 22,500 से अधिक निवासियों से बात की। एक अन्य सिख उम्मीदवार गुरप्रताप सिंह तूर ने वार्ड 9 और 10 में अपने प्रतिद्वंद्वी गुरप्रीत ढिल्लों को 227 वोटों से हराया। जानकारी के अनुसार लगभग 40 पंजाबी ब्रैम्पटन निकाय चुनावों के लिए मैदान में थे और 354,884 योग्य मतदाताओं में से केवल 87,155 ही मतदान करने के लिए पहुंचे थे।

दलाईलामा ने कहा

तिब्बत का मसला एक दिन जरूर सुलझेगा

धर्मशाला, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। आप सभी की प्रार्थनाओं से मैं लगातार दूसरों की सेवा के लिए समर्पित और दृढ़ संकल्पित हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि एक दिन तिब्बत का मसला जरूर सुलझेगा। मैं लगातार इसके लिए प्रार्थना कर रहा हूं। आप सब भी इसके लिए प्रार्थना करें। मैक्लोडगंज के मुख्य बौद्ध मंदिर में तिब्बतन चिल्ड्रन्ज विलेज के पूर्व छात्रों और नॉर्थ अमेरिकन तिब्बतन एसोसिएशन की ओर से लंबी आयु के लिए आयोजित प्रार्थना सभा में दलाईलामा ने यह बात कही। तिब्बती धर्मगुरु ने कहा कि मैंने बौद्ध चित्त को अपने जीवन का एक बुनियादी सिद्धांत बनाया है। इसलिए मैंने अपना जीवन दूसरों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप आज मेरा अपना स्वयं का स्वास्थ्य भी अच्छा है और मानसिक रूप से भी मैं शांत हूं। मैं रोज सुबह उठकर बौद्ध चित्त का अभ्यास करता हूं। आप सभी से भी मेरा निवेदन है कि नियमित रूप से जीवन में ध्यान और बौद्ध चित्त का अभ्यास करें। उन्होंने कहा कि हर प्राणी सुख की इच्छा करता है। संसार का हर सुख परोपकार की भावना से प्राप्त होता है और हर दुख स्वार्थ की भावना से। हम लोगों में स्वार्थ की भावना ज्यादा रहती है।

मुंबई में दो महीने की बच्ची का अपहरण करके ले गए बदमाश

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में दिल दहला देने वाला एक मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि यहां दो महीने की एक बच्ची का अपहरण कर लिया गया। घटना के वक्त बच्ची की मां उसके पास ही सो रही थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, मुंबई में सेंट जेवियर स्कूल के पास सड़क किनारे एक महिला अपनी दो महीने की बच्ची के साथ सो रही थी। रात के वक्त किसी ने उसकी बच्ची का अपहरण कर लिया।

हरियाणा को अमित शाह ने दी करोड़ों की सौगात

कहा- 'मोदी जी ने दीपावली का तोहफा भेजा है'

चंडीगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा के लोगों को चार बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी। फरीदाबाद में जन उत्थान रैली में गृहमंत्री ने मंच से रिमोट बटन दबाकर करीब 6,629 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। इस दौरान अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि- "मोदी जी ने दीपावली का तोहफा भेजा है। आज लगभग 6,629 करोड़ के कामों का भूमिपूजन और उद्घाटन मेरे और अश्विनी वैष्णव जी के हाथों से हुआ है।"

मनोहर लाल के सरकार ने भ्रष्टाचार नहीं होने दिया: शाह

उन्होंने कहा, "8 साल से पहले का हरियाणा याद कीजिए। एक सरकार बनती थी तो भ्रष्टाचार होता था और दूसरी सरकार बनती थी तो गुंडा गर्दी बढ़ती थी। मनोहर लाल के सरकार ने भ्रष्टाचार नहीं होने दिया, गुंडा गर्दी को समाप्त कर हरियाणा को सलामत बनाने का काम किया है।"

गरीब तक पहुंची योजनाएं: शाह

उन्होंने कहा, "50 साल की सरकारें एक तरफ और हमारे मनोहर लाल की 8 साल की सरकार एक तरफ, परिणाम हमारा भारी है। हमने विरासत में मिले फटे-हाल व्यवस्था को बदला है, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है, भाई-भतीजावाद को खत्म किया है और मोदी जी की योजनाओं को हर गरीब तक पहुंचाया है।

कालिंदी कुंज में यमुना में दिखा जहरीला झाग

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में यमुना की सफाई के तमाम दावे हुए लेकिन नदी की सूरत में कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है। गुरुवार को कालिंदी कुंज से सामने आई तस्वीर ने इस बात पर मुहर लगा दी है। कालिंदी कुंज में गुरुवार को छठ पूजा की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले यमुना में हर साल की तरह इस बार भी जहरीला झाग दिखाई दिया। एक स्थानीय महिला ने बताया कि कल से छठ का त्योहार शुरू हो जाएगा तो हम चाहते हैं कि यहां पर साफ-सफाई हो जाए। हर साल यहां पर सफाई नहीं होती है, यहां पर नहाने से खुजली होती है लेकिन हमारी मजबूरी है तो सरकार को कुछ करना चाहिए।

प्रदेश के युवा नेताओं को खरगे की टीम में नहीं मिली जगह

दिग्विजय सिंह का लगातार बढ़ रहा कद

भोपाल, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभाल लिया है। इसके साथ ही उन्होंने 47 सदस्यों की कार्य संचालन समिति गठित की है। यह कमेटी कांग्रेस के सभी अहम निर्णय लेगी। इस समिति में प्रदेश से सिर्फ पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह को शामिल किया गया है, जबकि पड़ोसी राजस्थान से कांग्रेस के चार नेताओं को जगह मिली है। खरगे की टीम में प्रदेश के युवा नेताओं को मौका नहीं मिला है। जबकि दिग्विजय सिंह का राष्ट्रीय स्तर पर कद लगातार बढ़ता जा रहा है। दिग्गी गांधी परिवार के करीबी हैं।

दिग्विजय सिंह के पास बड़ी जिम्मेदारी

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की आयोजन समिति का अध्यक्ष दिग्विजय सिंह को बनाया गया है। इसके साथ ही वह प्रदेश में सक्रिय हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने उनको कार्यकर्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान करने वाले मामले देखने वाली समिति का प्रमुख बनाया है। इसको लेकर समिति बैठक भी कर चुकी है। इसकी सभा की शुरुआत दतिया से करने का निर्णय लिया गया है।

युवाओं को नहीं मिला मौका

मध्यप्रदेश से राहुल की टीम माने जाने वाले पूर्व मंत्री जीतू पटवारी हों या पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव और मीनाक्षी नटराजन। खरगे की टीम में किसी युवा को मौका नहीं मिला है। बता दें, दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन फॉर्म लिया था, लेकिन खरगे का नाम आने के बाद उन्होंने उनको अपना वरिष्ठ नेता बताकर चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया था।

प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव

प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। खरगे की बनाई कार्य संचालन समिति पार्टी के सभी बड़े फैसले लेगी। दिग्विजय सिंह के टीम में शामिल होने से कांग्रेस को प्रदेश में फायदा मिल सकता है। प्रदेश कांग्रेस की जिम्मेदारी कमलनाथ के पास है। दोनों की जुगलबंदी अच्छी है। दिग्विजय सिंह का प्रदेश के जमीनी कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क है। इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा।

एक बढ़ वर्ग को प्रभावित करते हैं दिग्गी

प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार प्रभू पटेरिया ने कहा कि कांग्रेस के उदयपुर अधिवेशन में युवाओं को मौका देने को लेकर प्रस्ताव पास हुआ था। मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के 50 प्रतिशत पद 50 से कम उम्र के नेताओं को देने की बात कही थी, लेकिन कार्य संचालन समिति में सिर्फ एक व्यक्ति 50 से कम उम्र का है। इससे साफ है कि खरगे अनुभव का उपयोग करना चाहते है। पार्टी में लगातार दिग्विजय सिंह का एक बार फिर से पार्टी में कद बढ़ते जा रहा है।

महबूबा मुफ्ती को नहीं है बंगले में रहने का 'हक'

मुकर्रर हुई खाली करने की तारीख

श्रीनगर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती से 15 नवंबर तक या उससे पहले अपना सरकारी बंगला खाली करने का आदेश दिया। जम्मू-कश्मीर संपदा विभाग ने सुश्री मुफ्ती को गुप्कर रोड स्थित 'फेयरव्यू' बंगला खाली करने का आदेश दिया है।

आदेश में कहा गया है कि मुफ्ती 'अनधिकृत' रूप से इस बंगले में रह रही हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मुफ्ती को आवंटित बंगला उन्हें 27 अप्रैल 2017 को तत्कालीन राज्य की मुख्यमंत्री के तहत छह महीने के लिए दिया गया था और इसे बाद में इसे 31 अक्टूबर 2018 तक बढ़ा दिया गया था और इसके बाद इसमें कोई विस्तार नहीं किया गया। आदेश में कहा गया है कि उसके बाद वह अब सरकारी बंगले की हकदार नहीं थीं, क्योंकि कानूनी प्रावधान जिसके तहत पूर्व मुख्यमंत्री विभिन्न सुविधाओं के हकदार थे, भारत सरकार द्वारा 2020 में निरस्त कर दिया गया था। सरकार ने कहा कि पूर्व में बेदखली के नोटिस पर मुफ्ती का जवाब 22 अक्टूबर को मिला था।

उन्होंने कहा, 'आपने (मुफ्ती) जो तथ्य रखे हैं वे आपको सरकारी आवास को बनाए रखने के लिए कहीं से भी हक नहीं देते हैं। विशेष रूप से ऐसे में जब सरकार ने आपको सुरक्षा या किसी अन्य आधार पर वैकल्पिक आवास प्रदान करने की अपनी इच्छा को लिखित रूप में सूचित किया है। अब, इसलिए, जम्मू-कश्मीर सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत कब्जेदारों की बेदखली) अधिनियम, 1988 की धारा 5 की उप-धारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दिया जाता है कि महबूबा मुफ्ती, पूर्व मुख्यमंत्री और सभी व्यक्ति जो अनुसूचित परिसर या उसके किसी हिस्से पर कब्जा कर रहे हैं, वे 15.11.2022 को या उससे पहले निर्धारित परिसर को खाली कर सकती हैं।'

ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र को लेकर

केरल हाईकोर्ट का अहम फैसला

कोच्चि, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के प्रमाण पत्र को लेकर अहम फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि एक विवाहित महिला, जो कि अलग रहती है और उसके परिवार के पास एक भूखंड है तो उसे ईडब्ल्यूएस के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। उसके परिवार के पास भूखंड होने से वह आर्थिक रूप से सक्षम नहीं मानी जा सकती। हाईकोर्ट ने इस आदेश के साथ ही गांव के अधिकारी को यह आदेश भी दिया कि वह याचिकाकर्ता महिला को अंतिम फैसला दिए जाने तक सशर्त अस्थायी ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जारी करे। यह आदेश याचिकाकर्ता सेंड्रा स्टीफन की याचिका पर दिया गया है। इस याचिका की सुनवाई कोच्चि स्थित हाईकोर्ट की एकल पीठ के जस्टिस वीजी अरुण कर रहे हैं। याचिका में मांग की गई है कि हाईकोर्ट तहसीलदार को ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दे, ताकि वह कृषि अधिकारी के पद के लिए 27 नवंबर को अपने प्रमाण पत्रों का सत्यापन करा सके। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने कहा कि सरकारी आदेश में विशेष रूप से कहा गया है कि यदि आवेदक के परिवार के पास नगर निगम सीमा के भीतर आवासीय भूखंड है, तो आवेदक ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र का पात्र नहीं होगा। इस केस में याचिकाकर्ता के परिवार के पास भूखंड व उस पर निर्मित मकान है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि एक विवाहित महिला जो अलग रहती है और उसके परिवार के पास भूखंड है, तो उसे ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र से वंचित नहीं किया जा सकता। बता दें, केंद्र सरकार ने सरकारी नौकरियों में ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी आरक्षण दिया है।

नाबालिग लड़की को 'आइटम' कहना युवक को पड़ा भारी

कोर्ट ने सात साल बाद सुनाई डेढ़ साल की सजा

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने एक नाबालिग लड़की को परेशान करने के आरोप में एक युवक को डेढ़ साल की कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा है कि लड़की को 'आइटम' कहना अपमानजनक है और यह उसे यौन रूप से ऑब्लेक्टिफाई करता है। 20 अक्टूबर को पारित इस आदेश में विशेष अदालत ने आरोपी के प्रति नरमी दिखाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा, 'रोड साइट रोमियो' के अपराधों से महिलाओं को बचाने के लिए उन्हें सबक सिखाया जाना जरूरी है। मामला, जुलाई 2015 का है।

एआईएडीएमके ने सीएम स्टालिन पर कसा तंज

चेलप्पा बोले- 'उनके पास सरकार चलाने का कौशल नहीं'

मदुरै, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता राजन चेपल्ला ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर हमला बोला। मदुरै में एक आम बैठक को संबोधित करते हुए चेपल्ला ने कहा, मुख्यमंत्री के पास सरकार के प्रबंधन का कोई कौशल नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, पूरे राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। इस दौरान उन्होंने कोयंबटूर की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि सीएम ने इस घटना के बाद केंद्र से एनआईए जांच की मांग की थी, लेकिन उनकी सिफारिश से पहले ही एनआईए यहां आ चुकी थी और उसने जांच शुरू कर दी थी। चेपल्ला ने कहा, कुछ दिन पहले बारिश के पानी में नाले में गिरकर एक पत्रकार की मौत हो गई थी। क्या सरकार को नहीं पता है कि बारिश का मौसम आ गया है और ऐसी जगहों को सुरक्षित किया जाना चाहिए। चेपल्ला ने स्टालिन पर आरोप लगाते हुए कहा, जब से राज्य में डीएमके की सरकार सत्ता में आई है, कितने मंदिरों में दुर्घटनाएं हुई हैं।

कोयंबटूर में कार में फटा था सिलेंडर

23 अक्तूबर को कोयंबटूर में एक कार में एलपीजी सिलेंडर फट गया था। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। बाद में इस घटना में आतंकी एंगल सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसी बीच 26 अक्तूबर को मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस मामले की जांच एनआईए से कराने की सिफारिश कर दी थी। बता दें, कार में विस्फोट उस वक्त हुआ था, जब मुबीन इस शहर में एक कार से एक मंदिर के पास से गुजर रहा था। उसने कथित तौर पर एक पुलिस चेक पोस्ट से बचने की कोशिश की थी।

डीआरओ को सौंपी जाएगी सोने की ढाल

इस बीच राजन चेपल्ला ने कहा, मुथुरामलिंग थेवर की सोने की ढाल दिवंगत नेता जयललिता को उपहार में दी गई थी। यह अन्नाद्रमुक के लिए सम्मान की बात है। लेकिन कोर्ट ने आदेश दिया है कि इस बार सोने की ढाल रामनाथपुरम डीआरओ को सौंप दी जाए. यह आदेश केवल इसी वर्ष के लिए मान्य है। उन्होंने कहा, अगले साल हम डिंडीगुल श्रीनिवासन के हाथों मुथुरामलिंगा थेवर के सोने के कवच खरीदेंगे और उनके माध्यम से मुथुरामलिंगा थेवर को सम्मान देंगे।

सुविचार
कल्पनायें एक खूँखार शेर की तरह हैं, इन्हें उग्र मत बनने दें

मुनुगोडु में नल खोलने पर पानी के बदले मिल रही है शराब : वाईएस शर्मिला

हैदराबाद, 27 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी अध्यक्षा वाईएस शर्मिला ने कहा कि, मुनुगोडु में नल खोलने पर पानी के बदले शराब बह रही है। इस संदर्भ में वाईएसआरटीपी अध्यक्षा वाईएस शर्मिला ने मीडिया को बताया कि, टीआरएस सरकार, राज्य में प्रजातंत्र को बरबाद करने पर तुली है। यही नही राज्य में प्रजातंत्र को बरबाद करने में टीआरएस के साथ बीजेपी व कांग्रेस की पूरी भूमिका से कतई इनकार नही किया जा सकता। इसके चलते उन्होंने आम जन से यह आह्वान किया कि, टीआरएस, बीजेपी व कांग्रेस पार्टियों का तुरंत बहिष्कार किया जाए। जिसमें उन्होंने यह सवाल किया कि, मुनुगोडु उप चुनाव के चलते राज्य में विधायकों की कौन खरीदी बिक्री कर रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि विधायकों को किसने प्रगति भवन में छिपाया है। इस मामले में उन्होंने तत्संबंधित मुख्य पार्टियों पर आरोप लगाया कि, केवल यही पार्टियां ही मुनुगोडु उप चुनाव को पैसे के बल पर जीतना चाहते हैं। इसी क्रम में उन्होंने टीआरएस सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि, चूंकि जल्द ही मुनुगोडु में उप चुनाव होने जा रहे हैं तथा इसके चलते इस क्षेत्र में नलों के खोलने पर पानी के बदले लिक्कर या शराब बह रहा है। इसे देखते हुए यहां की जनता को चाहिए कि टीआरएस, बीजेपी व कांग्रेस पार्टियों को वोट न देकर उनका बहिष्कार किया जाये। ताकि प्रजातंत्र की रक्षा हो सके।

सत्यम शिवम सुंदरम गौनिवास में गौ पूजन व गोवर्धन पर्वत पूजन कार्यक्रम 13 नवंबर को

हैदराबाद, 27 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्यम शिवम सुंदरम गौनिवास आयोजन समिति ने बताया कि, अगले माह की 13 तारीख, रविवार को गौ पूजन एवं गोवर्धन पर्वत पूजन का भव्य आयोजन हो रहा है। इस संदर्भ में, आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, तत्संबंधित समिति की 22 वीं वर्षगांठ के शुभावसर पर प.पू. 1008 श्री सेवारामजी(बापजी महाराज) रामनाथ आश्रम के पावन सान्निध्य में, रविवार 13 नवंबर 2022 को गौ पूजन व गोवर्धन पर्वत पूजन का भव्य आयोजन, शुभ स्थल सत्यम शिवम सुंदरम गौनिवास, गगन पहाड, हैदराबाद पर प्रातः 11 से सायं 5.30 बजे तक किया जा रहा है। इसका आयोजन 5700 से अधिक गौवंश के पवित्र प्रांगण में किया जा रहा है।

हॉर्स ट्रेडिंग के लिए बीजेपी द्वारा स्वामीजी का इस्तेमाल किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण : इंद्रकरन रेड्डी

यादाद्री-भोंगिर, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व मंत्री ए. इंद्रकरण रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा ने टीआरएस के चार विधायकों को खरीदने के प्रयास में एक धार्मिक व्यक्ति का इस्तेमाल किया। वह संस्थान नारायणपुर में टीआरएस द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में बोल रहे थे, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका।

उन्होंने कहा कि बीजेपी की अनैतिक राजनीति चरम पर पहुंच गई है क्योंकि इसमें 'स्वामीजी' का इस्तेमाल होता है और हिंदू धर्म का नारा लगाने वाले बीजेपी नेताओं को अनैतिक राजनीति में शामिल करके उनकी पवित्रता को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। तेलंगाना के लोगों ने भाजपा की साजिश का पर्दाफाश किया है, उन्होंने मुनुगोड़े के लोगों से उपचुनाव में टीआरएस उम्मीदवार कूसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी की जीत सुनिश्चित करने और भाजपा की साजिशों का जवाब देने के लिए कहा। यह कहते हुए कि तेलंगाना के लोग मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के साथ खड़े हैं, उन्होंने कहा कि तेलंगाना में भाजपा की साजिश नहीं चलेगी।

मुनुगोड़े में हार के डर से बीजेपी के खिलाफ कहानियां बना रही है टीआरएस : चुघ

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, जो पार्टी की तेलंगाना इकाई के प्रभारी भी हैं, ने कथित घटना पर कड़ी आपत्ति जताई है जिसमें आरोप लगाया गया है कि भाजपा ने मोइनाबाद में एक फार्महाउस पर टीआरएस के चार विधायकों को लुभाने का प्रयास किया है। हैदराबाद और कहा कि टीआरएस भाजपा को बदनाम करने और मुनुगोड़े उपचुनाव के परिणाम को निर्धारित करने वाले मूल मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए मुर्गा-बैल की कहानियां लगा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा मंचित किया गया पूरा प्रकरण उनकी हताशा का प्रतीक है। पूरे प्रकरण में चुनाव आयोग से जांच कराने की मांग करते हुए चुघ ने कहा कि साजिश में राज्य पुलिस की मिलीभगत का पर्दाफाश करने की जरूरत है। चुघ ने सवाल किया कि विचाराधीन विधायकों को उनके बयान दर्ज करने के लिए पुलिस स्टेशन क्यों नहीं ले जाया गया, और ऐसी कौन सी शर्तें थीं जो अपराध के कथित स्थल पर एडीजी रैंक के पुलिस अधिकारी की उपस्थिति की गारंटी देती हैं? पैसा कहां जब्त किया गया है? ये बिचौलिए कौन हैं?

तेलंगाना सरकार के विशेष सहयोग से बिहार एसोसिएशन, हैदराबाद ने 29-31 अक्टूबर को विभिन्न घाटों पर छठ पूजा की व्यवस्था की है।घाटों की पूर्ण सफाई,स्वच्छ जल भराव,लाइट,पब्लिक एड्रेस सिस्टम,टेंट,स्टेज और कानून व्यवस्था आदि पर उचित ध्यान दिया गया है। कृपया निकट के घाटों पर पधार कर पूजन करें।

छठ घाट चिल्ड्रन पार्क टैंक बंड
भरत सिंह : 8008449495, श्याम सुंदर झा : 9247325336
इसके साथ ही निम्न घाटों पर भी बिहार एसोसिएशन ने छठ समरोह का आयोजन किया है।
छठ घाट उप्पल : प्रभाष कुमार: 8885104305, रविशंकर 9246206653 छठ घाट नगोल : राम बिनोद झा 9000973669 अमरेश कुमार मौर्य 9885344446
छठ घाट हसमत पेट : उत्तम यादव 994951199, दीपक यादव 9703339457
नारायण झा छठ घाट शामीरपेट तालाब : विनोद गुप्ता 9701233468. हरेराम यादव 9348822999
छठ घाट समशाबाद : नंद लाल चौहान 9573350401, संजय कुमार यादव: 9866430539. छठ घाट पठानचेरू : किशन प्रसाद 9052099993, धर्मजीत यादव 8790971572
छठ घाट मियापुर प्रेम शंकर सिंह : 8019126025, एम के सिंह 9642882255
छठ घाट अमीनपुर गोपाल शाह : 9866349570, छठ घाट कटेदान मनोज साही : 9848431529/8099055589. छठ घाट नलगण्डा : राजीव रंजन 9940720297, अतुल कुमार 9000203665, छठ घाट बोलाराम : अखिलेश सिंह 8639670734

हरेराम सिंह अध्यक्ष | प्रभाष कुमार महासचिव | विनोद कु.गुप्ता कोषाध्यक्ष

भाकृ अनुप-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Oilseeds Research
राजेंद्रनगर, हैदराबाद-500 030, तेलंगाना राज्य, भारत
Rajendranagar, Hyderabad-500 030, Telangana State, India
Tel.: 040-24598204, Website: http://www.icar-iior.org.in
ISO 9001:2008 Certified Institute

F.No.20-16/2014/FMS/Misc. CORRIGENDUM Date: 26.10.2022

Walk-in-interview for the Temporary posts of Young Professionals at ICAR-Indian Institute of Oilseeds Research, Rajendranagar, Hyderabad-30 is hereby postponed to **10.11.2022 & 11.11.2022** instead of **07.11.2022 & 08.11.2022**.

For more details please visit IIOR Website **www.icar-iior.org.in**

SR.ADMN.OFFICER

शहर में छठ पूजा की तैयारी जोरों पर

विधायक सायन्ना को सौंपा निमंत्रण पत्र

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन के कर्मठ कार्यकर्ता शहर के सभी भागों में महापर्व छठ की तैयारी में जुट गया है। छठ घाटों की सफाई क्षेत्रीयवार युद्ध स्तर पर किया जा रहा है, एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति को जानकारी उपलब्ध कराते हुए कहा कि इस बार बिहार एसोसिएशन हैदराबाद प्रतिनिधि मंडल द्वारा शहर के आमजन के साथ-साथ गणमान्यों को भी पूजा में सम्मिलित हेतु आमंत्रित किया जा रहा है।

आज एसोसिएशन अध्यक्ष हरेराम सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल जी. सायन्ना, विधायक, सिकंदराबाद कॉन्टोमेंट को पूजा में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया गया। प्रतिनिधिमंडल में बिहार फाउंडेशन चैप्टर हैदराबाद के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा, एसोसिएशन उपाध्यक्ष, उत्तम यादव, सहित कार्यकारिणी के अन्य वरिष्ठ सदस्य भी मौजूद रहे। एसोसिएशन मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार यादव ने बताया राज्य के प्रशासनिक विभाग एवं ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन का हमें भरपूर सहयोग मिल रहा है, जिनकी सहायता से हैदराबाद के समस्त भागों में संस्था अपने सभी सदस्यों के साथ मिल कर छठ घाटों को सौंदर्यीकरण मैं लगा हुआ है, जैसा कि हम सभी जानते हैं टैंक बॉन्ड, उपल छठ घाट, एलबी नगर, काटे दान, मियांपुर, अयोध्या नगर, सुभाष नगर इत्यादि जगहों पर छठ व्रतियों का भारी संख्या में उपस्थित रहते हैं, को संज्ञान में रखते हुए एसोसिएशन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन की व्यवस्था की गई है। अध्यक्ष हरेराम सिंह ने कार्यकारिणी सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए कहा हम सभी व्रतियों को अधिक से अधिक सुविधा पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे।

टीआरएस ने पूरे तेलंगाना में विरोध प्रदर्शन किया, पीएम के पूतले फूंके

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी पर तेलंगाना राष्ट्र समिति के चार विधायकों को खरीदने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए, सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को राज्य भर में विरोध प्रदर्शन किया। टीआरएस नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा का पुतला फूंका और तेलंगाना में विभिन्न स्थानों पर सड़क नाकेबंदी के कार्यक्रम किए। टीआरएस विधायक बालका सुमन और दस्यम विनय भास्कर ने मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के चंदूर मंडल मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन किया और बाद में नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। विकाराबाद जिले के पेद्दामुल मंडल मुख्यालय में, नगर अध्यक्ष राममोहन रेड्डी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया था और तांडूर विधायक पायलट रोहित रेड्डी के चित्र पर दूध डाला गया था ताकि पुलिस को भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक गुप्त अभियान का भंडाफोड़ करने के लिए सतर्क किया जा सके। इस बीच, खम्मम जिले में टीआरएस नेताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए।

उधर, नगर में भाजपा की धूर्त राजनीति के विरोध में गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के 4 मंडलों-बेगमबाजार, जामबाग, गोशामहल और मंगलहाट में बड़े पैमाने पर वरिष्ठ नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल के नेतृत्व में पुतला दहन किया गया।

इस अवसर पर पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह, पार्टी नेता धनराज अन्ना, पुरुषोत्तम आला, आनंद के साथ नरेंद्र यादव, पी. अनीता, जयशंकर, यादगिरी, शैलेश कुर्मा, शशिराज सिंह, प्रदीप राज, अनिल राज, राजा यादव, रमन यादव, महिला नेता और अन्य शामिल रहे

CLASSIFIEDS

WANTED

Salesman (Min.5 years exp. In Gold Jewellery), Civil supervisor (min.5 yrs exp), Office boy, Helper Cont. 9392405437
2745340

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

रेलवे ट्रैक पर मिली सबइंस्पेक्टर की लाश

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस के बंजारा हिल्स ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में कार्यरत एक सब-इंस्पेक्टर ने गुरुवार को मौला अली में रेलवे ट्रैक पर कथित तौर पर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस के अनुसार, एपी के श्रीकाकुलम जिले के मूल निवासी 2020 बैच के प्रोबेशनरी सब-इंस्पेक्टर बी रमना शहर में रह रहे थे। गुरुवार की सुबह स्थानीय लोगों को मौला अली रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक शव मिला और इसकी सूचना रेलवे पुलिस को दी। रेलवे पुलिसकर्मियों की एक टीम मौके पर गई और प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गांधी अस्पताल के मोर्चरी में भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। हैदराबाद पुलिस भी घटना की आंतरिक जांच कर रही है।

हरि ॐ बैठक हरि ॐ

स्व.श्री ओगड़रामजी परिहार
: सुपुत्र : स्व. श्री खीमारामजी परिहार
स्वर्गवास: 5 अक्टुबर 2022 मरुधर मे नाडोल (राज.)
बैठक आज शुक्रवार दि.28 अक्टुबर 2022 प्रात: 10.15 बजे से हमारे निवास स्थान (दुकान के पीछे वाली गली) पर होगी
: शोकाकुल :
कन्याबाई (धर्मपत्नी), सखाराम-भंवरीदेवी, कानाराम-यशोदादेवी (पुत्र-पुत्रवधु), शान्तादेवी-रुपारामजी काग, पुष्पादेवी-मिठालालजी काग (पुत्री-जंवाई)
नरेश, अशोक, रीना, भावना, पुजा, निकिता (पौत्र-पौत्री) एवं समस्त परिहार परिवार
फर्म: रामदेव स्टील हाउस, मैन रोड़ कुशाईगुडा
हैदराबाद 8341118661, 9849246284
P.Solankey

तिलकरोड स्थित तेलंगाना सारस्वत परिषद में त्रिदंडी श्रीनिवास जीयर स्वामी के सान्निध्य में नार्थ दिल्ली कल्चरल एकेडेमी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, परमेश्वरी शर्मा, जयंती पटेल को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग के चेयरमैन जस्टिस डॉ. जी. चंद्रय्या, पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. आरवी चंद्रवदन, बिंगी नरेंद्र गौड़ व अन्य।

भारतीय मानक ब्यूरो
हैदराबाद शाखा कार्यालय

मानक: पथप्रदर्शक:

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) उत्पादों के मानकीकरण, अंकन परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के सामंजस्यपूर्ण विकास के लिए BIS अधिनियम 2016 के तहत स्थापित भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है।

मानकीकरण प्रक्रिया में हितधारकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, BIS ने "मानक मंथन" नामक एक पहल शुरू की। यह हितधारकों के लिए विकास के तहत नए मानकों/विकास के तहत मानकों पर चर्चा करने और नए उत्पादों पर प्रस्ताव देने के लिए एक मंच है।

BIS हैदराबाद शाखा कार्यालय 28 अक्टूबर 2022 को निम्नलिखित नए संशोधित मानक पर मानक मंथन (हाइब्रिड के माध्यम से) आयोजित करने जा रहा है.

प्रबलित चावल के उत्पादन हेतु उपकरण – विशिष्ट (IS 17854)

कार्यसूची : इस मानक मंथन का एजेंडा :
(1) मानकों में शामिल आवश्यकताओं को समझना
(2) उद्योग में परीक्षण और रिकॉर्ड रखने की प्रक्रिया पर चर्चा
(3) उद्योग द्वारा इन मानकों का कार्यान्वयन
(4) अभ्यास संहिता के लिए इस मानक के कार्यान्वयन में मुद्दे
(5) मानकों में आवश्यक परिवर्तनों पर प्रतिक्रिया
(6) इस क्षेत्र में नए मानकों के लिए कोई अन्य प्रस्ताव ।

निर्माण, शिक्षा, उद्योग संघों, सरकारी विभागों, उपभोक्ता निकायों, प्रयोगशालाओं आदि में विभिन्न हितधारकों के साथ- साथ समिति, जो इस मानक के निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं. मानकों पर चर्चा करने के लिए और अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया देने केलिए इस कार्यक्रम का हिस्सा होंगे।

बैठक का विवरण (हाइब्रिड मोड)
दिनांक: 28/10/2022 समय : 1500h to 1730h

स्थान : भारतीय मानक ब्यूरो, हैदराबाद शाखा कार्यालय, प्लॉट नंबर-1, ZTS NFC मेन रोड, मौला अली, सिकंदराबाद, तेलंगाना- 500040. इस बैठक में भाग लेने के इच्छुक हितधारक कृपया, मानक पदोन्नति अधिकारी, PH. NO: 9154843230 या श्री. गोरेनन्द प्रसाद यादव, वैज्ञानिक बी, PH.NO: 7638893175 से संपर्क कर सकते हैं या हमें hybo@bis.gov.in पर ईमेल कर सकते हैं।

मुस्लिम, मदरसा और मायावती

ट्विटर से 2024 की तैयारी में बीएसपी

दलित मुद्दा भी उठाया

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कभी उत्तर प्रदेश पर राज कर चुकी बहुजन समाज पार्टी सियासी वजूद की जंग लड़ रही है। इसके लिए पार्टी प्रमुख मयावती ने कमान संभाल ली है। खबर है कि वह इन दिनों लगातार मुस्लिम समुदाय का समर्थन हासिल करने की कोशिश में जुटी हुई हैं। 2022 विधानसभा चुनाव में बसपा की हालत बेहद खराब रही थी। पार्टी ने 403 सीटों पर चुनाव लड़ा था और केवल 1 ही जीत सकी थी। 287 पर बसपा उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। फिलहाल, वह 2024 लोकसभा चुनाव के लिए दलित-मुस्लिम वोट जुटाने की जुगत में लगी हुई हैं।

विधानसभा चुनाव में बसपा की हार के लिए मायावती ने मुसलमानों को जिम्मेदार बताया था। उनका कहना था कि समुदाय ने समाजवादी पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया, जिसके बाद सपा शासन से डरे सवर्ण, दलित और अन्य पिछड़ा वर्गों ने भारतीय जनता पार्टी के लिए वोट किया। उन्होंने चुनाव से मिले अनुभव को 'सीख' माना था।

मौजूदा गतिविधियों को देखें, तो मायावती लगातार यह सुनिश्चित करने में लगी हुई हैं कि कम से कम ट्विटर पर ही वह समुदाय के मुद्दों को पहले उठाती रहें। उन्होंने राज्य में चर्चा में चल रहे मदरसा के मुद्दे को भी उठाया था। बसपा सुप्रीमो ने राज्य सरकार से सवाल किया था कि सर्वे में मिले 7500 गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को मान्यता देगी या नहीं। मयावती ने बताया था कि उनकी सरकार में 100 मदरसे यूपी बोर्ड से जुड़े हुए थे।

कांग्रेस को भी घेरा

अब वह कांग्रेस को भी मदरसा के मुद्दे पर घेर रही हैं। उन्होंने ट्वीट किया, 'पहले कांग्रेस सरकार ने 'मदरसा आधुनिकीकरण' के नाम पर वहाँ के छात्रों को उनकी पसंद की उच्च शिक्षा सुनिश्चित करने के बजाय उन्हें ड्राइविंग, मैकेनिक, कारपेन्टर आदि की ट्रेनिंग के जरिए छात्रों की तालीम व उन मदरसों का भी अपमान किया और अब आगे देखिए बीजेपी सरकार में उनका क्या होता है?'

हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के बाद भी उन्होंने पार्टी पर सवाल उठाए थे। उन्होंने लिखा था, 'कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि इन्होंने दलितों व उपेक्षितों के मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर व इनके समाज की हमेशा उपेक्षा/तिरस्कार किया। इस पार्टी को अपने अच्छे दिनों में दलितों की सुरक्षा व सम्मान की याद नहीं आती बल्कि बुरे दिनों में इनको बलि का बकरा बनाते हैं।'

मायावती के एक अन्य ट्वीट के अनुसार, 'अर्थात कांग्रेस पार्टी को अपने अच्छे दिनों के लम्बे समय में अधिकांशतः गैर-दलितों को एवं वर्तमान की तरह सत्ता से बाहर बुरे दिनों में दलितों को आगे रखने की याद आती है। क्या यह छलावा व छद्म राजनीति नहीं? लोग पूछते हैं कि क्या यही है कांग्रेस का दलितों के प्रति वास्तविक प्रेम?'

क्या निशाने पर लगा केजरीवाल का तीर?

आकाश आनंद ने उठाई अम्बेडकर की फोटो की मांग, स्वामी प्रसाद मौर्य भी हमलावर

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय करेंसी पर महात्मा गांधी के साथ गणेश-लक्ष्मी की भी फोटो लगाने की मांग कर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने गुजरात और देश की सियासत में जो तीर छोड़ा है क्या वो निशाने पर लगा है? हिंदुत्व के एजेंडे पर अब तक सबसे आगे रही भाजपा के राज वाले गुजरात में केजरीवाल की इस सधी राजनीति का आम आदमी पार्टी को जमीन पर कितना फायदा मिला इसका उत्तर तो चुनावी नतीजों से ही मिलेगा लेकिन फिलहाल का सच ये है कि इस एक बयान से केजरीवाल को लेकर गुजरात से दिल्ली और दिल्ली से यूपी तक सियासत तेज हो गई है।

केजरीवाल अचानक से चर्चाओं के केंद्र में आ गए हैं। कोई उनका समर्थन तो कोई विरोध कर रहा है लेकिन नजरअंदाज कोई नहीं कर पा रहा है। गुरुवार को इस लड़ाई में बसपा नेता और पार्टी सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद और समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य भी कूद पड़े। आकाश ने जहां करेंसी नोटों पर बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की फोटो लगाने की मांग की। वहीं स्वामी प्रसाद मौर्य ने केजरीवाल के बीजेपी की बी टीम करार दिया।

गुजरात और दिल्ली से लेकर देश के अन्य राज्यों के बीजेपी नेता केजरीवाल के इस बयान के सामने आने के तुरंत बाद से हमलावर हैं। गुरुवार को यूपी से विपक्ष की दो बड़ी हस्तियों स्वामी प्रसाद और आकाश आनंद के बयान आए। स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक ट्वीट में लिखा- 'करेंसी नोटों पर लक्ष्मी-गणेश का फोटो लगाने की मांग से स्पष्ट हो गया है कि 'दिल्ली के मा. मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी' भारतीय जनता पार्टी एवं आर.एस.एस. की बी टीम है।' अब स्वामी प्रसाद मौर्य के इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं। गुजरात में समाजवादी पार्टी ने इस बार पूरी ताकत से विधानसभा चुनाव लड़ने का मन बनाया है। पिछले दिनों पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इसके संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि पांच महानगरों के अतिरिक्त पूरा गुजरात बंजर और उजाड़ है। पांच प्रतिशत चकाचौंध के अतिरिक्त बाकी 95 प्रतिशत गुजरात अंधकार में डूबा हुआ है। लोग भाजपा से मुक्ति चाहते हैं। समाजवादी पार्टी अब गुजरात मॉडल के छलावा का पर्दाफाश करेगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य के इस बयान से साफ हो गया है कि गुजरात के मैदान में सपा बीजेपी के साथ-साथ आम आदमी पार्टी को भी अपने निशाने पर लेकर चल रही है। यूपी के पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने भी यही किया था। शुरुआत में अटकलें लग रही थीं कि यूपी में आप का सपा से गठबंधन हो सकता है लेकिन बाद में आप ने अलग चलने का फैसला किया और सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े किए। आप का खाता तो नहीं खुला लेकिन कुछ सीटों पर उसने अच्छे-खासे वोट हासिल किए। जिन क्षेत्रों में केजरीवाल ने सभाएं कीं वहां आप का प्रदर्शन अपेक्षाकृत अच्छा रहा।

चुनाव में हार के बाद भी आप यूपी में पूरी तरह सक्रिय है। समाजवादी पार्टी को लगता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद के चुनावों में आम आदमी पार्टी उसके वोट बैंकों में हिस्सेदारी के लिए जोर आजमा कर उसे नुकसान पहुंचा सकती है इसलिए अभी तक विपक्षी एकता के नाम पर विपक्षी दलों पर हमले से बचती रही पार्टी अब केजरीवाल को खुलकर निशाने पर लेने लगी है। स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान को भी इसी कड़ी में देखा जा रहा है। आने वाले दिनों में ऐसे हमले और तेज हो सकते हैं। बता दें कि स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा मौर्य ने पिछला लोकसभा चुनाव बदायूं से बतौर बीजेपी उम्मीदवार जीता था। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान वह पिता के क्षेत्र में पुत्री धर्म का पालन करती नज़र आई थीं। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर उनकी क्या रणनीति होगी यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। उधर, बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे और बीएसपी के नेता आकाश आनंद के हमलावर होने की भी वजहें हैं। यूपी के पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा को सिर्फ एक सीट हासिल हो पाई थी। मायावती, लगातार हार के कारणों की समीक्षा और सियासत की बड़ी ताकत के तौर पर अपनी वापसी के प्रोजेक्ट पर काम रही हैं। इस कोशिश में मुस्लिम वोटों को साधने के लिए वह जहां वेस्ट यूपी से इमरान मसूद जैसे बड़े नेताओं को समाजवादी पार्टी से तोडकर पार्टी में ज्वाइंनिग करा रही हैं वहीं सपा और कांग्रेस सहित हर उस राजनीतिक दल और नेता के खिलाफ हमलावर हैं जो यूपी की सियासत में उनके दलित-मुस्लिम वोटों की साझेदारी का दावा कर सकता है। माना जा रहा है कि इसी वजह से आकाश आनंद ने बाबा साहब अम्बेडकर की फोटो करेंसी पर लगाने की मांग उछाल कर एक साथ बसपा के दलित वोटरों और केजरीवाल दोनों को संदेश देने की कोशिश की है। बसपा आगे भी संदेश देने का ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ेगी।

एक तरफ तो बाबासाहेब की तस्वीर लगा कर बहुजन हितैषी होने का ढोंग करते हैं और दूसरी तरफ वोट लेने के लिए नोट बदलने की बात करते हैं। केजरीवाल साहब, अच्छा होता अगर आप नोटों पर बाबा साहेब की तस्वीर की बात करते जिन्होने सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ी है।' एक अन्य ट्वीट में आकाश आनंद ने लिखा- 'हिल्टन यंग कमीशन के समक्ष बाबा साहब डॉ भीमरावअंबेडकर द्वारा निर्धारित और प्रस्तुत दिशानिर्देशों के अनुसार एक अप्रैल 1935 को भारतीय रिजर्व बैंक अस्तित्व में आया था।

डिफेंस की जमीन में फर्जीवाड़ा

बिना इजाजत बेच दी रक्षा संपदा विभाग की 1.36 एकड़ जमीन, पूर्व छावनी उपाध्यक्ष के बेटों का नाम

आगरा, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा में रक्षा संपदा विभाग यानी भारत सरकार की बेशकीमती जमीन का गलत तरीके से सौदा करने का मामला सामने आया है। इस फर्जीवाड़े में छावनी क्षेत्र के निवर्तमान उपाध्यक्ष के दोनों बेटों का नाम है। गलत तरीके से इसकी रजिस्ट्री की गई है। सेना ने भी इस फर्जीवाड़े की जांच कराई थी। इसके बाद आगरा के डीएम और एसएसपी को पत्र भेजा था।

छावनी क्षेत्र में है 1.36 एकड़ बेशकीमती जमीन

छावनी क्षेत्र में बुद्ध विहार चक्की पाट के सामने रक्षा संपदा विभाग की 1.36 एकड़ बेशकीमती जमीन है। भारत सरकार के सर्वे के अनुसार, जमीन पर सीओडी के 9 ओल्ड ऑर्डिनेंस क्वार्टर थे। इसे ओल्ड क्वार्टर नंबर-9 या बंगला नंबर-9 के नाम से भी जाना जाता है।

कई साल से इस जमीन को लेकर विवाद रहा है। अब एक बार फिर यह विवाद गहरा गया है। छावनी परिषद के निवर्तमान उपाध्यक्ष डॉ. पंकज महेंद्र के दोनों बेटों डॉ. करन महेंद्र और डॉ. शिव महेंद्र ने शाहगंज के रहने वाले संदीप गुप्ता के नाम क्वार्टर नंबर 9 की रजिस्ट्री 15 जून, 2021 को कर दी। सूत्रों के अनुसार बंगले का सौदा कई करोड़ रुपए में किया गया है। मगर, एक नंबर में इसकी रजिस्ट्री 70 लाख रुपए में की गई है।

रजिस्ट्री कैंसिल करने के लिए पत्र भेजा गया

रक्षा संपदा अधिकारी विद्याधर पवार ने बताया कि नियमानुसार अनुमति लिए बिना रक्षा संपदा विभाग की जमीन की रजिस्ट्री करना गलत है। ऐसे में विभाग की ओर से डीएम और सदर तहसील के सब रजिस्ट्रार को रजिस्ट्री निरस्त करने के लिए पत्र भेजा गया है।

इस पर कार्रवाई की जा रही है। इस बारे में क्वार्टर नंबर-9 का सौदा करने वाले और खरीदने वाली दोनों पार्टियों को नोटिस जारी किए गए हैं। रक्षा संपदा अधिकारी की ओर से जारी लेटर में लिखा गया है कि 2017 में डीईओ के एनओसी लेटर को मिसइंटरप्रिएट किया गया है। सील डीड के पैरा 3 (11) में लिखे तथ्य पूरी तरह से गलत हैं।

ब्रिगेडियर ने कराई थी जांच

क्वार्टर नंबर-9 का सौदा करने की बात पता चलने पर आगरा कैंट बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष ब्रिगेडियर पीके सिंह ने पूरे मामले की गोपनीय जांच कराई। जांच में मामला गड़बड़ मिला। इसके बाद तत्कालीन ब्रिगेडियर ने जांच रिपोर्ट अगस्त, 2021 में तत्कालीन डीएम प्रभु एन सिंह और एसएसपी को भेजी थी।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि क्वार्टर नंबर-9 में हाईकोर्ट के आदेश के बाद जितनी भी खरीद-फरोख्त हुई है, वह सब गलत है। तीन पेज की जांच रिपोर्ट में उनकी ओर से छावनी क्षेत्र में इस तरह की गतिविधि के लिए पूरे मामले की जांच के लिए कहा गया था।

हालांकि तत्कालीन ब्रिगेडियर की जांच रिपोर्ट को लेकर प्रशासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया। क्योंकि इस मामले में निवर्तमान छावनी परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. पंकज महेंद्र और उनके बेटों का नाम भी था। ऐसे में इस मामले को दबा दिया गया।

मोकामा, गोपालगंज में आरजेडी का चुनाव प्रचार नहीं करेंगे नीतीश

ऐन वक्त पर क्यों पलटे?

पटना, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की दो विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रचार नहीं करेंगे। सीएम नीतीश ने गुरुवार को कहा कि वे मोकामा और गोपालगंज में प्रचार के लिए नहीं जा रहे हैं। इन दोनों सीटों पर महागठबंधन की ओर से आरजेडी उम्मीदवार मैदान में हैं। सीएम नीतीश ने पेट में चोट का हवाला देते हुए ऐन वक्त पर प्रचार से दूरी बनाने का फैसला लिया है। इससे पहले उनका मोकामा में रैली का कार्यक्रम प्रस्तावित था।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना के गर्दनीबाग में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उनसे उपचुनाव में प्रचार के बारे में सवाल पूछा गया। सीएम नीतीश ने कहा कि उन्हें चोट लगी हुई है, जो अभी तक ठीक नहीं हुई है। इसलिए वे प्रचार में नहीं जा रहे हैं। जेडीयू के सारे लोग प्रचार में लगे हैं। बता दें कि पिछले दिनों छठ घाटों के निरीक्षण के दौरान नदी में स्टीमर टकरा गया था। बुधवार को उन्होंने खुलासा किया कि इस हादसे में उन्हें चोट लगी थी। उन्होंने मीडिया को पेट और पैर का घाव भी दिखाया।

इस्तीफा देकर शुरू कर दें मोदी की पूजा

यूपी की शिक्षा मंत्री को सपा सांसद बर्क की सलाह

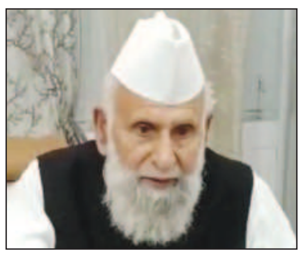

संभल, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद शफीक उर रहमान बर्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'भगवान का अवतार' बताए जाने के राज्य की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के कदम को अपना रुतबा बढ़ाने का प्रयास करार दिया है। बर्क ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से बातचीत में गुलाब देवी द्वारा मोदी को भगवान का अवतार बताए जाने से जुड़े एक सवाल पर कहा, "उन्हें इस्तीफा देकर प्रधानमंत्री की पूजा-अर्चना शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने अपना रुतबा बढ़ाने के लिए यह बात कही है।

गौरतलब है कि प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने बुधवार को संभल में कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी भगवान के अवतार हैं। उन्होंने कहा था, मोदी जी एक अवतार के रूप में हैं। वह असाधारण प्रतिभा वाले हैं। उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। अगर वह चाहें तो जब तक उनका जीवन है, तब तक प्रधानमंत्री बने रह सकते हैं। बर्क ने करेंसी नोट पर लक्ष्मी-गणेश के चित्र प्रकाशित करने की दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मांग पर कहा, यह प्रस्ताव करना कि भगवान की तस्वीर छपनी चाहिए पूरी तरह से सियासी कदम है।

यूपी पुलिस के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना

साढ़े 600 करोड़ से हाईटेक होंगे जवान

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी पुलिस को देश का नंबर एक पुलिस बनाने के लिए खजाना खोल दिया है। गृह विभाग की तरफ से साढ़े छह सौ करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च कर यूपी पुलिस को हाईटेक किया जा रहा है। जल्द ही यूपी पुलिस बाडी वार्न कैमरा और फुल बाडी प्रोटेक्टर से लैस होगी। साथ ही प्रदेश के 10 जिलों में हाईटेक सोशल मीडिया मानिटरिंग सेल और लॉ एंड आर्डर क्यूआरटी टीम स्थापित की जाएगी। क्राइम सीन वीडियोग्राफी ऐप की मुजफ्फरनगर, बाराबंकी और अलीगढ़ में शुरूआत हो चुकी है। जल्द अन्य जिलों में भी शुरूआत होगी।

गृह विभाग ने पुलिस आधुनिकीकरण योजना के तहत 1200 बाडी वार्न कैमरा खरीदने के लिए 4.8 करोड़ और 1650 फुल बाडी प्रोटेक्टर फार वीमेन की खरीद के लिए 2.48 करोड़, 30,000 पोस्टमार्टम किट खरीदने के लिए छह करोड़ की स्वीकृति दी है। 10 जिलों में करीब 641 करोड़ रुपए खर्च कर उच्चीकृत सोशल मीडिया मानिटरिंग सेल की स्थापना होने वाली है और 10 अन्य जिलों में हाइटेक लॉ एंड आर्डर के लिए क्यूआरटी टीम स्थापना की जा रही है। इसके अलावा 6.75 करोड़ की लागत से एसआईटी, ईओडब्ल्यू, सीबीसीआईडी और एसीओ के जांच और विवेचना के लिए एक डेडिकेटेड एफएसएल की स्थापना की जाएगी।

रसगुल्ले के लिए हुई हत्या

बिना शादी लौटी बारात, 12 लोग जख्मी, दुल्हन का पूरा परिवार फरार

आगरा, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा में एक रसगुल्ले के कारण हुए झगड़े में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। चाकू लगने से बारात में आए 20 साल के लड़के की मौत हो गई। 12 लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद बारात बिना शादी के ही लौट गई। घटना बुधवार की है। खंदौली के रहने वाले व्यापारी वकार के दो बेटों जावेद और राशिद की शादी एत्मादपुर में रहने वाले उस्मान की बेटियों जैनब और साजिया से हो रही थी। बारातियों को खाना खिलाया जा रहा था। एक बाराती ने एक रसगुल्ला मिलने पर एक और मांगा। काउंटर पर खड़े युवक ने कहा- सबको एक-एक ही मिलेगा। इसी बात पर विवाद हो गया। बहस से शुरू हुआ मामला खूनी झड़प में बदल गया। बाराती-घराती आमने-सामने हो गए। कुर्सी, चाकू, प्लेट्स, चम्मच, छुरी, कांटा जिसके हाथ जो लगा वह चलने लगा। इस झड़प में चाकू लगने से 20 साल के सनी की मौत हो गई। मृतक सनी के चाचा इमरान ने बताया कि समय से हम बारात लेकर विनायक भवन पहुंच गए थे। बारात पहुंचते ही खाना शुरू करा दिया गया। एक से डेढ़ घंटे में आधी बारात खाना खाकर वापस जा चुकी थी। चूंकि लोकल का मामला था तो सभी घर जाना चाहते थे। निकाह के लिए कुछ खास रिश्तेदार और दूल्हे के दोस्त ही रुके थे। मृतक सनी के परिवार वालों की शिकायत पर पुलिस जांच में जुटी है। मृतक सनी के चाचा काले ने आरोप लगाया कि उपद्रवियों ने महिलाओं के साथ भी बदसलूकी की है। साथ ही उनके गहने लूट ले गए हैं। मामला दर्ज होने के बाद दुल्हन का पूरा परिवार फरार हो गया है। एसपी ग्रामीण सत्यजीत गुप्ता के मुताबिक, इस घटना में खंदौली के रहने वाले शाहरुख, निजाम, शकील, जानू, रहमान, रामिया सहित 12 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनका इलाज कराया जा रहा है।

बिहार की राजनीति में एंट्री को बेताब हैं ओपी राजभर

बोले- यूपी हो या बिहार नीतीश की उधेड़ देंगे खाल

पटना, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में दांव आजमाने की कोशिश में सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने एंट्री ली है। पटना में सुभासपा का स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाया जा रहा है। ओपी राजभर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि नीतीश कुमार का कोई भरोसा नहीं है और उनके वादे भी खोखले हैं ऐसे में बिहार की जनता को आगामी चुनावों में उनसे सावधान रहना चाहिए। एक मीडिया चैनल को दिए गए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वो अब सावधान रैली के जरिए जनता को समझा रहे हैं कि देश के नेताओं से लोग सावधान रहें और अपनी लड़ाई लड़ें। उन्होंने कहा कि कल तक लोग अंग्रेजों के गुलाम थे आज नेताओं के गुलाम हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए ओपी राजभर ने कहा कि नीतीश कुमार की जातिवार जनगणना का जो वादा था उसका क्या हुआ। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का वाद खोखला था और अगर सही होता तो अब तक जातिगत जनगणना पूरी हो गयी होती। सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार पीएम बनने का सपना देखने लगे हैं लेकिन जो वादा पहले कर चुके हैं वो पूरा करें। उन्होंने कहा कि ये जो वादा करने वाले लोग हैं ये निभाएंगे कब? नीतीश कुमार जातिगत जनगणना का कोई टाइम तो बता दें। ओपी राजभर ने कहा कि नीतीश कुमार की खाल उधेड़ने की अपनी बात पर वो अब भी कायम हैं और आज पटना के गांधी मैदान में आयोजित पार्टी रैली में बिहार की जनता को नीतीश कुमार से सावधान करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में न रोजगार मिला न ही कोई वाद पूरा हुआ है केवल खोखले वादों के दम पर नीतीश पीएम बनने का सपना सजा रहे हैं। नीतीश कुमार एक फूलपुर से चुनाव लड़ने पर चुटकी लेते हुए ओपी राजभर ने कहा कि वो यूपी है वहां जाकर भी देख लें। बिहार में इतने दिनों से केवल खोखले वाडे करके सरकार चलने वाले लोग यूपी में धूल चाट जाएंगे। बिहार में किए गए वादों को बिना निभाए यूपी के रास्ते दिल्ली पहुंचने की कोशिश नीतीश कुमार कर रहे हैं। यूपी के लोग समझदार हैं और उनकी हैसियत सामने आ जाएगी। राजभर ने कहा कि बिहार में उनकी कोशिश है कि दलित पिछड़ों की आवाज के रूप में बिहार में भारतीय समाज पार्टी के लोग सामने आएं।

छठ घाट पर होगा गुलाबी ठंड का अहसास

पटना, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। छठ महापर्व से पहले बिहार के मौसम में बड़ा बदलाव हुआ है। बारिश की गतिविधियों पर लगभग विराम लग गया है। 30 सितंबर को मॉनसून की विदाई के बाद भी पोस्ट मॉनसून बारिश अक्टूबर महीन में होती रही। दुर्गा पूजा में भी बारिश हुई जिससे मेले में रंग भंग हो गया।

दिवाली के दौरान मौसम विभाग ने हल्की बारिश की संभावना जताई थी। लेकिन, दिवाली में बारिश नहीं हुई। कल शुक्रवार से छठ महापर्व शुरू हो रहा है।

शराबबंदी की उड़ाई धज्जियां फिर छापेमारी टीम पर बोला हमला, तस्कर गैंग फरार

पूर्णिया, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। शराब तस्करी और बिक्री की गुप्त सूचना मिलने पर छापेमारी में गई कटिहार और पूर्णिया उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम पर शराब तस्करों ने हमला बोल दिया। हमले में कटिहार में तैनात उत्पाद विभाग का सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। कांस्टेबल का इलाज कटिहार मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि उत्पाद विभाग की दो गाड़ियों के शीशे शराब तस्करों के द्वारा तोड़ दिए गए हैं। जवानों के साथ भी मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी आमिर जावेद ने मामले की जांच पड़ताल कर अलग से मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी सदर एसडीपीओ सुरेंद्र कुमार सरोज को सौंपी है। घटना की पुष्टि करते हुए उत्पाद अधीक्षक दीनबंधु कुमार ने बताया कि लगातार सूचना मिल रही थी कि सदर थाना क्षेत्र के गुलाबबाग पुरानी सिनेमा हॉल स्थित महादलित टोला और जनता चौक स्थित झील टोला में भारी मात्रा में शराब बना कर रखी गई है।

बिहार कांग्रेस का होगा बेड़ा पार?

मल्लिकार्जुन खड़गे की टीम में राज्य के दो नेताओं के मायने क्या

पटना, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीडब्लूसी को भंग कर नई स्टीयरिंग कमेटी बनाई है। इसमें देशभर से 47 नेताओं को शामिल किया गया है, जिनमें बिहार से दो नाम हैं। पहला तारिक अनवर और दूसरा पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार का। इसके अलावा बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास को भी स्टीयरिंग कमेटी में शामिल किया गया है। अब सभी के मन में सवाल है कि कांग्रेस में हुए इस नए बदलाव से क्या बिहार में पार्टी का फिर से बेड़ा पार होगा? बिहार में फिलहाल कांग्रेस आरजेडी के कंधे पर टिकी हुई है। कहने को तो कांग्रेस बिहार की सत्ता में भागीदार है, लेकिन उसका सरकार में कुछ खास वजूद नहीं है। राज्य में 19 विधायक कांग्रेस के हैं, मगर मंत्रिमंडल में सिर्फ तीन शामिल हैं। पार्टी भी अंदर से बिखरी हुई है। महागठबंधन सरकार के मंत्रिमंडल गठन के दौरान कांग्रेस को कम प्रतिनिधित्व मिलने पर स्थानीय नेताओं ने नेतृत्व के खिलाफ जमकर नाराजगी जाहिर की थी। देशभर में सत्ता के संकट से जूझ रही कांग्रेस पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा बदलाव हुआ है।

सालों बाद कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ और मल्लिकार्जुन खड़गे नए चीफ बने हैं। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही पुरानी कांग्रेस वर्किंग कमेटी को भंग कर दिया और नए सिरे से स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया। 47 सदस्यों वाली खड़गे की टीम में तारिक अनवर और मीरा कुमार को भी शामिल किया गया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि नए अध्यक्ष बिहार में कांग्रेस की बदहाली दूर करने के लिए बड़े कदम उठा सकते हैं। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार की जड़ें बिहार से जुड़ी हुई हैं। सासाराम में उनका जन्म हुआ था। बाद में वे दिल्ली चली गई थीं।

दिल्ली में कचरे पर बीजेपी-आप का प्रदर्शन

गाजीपुर लैंडफिल साइट देखने पहुंचे केजरीवाल, बोले- भाजपा ने कूड़े के 3 पहाड़ दिए

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एमसीडी चुनाव के पहले कूड़े पर सियासत तेज हो गई है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के गाजीपुर दौरे से पहले भाजपा और आप के कार्यकर्ताओं ने जमकर बवाल किया। दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ जमकर नारे बाजी की। हंगामे के कुछ देर बाद केजरीवाल गाजीपुर में कूड़े का पहाड़ देखने पहुंचे।

भाजपा ने केजरीवाल गो बैक के नारे लगाए

भाजपा कार्यकर्ताओं ने हाथों में काले झंडे लेकर केजरीवाल गो बैक के नारे लगाए। पहले भाजपा कार्यकर्ता दिल्ली सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। इसके तुरंत बाद आप कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। भाजपा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल गाजीपुर कूड़े पर पॉलिटिक्स कर रहे हैं।

केजरीवाल बोले- गृह मंत्री ने मुझे गालियां दीं

केजरीवाल ने आगे कहा कि हमने दिल्ली में क्या काम किया, ये मुझसे पूछने की जरूरत नहीं है, दिल्ली के लोग ही बता देंगे। केजरीवाल ने गृहमंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- गृह मंत्री अमित शाह ने मुझे गालियां दीं। मुझ पर दिल्ली एमसीडी को फंड न देने का आरोप लगाया। मैं गृह मंत्री से पूछना चाहता हूं कि आपने दिल्ली में एमसीडी को कितना फंड दिया है? दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश कहकर अपनी जिम्मेदारी से वो दूर भागते हैं।

मेरे खिलाफ सारी असुर शक्तियां एक हो गई है- केजरीवाल

दिल्ली सीएम ने कहा, 'मेरे खिलाफ सारी असुर शक्तियां एक हो गई हैं। भाजपा डरी हुई है। एमसीडी चुनाव होने वाले थे, लेकिन टाल दिए गए। परिसीमन में गड़बड़ी करके सोच रहे हैं कि भाजपा जीत जाएगी। इस बार भाजपा वाले भी वोट नहीं देंगे। जो लोग विरोध कर रहे हैं, उनसे कहना चाहता हूं कि तुम्हारे बच्चों को मैं ही पढ़ाऊंगा, अस्पताल हम ही बनाएंगे। एक दिन आएगा सब भाजपा वाले आम आदमी पार्टी में आएंगे। एक दिन आएगा, जब भाजपा नेता भी कहेंगे कि बीजेपी अच्छी पार्टी नहीं, आप अच्छी पार्टी है।'

एक दिन पहले केजरीवाल बोले- गाजीपुर वाला कूड़े का पहाड़ देखने जाऊंगा

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक दिन पहले सोशल मीडिया पर गाजीपुर जाने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था- इनके (बीजेपी) एक नेता से मैंने पूछा- 15 साल में नगर निगम में क्या काम किया? शर्माते हुए उसने दो काम बताए। तीन बड़े-बड़े कूड़े के पहाड़ बनाए और पूरी दिल्ली को कूड़ा-कूड़ा कर दिया। कल सुबह (गुरुवार को) इनका गाजीपुर वाला कूड़े का पहाड़ देखने जाऊंगा। आप भी आइएगा।

रात में 1 तो दिन में 2 डिग्री चढ़ा पारा, कुछ दिनों तक ठंड नहीं दिखा पाएगी असर

भोपाल, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी में एक दिन की गिरावट के बाद ही तापमान में फिर से हल्का उछाल आया है। रात के साथ ही दिन के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रात का तापमान 1.2 डिग्री की बढ़त के साथ 15.2 डिग्री पर पहुंच गया। हालांकि, यह सामान्य से 1.9 डिग्री कम था। यही वजह है कि रात के अलावा सुबह और शाम में ठंड का असर हो रहा है। इधर दिन का तापमान 2 डिग्री से अधिक की बढ़ोतरी के साथ 33.1 डिग्री पर थमा। पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी एके शुक्ला ने बताया कि राजधानी के आसपास बने प्रति चक्रवात के कारण यह स्थिति बनी है। आने वाले एक-दो दिनों में रात के साथ ही साथ दिन के तापमान में एक से दो डिग्री का उछाल और आ सकता है। अगर वेस्टर्न डिस्टरबेंस (डब्ल्यूडी) आया तो नवंबर के पहले सप्ताह में तापमान में और इजाफा हो सकता है। अगर डब्ल्यूडी नहीं आता है तो तापमान में गिरावट आने और ठंड बढ़ेगी।

एनजीटी का 2180 करोड़ जुर्माना एकमुश्त नहीं दे पाएगी मान सरकार

चंडीगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा लगाए गए 2180 करोड़ रुपये के जुर्माने को एक साथ भरने से हाथ खड़े कर दिए हैं. यह जुर्माना पंजाब को तरल कचरे के निपटान में सक्षम नहीं होने के लिए पर्यावरण मुआवजे के रूप में लगाया गया था. सूत्रों का कहना है कि सरकार मामले को फिर से एनजीटी के पास ले जाने और कुल राशि का एक तिहाई भुगतान करने की तैयारी कर रही है. शेष राशि का

भुगतान करने के लिए सरकार एनजीटी से छह माह का समय मांगेगी. 24 सितंबर को एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति एके गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह कहते हुए जुर्माना लगाया था कि सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं किया जा सकता है और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को लंबे समय तक नहीं टाला जा सकता है. ट्रिब्यूनल ने 2180 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था, जिसमें से 100 करोड़ रुपये राज्य सरकार ने जमा करवा दिया था. न्यायाधिकरण ने राज्य सरकार को 2080 करोड़ रुपये जमा करने के लिए दो महीने की समय सीमा दी थी. एक महीने से अधिक समय बीत चुका है,

आदमपुर से कभी नहीं जीती बीजेपी 7 बार हारी

5 बार जमानत जब्त; सोनाली फोगाट ही दबदबा दिखा पाईं, अब कुलदीप के सहारे भाजपाई

चंडीगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में बीजेपी के लिए आदमपुर सीट पर उपचुनाव जीतना किसी सपने से कम नहीं है। भाजपा 1991 से अब तक 7 बार पार्टी का उम्मीदवार उतार चुकी है। मगर, एक बार भी जीत नहीं सकी। 5 बार तो बीजेपी के कैंडिडेट अपनी जमानत जब्त करा चुके हैं। आदमपुर विधानसभा चुनाव के इतिहास में सिर्फ दो बार ही बीजेपी के प्रत्याशी अपनी जमानत बचा पाए हैं।

सोनाली फोगाट दे गईं बीजेपी को संजीवनी

2019 में आदमपुर उप चुनाव में बीजेपी को टिकटॉक स्टार सोनाली फोगाट संजीवनी दे गईं। इस चुनाव में बीजेपी ने सबसे बढ़िया प्रदर्शन किया। पूर्व सीएम भजन लाल परिवार के खिलाफ पहली बार बीजेपी को 27.28% वोट मिले। इस चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़े कुलदीप बिश्नोई ने जीत हासिल की थी। इस बार सोनाली फोगाट का निधन हो चुका है। कुलदीप बिश्नोई अपने बेटे भव्य बिश्नोई को भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ा रहे हैं।

2000 में बच गई थी जमानत राशि

सोनाली फोगाट से पहले साल 2000 में भी बीजेपी ने बढ़िया प्रदर्शन किया था। इस चुनाव में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष गणेशी लाल ने 19 फीसदी वोट हासिल कर अपनी जमानत राशि बचा ली थी। तब बीजेपी ने आईएनएलडी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। अब प्रोफेसर गणेशी लाल उड़ीसा में राज्यपाल हैं।

इन चुनावों में नहीं बच पाई जमानत

1991, 2005, 2008 (उपचुनाव), 2009 और 2014 में हुए विधानसभा चुनावों में, भाजपा उम्मीदवारों को केवल 4,573 (4.1 प्रतिशत), 1,860 (1.6 प्रतिशत), 1,210 (1.15 प्रतिशत) और 8,319 (6.90 प्रतिशत) प्राप्त हुए। इन चुनावों में बीजेपी उम्मीदवार अपनी जमानत राशि भी नहीं बचा पाए।

इस बार भजनलाल की चौथी पीढ़ी

आदमपुर विधानसभा सीट पर हमेशा ही पूर्व सीएम भजन लाल का ही वर्चस्व रहा है। उनकी पत्नी, बेटे और बहू के बाद अब पौत्र के रूप में भव्य बिश्नोई चुनाव मैदान में हैं। इस बार बीजेपी भी भव्य के साथ ही इस सीट के इतिहास को बदलना चाहती है। भव्य के मुकाबले कांग्रेस ने जयप्रकाश को चुनाव मैदान में उतरा है। आम आदमी पार्टी ने सतेंद्र सिंह और इनेलो ने कांग्रेस छोड़कर आए कुरडाराम नंबरदार को टिकट दी है।

गुजरात में कांग्रेस के उम्मीदवार तय नहीं

2023 कर्नाटक चुनाव के लिए तलाश रही प्रत्याशी

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनाव के बीच कांग्रेस 2023 में होने वाले कर्नाटक चुनाव पर ध्यान लगा रही है। खबर है कि नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की एंट्री के बाद कांग्रेस ने दक्षिण भारतीय राज्य में उम्मीदवारों की सूची तैयार करने के लिए कहा है। खास बात है कि कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच तनातनी की खबरें सामने आती रही हैं। मंगलवार और बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस की बैठकें हुईं। खड़गे के साथ हुई ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की मीटिंग्स में सिद्धारमैया भी मौजूद रहे थे। उन्होंने जानकारी दी, 'जल्द से जल्द स्क्रीनिंग कमेटी तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। जितना ज्यादा हो सके नवंबर के अंत तक उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाना है। उन्होंने नवंबर के अंत तक सभी क्षेत्रों के उम्मीदवारों के सूची तैयार करने के लिए कहा है।'खास बात है कि खड़गे के कमान संभालने के दौरान हुई बैठकों से शिवकुमार गायब रहे थे। अब संभावनाएं जताई जा रही हैं कि उम्मीदवारों के चुनाव से प्रदेश कांग्रेस में खींचतान हो सकती है, क्योंकि शिवकुमार और सिद्धारमैया दोनों ही नेता अपने वफादारों के लिए टिकट हासिल करने की कोशिश करेंगे।

पुतिन-जेलेंस्की के झगड़े में भाजपा को नुकसान

शिमला, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियां जारी हैं। इधर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो रूस और यूक्रेन के बीच भी युद्ध चल रहा है। अब सवाल है कि हिमाचल और विदेशी तनाव का आपस में क्या संबंध है? अगर स्थानीय मुद्दों को देखें, तो दून क्षेत्र के लोग कारोबार पर युद्ध के असर भी गिना रहे हैं। इस स्थिति को विस्तार से समझते हैं। हिमाचल प्रदेश के बद्दी को एशिया का सबसे बड़ा फार्मास्यूटिकल हब कहा जाता है। यह छोटा सा शहर राज्य के औद्योगिक राजस्व में करीब आधा योगदान देता है। वहीं, यह रोजगार का भी बड़ा गढ़ है। बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ (बीबीएन) औसतन 23 किमी लंबा है। यहां 2200 औद्योगिक इकाइयां हैं, जिनमें करीब 450 फार्मा के काम में जुटी हुई हैं। फार्मा के अलावा बद्दी टेक्सटाइल हब भी है। कहा जा रहा है कि यह उद्योग भी संकट में है। रिपोर्ट के मुताबिक, बद्दी टेक्सटाइल से जुड़े सूत्रों ने कहा, 'देश में महंगाई और यूक्रेन युद्ध ने हमपर असर डाला है।' एक अधिकारी का कहना है कि 2022 में की गई खरीदी कोविड से पहले हुई खरीदी का एक छोटा सा हिस्सा है। उन्होंने कहा, 'रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते हुए ऊर्जा संकट के कारण यूरोप से कोई ऑर्डर नहीं हैं। ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए यूरोप परिधान जैसी चीजों पर ज्यादा खर्च नहीं कर रहा है।'

हरियाणा सरकार खरीद रही नया हेलिकॉप्टर

105 करोड़ खर्च होंगे, जर्मनी से खरीदा; चुनाव से पहले लाया जा रहा

चंडीगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में लोकसभा और हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले खट्टर सरकार नया हेलिकॉप्टर खरीद रही है। जिस पर 105 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। यह हेलिकॉप्टर जर्मनी से हरियाणा आएगा। सीएम मनोहर लाल खट्टर की अगुआई वाली सरकार की इस खरीद को हाईलेवल परचेज कमेटी की मंजूरी मिल चुकी है। हालांकि पहले वित्त विभाग ने इस पर रोक लगा दी थी।

जिसके बाद खरीद का मामला लटक गया। अब चुनाव नजदीक आते ही सरकार फिर हरकत में आई। नए सिरे से बातचीत के बाद हाईलेवल परचेज कमेटी ने खरीद की मंजूरी दी।

खरीद की यह वजह बताई

105 करोड़ के नए हेलिकॉप्टर की खरीद के पीछे हरियाणा सरकार द्वारा वजह भी दी गई है। सरकार की ओर से कहा गया है कि 2008 का हेलिकॉप्टर पुराना हो चुका है। उसके रखरखाव पर काफी खर्च हो रहा है, जिसके कारण नए हेलिकॉप्टर की खरीद आवश्यक है।

पंजाब और हरियाणा एक-दूसरे का हेलिकॉप्टर यूज करते हैं

पंजाब और हरियाणा सरकार भी एक-दूसरे का हेलिकॉप्टर यूज करते हैं। जरूरत के हिसाब से वह एक-दूसरे को इसे उपलब्ध करवाते हैं। हालांकि इसको लेकर कई बार दोनों राज्यों के विपक्षी दलों ने सवाल भी उठाए हैं, लेकिन दोनों सरकार अभी तक इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं।

15 महीनों में होगी डिलीवरी

हाई लेवल कमेटी की मीटिंग के बाद कोटेशन वगैरह मंगवाकर हेलिकॉप्टर डील फाइनल हो चुकी है। खरीद समझौते के दिन से सवा साल यानी 15 महीने में हेलिकॉप्टर की डिलीवरी हो जाएगी।

मोती मस्जिद कलश चोरी का आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर की 160 साल पुरानी ऐतिहासिक मोती मस्जिद के गुंबद पर चढ़कर कलश चोरी करने वाले युवक को आखिरकार भोपाल पुलिस ने 20 दिन की मेहनत के बाद नेपाल बॉर्डर से लगे बिहार के अगरिया जिले से गिरफ्तार कर लिया है। उसने कलश सोने का समझकर चोरी किया था, लेकिन जब उसे पता चला कि सोने का नहीं है तो उसे सेंट्रल लाइब्रेरी के पीछे नाले में फेंक दिया था। पुलिस के मुताबिक 06 अक्टूबर की रात मोती मस्जिद के गुंबद से अज्ञात व्यक्ति ने कलश चोरी कर लिया गया था। चौकीदार मोहम्मद लईक की शिकायत पर थाना तलैया में चोरी का केस दर्ज हुआ था। आरोपी की तलाश में थाना

तलैया, थाना कोतवाली और क्राइम ब्रांच की टीम लगी थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही थी। आरोपी की पहचान इस्लामपुरा, तलैया निवासी अंजार अख्तर (19) के रूप में हुई थी। वह इस्लामपुरा में अपने दो भाइयों के साथ पिछले चार महीने से रहकर मजदूरी कर रहा था। पहचान होने के बाद टीम अगरिया, बिहार भेजी गई थी। टीम ने घेराबंदी कर अंजार अख्तर को गिरफ्तार किया।

पानीपत की महिला से रोहतक में दहेज प्रताड़ना

पानीपत, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत के गांव सौदापुर की रहने वाली महिला के साथ रोहतक स्थित ससुराल में दहेज उत्पीड़न किया गया। आरोपी फौजी पति ने महिला को जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, आरोपी सास-ससुर ने मारपीट करते हुए धमकी दी कि अगर उसको बेटी पैदा हुई तो वह अपने मायके ही रहेगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल-
तिथि- तृतीया - **10-33** तक उपरान्त, चतुर्थी
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष ,शुक्रवार, **28 Oct**
नक्षत्र -अनुराधा **-10 -42** - तक उपरान्त, ज्येष्ठा
योग - शोभन - **01 - 28** - राततक उप- अतिगण्ड
करण- गर - **10 - 33** - तक,उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्धि योग ~१०~४१ से

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	तुला	में	कन्या...	03-27	बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	तुला-	05-32	बजे
मंगल	मिथुन	में	वृश्चिक	07-42	बजे
बुध-	कन्या	में	धनु---	09-57	बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	12-02	बजे
शुक्र-	तुला	में	कुंभ-	14-52	बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	15-30	बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	17-06	बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	18-50	बजे
			मिथुन..	20-52	बजे
			कर्क...	23-03	बजे
			सिंह...	01-16	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:33 से 11:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:14 - 07:40	शुभ	रोग	17:45 - 19:19	अशुभ
लाभ.	07:40 - 09:07	शुभ	काल	19:19 - 20:53	अशुभ
अमृत.	09:07 - 10:33	शुभ	लाभ	20:53 - 22:26	शुभ
काल.	10:33 - 11:59	अशुभ	उत्पात	22:26 - 23:59	अशुभ
शुभ	11:59 - 13:26	शुभ	शुभ.	23:59 - 01:34	शुभ
रोग.	13:26 - 14:53	अशुभ	अमृत	01:34 - 03:07	शुभ
उत्पात	14:53 - 16:19	अशुभ	चंचल	03:07 - 04:41	शुभ
चंचल	16:19 - 17:43	शुभ	रोग	04:41 - 06:16	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है ।अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे सफलता जरुर मिलेगी ।आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे ।लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा ।आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आप आजकल हर किसी की नजर में हैं ।जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे ।इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं ।यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ ।हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते ।हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी।आप आसानी से इस समय की अपनी स्वास्थ्य सम्बन्धी स्थितियों का जायजा अपनी मानसिक दृष्टि से ले सकते हैं।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है ।अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता ।अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा ।यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है ।आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाह्ते थे आपको उनमें खींचा जाएगा ।कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें ।हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है ।आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे ।किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा ।समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आप इस वक़्त अलौकिक घटनाओं से प्रभावित रहेंगे ।आप आज अपना दिन किसी रहस्यमयी मुद्दे की खोजबीन में बिताना चाहते हैं और कोई रहस्यमयी फिल्म या उपन्यास देख/पढ़ सकते हैं ।आप किसी रहस्य पर से पर्दा उठाने का फैसला भी ले सकते हैं या किसी स्थिति/व्यक्ति के बारे में और अधिक जानने की कोशिश करेंगे।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी ।इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है ।आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें ।इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे ।आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो ।लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं ।टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है ।लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे ।आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आज आप जो भी करेंगे उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा ।आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा ।आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

भोपाल के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में क्लोरीन गैस का रिसाव

लोगों को सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन

भोपाल, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोपाल की मदर इंडिया कॉलोनी में देर रात एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में क्लोरीन गैस का रिसाव हो गया। इसके बाद सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद तीन लोगों को अस्पताल ले जाया गया। कई अन्य लोग भी बीमार हो गए और उन्होंने आंखों में जलन और सांस लेने में कठिनाई की शिकायत की। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में हुए गैस रिसाव के कारण कई लोगों को अपने घरों से बाहर रहना पड़ा। घटना की सूचना पर भोपाल कलेक्टर व नगर निगम आयुक्त मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान नगर निकाय की टीम ने पाया कि इलाके के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में लगे 900 किलोग्राम के क्लोरीन गैस सिलेंडर का नोजल खराबी के कारण लीक हो रहा था। टीम ने पानी और 5 किलो कास्टिक सोडा डालकर स्थिति पर काबू पाया। क्षेत्र के करीब तीन लोगों को सांस लेने में तकलीफ के चलते हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि वे खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री विश्वास सारंग और भोपाल की मेयर मालती राय ने हमीदिया अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों का हाल-चाल जाना। एहतियात के तौर पर गुरुवार (27 अक्टूबर) को प्रभावित क्षेत्र में पानी की आपूर्ति नहीं की जाएगी। रिसाव को लेकर मंत्री का कहना है कि इसकी बारीकी से समीक्षा कर विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसे बख्शा नहीं जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 28 अक्टूबर, 2022

बेरोजगारी से बदहाल बिहार

बिहार के युवाओं की बेरोजगारी से बदहाली यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि आखिर अंग्रेजों की गुलामी से भारत के सभी राज्य तो एक साथ ही आजाद हुए थे, लेकिन ऐसा क्या हो गया कि देश के अन्य राज्य विकसित होते गए, लेकिन बिहार का विकास वह रफ्तार नहीं पकड़ सका और आज भी विकास की दर में अपने चौबीसवें स्थान पर ही खड़ा है। प्रश्न यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों? ऐसे कई सवाल हैं, जो आज तक अनसुलझे हैं और उन्हें सुलझाने के लिए जो आत्मबल चाहिए, वहां के राजनीतिज्ञों में उसकी घोर कमी है। ये अपनी कुर्सी पाने से पहले जनता को गफलत में रखते हैं और सत्तासीन हो जाने के बाद उनका दुख जानने, उनकी उम्मीदों को पूरा करने, अपने वादे पर अमल करने की बातें जानबूझकर भूल जाते रहे हैं। इसीलिए जब वहां के युवा बेरोजगारी से आजिज आकर बिहार से पलायन करते हैं और अन्य राज्यों, विशेषकर बड़े शहरों में जाते हैं, तो वही युवा बिहार की दुर्दशा के लिए विषवमन करते हैं।

स्वाभाविक है, दूर तक गलत संदेश जाता है और बिहार की छवि खराब होती है। परिणाम यह होता है कि बाहर से आकर कोई उद्योगपति बिहार में उद्योग नहीं लगाता। सरकारी लापरवाही से स्थानीय सारे उद्योग-धंधे बंद हो गए और युवा दूसरे राज्यों में रोटी के चक्कर में अपमान का घूंट पीते रहे। 1945-1947 में बिहार में 33 बड़ी-बड़ी चीनी मिलें थीं, आज 10 मिलें हैं। यहां की जमीन गन्ने की फसल के लिए सबसे उपयुक्त है, लेकिन हम गन्ना नहीं उगा सकते, क्योंकि मिलें बंद हैं। रैयाम दरभंगा, लोहट मधुबनी, मोतीपुर मुजफ्फरपुर, गरौल वैशाली, बनमनखी पूर्णिया की पांच चीनी मिलें बंद है बनमनखी चीनी मिल की संपत्ति को कबाड़ में बेचा जा रहा है। 118 एकड़ में फैले इस चीनी मिल की दुर्दशा पर कोई कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं है। सकरी तथा समस्तीपुर वाले मिल को सरकार ने बंद कर दूसरा उद्योग लगाने के लिए दे दिया है, लेकिन क्या वे उद्योग लगाए जा सकेंगे? लोहट मिल बंदी के खिलाफ पुर्जों को कबाड़ में बेचने के विरोध में मधुबनी जिलाधीश कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन जारी है। यही हाल जूट मिलों का है। भारत में जूट का 40 प्रतिशत तक उत्पादन करने वाले बिहार के तीनों मिल बंदी के कगार पर हैं, क्योंकि जूट की खेती अब यहां के किसान नहीं करते हैं। रही बात कागज उद्योग की, तो सैकड़ों एकड़ जमीन में फैले अशोक पेपर मिल हायाघाट आज बंद है और विषैले सांपों का जंगल बन गया है। कभी 40 फीसदी जूट उत्पादन करने वाले बिहार में अब इसकी खेती नहीं होती

बिहार के सहरसा-मधेपुरा हाईवे पर सहरसा से पांच किलोमीटर पूरब बैजनाथपुर कागज मिल को पचास एकड़ में बनाने का कार्य शुरू किया गया था, लेकिन बनने के बाद आज उसकी संपत्ति कौड़ियों के भाव बेची जा रही है। इस उद्योग के निर्माण का कार्य सत्तर के दशक में शुरू किया गया था, उसमें रोजगार की उम्मीद लगाए आज तक सिर पीटते जीवन गुजार रहे हैं। अभी पिछले दिनों जिलाधिकारी ने इसका दौरा किया और कहा है कि इस जमीन का उपयोग कृषि उपयोग में लाए जाने वाली सामग्री बनाने के लिए किया जाएगा

12 अक्टूबर को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक चुनावी रैली में कहा था, 'ज़्यादा बड़ा उद्योग वहां लगता है, जो समुद्र के किनारे के राज्य होते हैं। फिर भी हमने बहुत कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके।' मुख्यमंत्री की बातें पढ़े-लिखे युवाओं को हतोत्साहित ही कर रही हैं, लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान वादा तो यही था कि यदि उनकी सरकार बनी तो 19 लाख लोगों को रोजगार देने के लिए सरकार कृत संकल्पित होगी। लेकिन हां, यदि भाजपा के नजरिये से देखें तो यह चुनावी जुमला कहलाता है, लेकिन बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव युवा हैं। उनकी बातों पर तो विश्वास अभी तक युवाओं का है और उपमुख्यमंत्री के रूप में जिस आक्रामक तरीके से तेजस्वी यादव काम कर रहे हैं, उसका रिजल्ट देखने के लिए युवाओं को कुछ इंतजार करना ही होगा।

सरकार अभी बनी है, इसलिए इस नई सरकार को कुछ समय देना पड़ेगा। सबसे बड़ा सवाल यह कि जिन मिलों से लाखों लोग अपने परिवार की जीविका चला रहे थे, उनका क्या होगा जो अब बंद हो चुकी हैं। चीनी और कागज की जो मिलें बंद हो गई हैं, क्या उन्हें फिर से चालू करने का प्रयास वर्तमान सरकार करेगी? यदि उन्हें फिर से नियमित नहीं किया जाएगा तो फिर किस योजना के तहत बिहार की वर्तमान सरकार रोजगार मुहैया करा सकेगी? यदि सरकार की सोच सच में अपने राज्य के युवाओं को रोजगार देने की है तो सबसे पहले उसे उन सभी चीनी मिलों, कागज मिलों को चालू कराना होगा, क्योंकि जहां घर-घर में सभी बेरोजगार हो, वहां कोई किस प्रकार अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकेगा।

बिहार में पंद्रह वर्ष लालू प्रसाद यादव ने यदि विकास पर अपना ध्यान केंद्रित किया होता और उसके बाद के पंद्रह वर्षों में वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के विकास की ओर लगाया होता तो जो स्थिति आज वहां हो गई है, तो ऐसी स्थिति देखने को नहीं मिलती। वैसे, यह तो राजनीति में सत्ता पाने के लिए हर दल दूसरे दल को नीचा दिखाने का, भारत ही नहीं विश्व में प्रयास होता ही रहता है, लेकिन बिहार के राजनीतिज्ञ इस मामले में बिल्कुल अलग हैं। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि सरकार यदि विकास करने के लिए प्रतिबद्ध हो जाएं तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि राष्ट्र अथवा राज्य का विकास न हो, लेकिन बिहार के राजनेता केवल अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए ही कुछ करते हैं और उन्हें जनता से कोई लेना-देना नहीं होता। जनता से उनका लेना-देना केवल चुनाव के समय ही होता है, जब उनका स्वार्थ सिद्ध होना होता है। जो भी हो, बिहार में युवाओं को रोजगार मिले, वहां की सभी बंद मिलें फिर से शुरू हों,उसके हूटर बजे — इसके प्रयास होने चाहिए। ऐसा करने से लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा और उन्हें अपने राज्य से बाहर जाने और अपमान का घूंट पीने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी यह आरोप नहीं लगा सकते कि उन्हें राज्य और वहां के युवाओं का विकास करने से भाजपा टांग खींचती है।

बिहार का विकास पिछले वर्षों में इसलिए भी अवरुद्ध हुआ, क्योंकि देश के किसी भी उद्योगपति ने वहां अपना उद्योग लगाने में रुचि नहीं दिखाई। इसके कई कारणों में एक कारण यह भी है कि उनके मन में यह भय है कि बिहार में उनकी और उनके उद्योग की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। विपक्षियों ने प्रचारित किया है कि बिहार में जंगल राज है, वहां कानून-व्यवस्था नामक कुछ भी नहीं है, बिहार को जमकर बदनाम किया है। वैसे, नीतीश सरकार ने पिछले कुछ सालों में आमलोगों की जिंदगी की जो मूलभूत जरूरतें होती हैं, उन्हें पूरा करने के प्रयास में सड़क और बिजली को ठीक कर दिया है, लेकिन बढ़ती बेरोजगारी ने सब पर पानी फेर दिया है।

यहां तक कि आमलोगों का कहना है कि बाढ़ से लोगों को छुटकारा कब मिलेगा, मवेशियों के चारे का इंतजाम कैसे होगा। उनका कहना यह भी है कि बिजली और सड़क की सुविधा हो जाने से क्या उनका पेट भर जाएगा! उनके बच्चे भूखे पेट अब नहीं सोएंगे! इसका निदान तो हुआ नहीं, फिर कैसे मान लिया जाए कि विकास हुआ है, गुंडागर्दी काम हुई है, अब उद्योगपतियों से वसूली नहीं की जाएगी? महिलाएं बिहार की शराबबंदी से खुश हैं, लेकिन उद्योग लगाने जो आएंगे, वह भी क्या इसे आत्मसात करेंगे कि यहां शराब पीना अपराध है और ऐसा करने पर उन्हें जेल की सजा नहीं होगी?

समस्याएं बहुत हैं, लेकिन उसका निदान भी राजनीतिज्ञों के हाथ में ही होता है। यदि राजनीति के अनुभवी नीतीश कुमार को तेजस्वी यादव जैसे युवाओं का साथ मिल जाएं और जिस प्रतिबद्धता से अभी दोनों बिहार के विकास की योजना बना रहे हैं, यदि उसे धरातल पर उतार दिया जाए तो वह दिन दूर नहीं जब बिहार भी देश के अन्य विकसित राज्यों की तरह आगे आ सकेगा। बिहार ही वह राज्य है जो बौद्धिक रूप से सक्षम है, जहां प्रचुर मात्रा में पानी है। भूमि की कोई कमी है नहीं और मैनपावर तो बिहार पूरे देश को देता ही है, इसलिए अब उसे भुनाने की जरूरत है।

घाटी में फिर दहशतगर्दी

सर्दी बढ़ते ही कश्मीर घाटी में सीमा पार से घुसपैठिए फिर सक्रिय हो गए हैं। उनकी बढ़ रही गतिविधियों से घाटी में एक बार फिर कश्मीरी पंडितों के पलायन की कोशिशें तेज हो गई हैं। हाल ही में आई खबरों के अनुसार शोपियां जिले के चौधरीगुंड गांव के दस कश्मीरी पंडित परिवार गांव छोड़ कर जम्मू चले गए। दो हफ्ते में दो टारगेट किलिंग की घटनाओं ने पंडितों का हौसला पस्त कर दिया है। इन हत्याओं के बाद वहां रह रहे लोगों ने डर के मारे परिवार सहित गांव छोड़ दिया। अब तक आबाद रहने वाला कश्मीरी पंडितों का वह गांव अब वीरान हो चला है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस तरह से आतंकियों द्वारा निशाना बना कर हत्याएं की जा रही हैं उससे उनमें भय समा गया है। बता दें कि ये वे पंडित हैं, जो नब्बे में हुए पलायन के बाद भी अपने पुश्तैनी घरों को नहीं छोडा था। डरे हुए कश्मीरी पंडित लंबे समय से अपनी सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। वे धरने पर भी बैठे। सरकार उन्हें आश्वासन तो देती है, लेकिन लक्षित हत्या का सिलसिला रोक नहीं पा रही है। हालात यहां तक बिगड चुके हैं कि आतंकवादी कश्मीरी पंडितों को निशाना बना कर उनकी दुकान, दफ्तर, घर, बाजार, बाग आदि कहीं भी मार डालने पर उतारू हैं। इस तरह उनके पुनर्वास का मकसद हाशिए पर जाता दिखने लगा है। कश्मीरी पंडितों का संगठन कई महीने से मांग कर रहा है कि उन्हें या तो सुरक्षा दी जाए, या फिर सुरक्षित जगहों पर चले जाने में मदद की जाए। करीब बत्तीस साल पहले कश्मीरी पंडितों ने इसीलिए घाटी से पलायन कर जम्मू के शिविर में शरण ली थी कि उन्हें निशाना बना कर मारा जा रहा था। इस बीच केंद्र और राज्य में कई सरकारें बदलीं, सबका वादा यही था कि कश्मीरी पंडितों का पुनर्वास कराया जाएगा। काफी हद तक इसके लिए प्रयास भी हुए। यहां तक कि घाटी में सरकारी नौकरियों में उनके लिए जगह बनाई गई, ताकि वे अपने पुश्तैनी घरों में लौट कर अपनी गृहस्थी जमा सकें। सरकार की योजनाओं और आश्वासन के बाद कई परिवार अपने गांव लौटे भी। लेकिन एक बार फिर वही स्थितियां उनके सामने उपस्थित हो गई हैं, तो उन्हें पलायन के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं सूझ रहा है। पिछले तीन महीनों में कई बार चुपके से कुछ कश्मीरी परिवारों ने रात में पलायन की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों के सैनिक रोडा बन कर खडे हो गए। इसके बावजूद कई परिवार पलायन कर चुके हैं। जो वहां रह रहे हैं, वे भी किसी सुरक्षित जगह जाना चाहते हैं। कश्मीरी पंडितों का इस तरह दुबारा पलायन करना एक तरह से आतंकवादी संगठनों का मनोबल बढ़ाने वाली घटना है। उनका मकसद यही है कि बाहरी लोगों को निशाना बना कर उन्हें घाटी से खदेड़ा और सरकार पर दबाव बनाया जा सके। हालांकि सरकार दावा करती रही है कि घाटी से आतंकवाद को काफी हद तक खत्म किया जा चुका है, लेकिन हकीकत यह है कि आतंकवादी संगठन नई-नई रणनीति बना कर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं। उन पर फौज की संगीनों की कड़ी नजर बनी हुई है, फिर भी वे अपनी साजिशों को अंजाम कैसे दे रहे हैं, यह सवाल खडा हो गया है। बेशक वे बड़ी वारदात नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन लक्षित हिंसा करके सुरक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती तो पेश कर ही रहे हैं। आए दिन मुठभेड़ में आतंकियों के मारे जाने के समाचार आते हैं, फिर भी उनकी उपस्थिति कैसे बनी हुई है यह यक्षप्रश्न देश के सामने है। बुधवार को एक ओर कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश करते एक आतंकवादी को सुरक्षाबलों ने मार गिराया, तो दूसरी ओर बारामूला से भी आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ की खबर आई। ऐसी स्थिति में सरकार की रणनीति पर प्रश्न खड़े होते हैं कि वह घाटी में आतंकवाद से निपटने और वहां रह रहे कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा उपलब्ध करा पाने में विफल क्यों हो रही है?

इसरो का बाहुबली 'एलवीएम3-एम2'

योगेश कुमार गोयल

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 22-23 अक्टूबर की रात अपने पहले वाणिज्यिक मिशन के तहत अपने सबसे भारी रॉकेट 'एलवीएम3-एम2' के जरिये ब्रिटेन की कम्पनी 'वनवेब लिमिटेड' के लिए 36 ब्रॉडबैंड संचार उपग्रहों को सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षाओं में स्थापित करके सफलता का नया इतिहास रच डाला। श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष यान से रॉकेट के प्रक्षेपण के करीब 75 मिनट बाद सभी 36 उपग्रह कक्षाओं में स्थापित हो गए, जो भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक ऐतिहासिक घटना है। एक साथ 36 संचार उपग्रहों को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित कोई आसान कार्य नहीं था लेकिन भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने ऐसी बड़ी चुनौतियों को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए भारत के प्रति भरोसा दुनियाभर में कई गुना बढ़ा दिया है। वनवेब का यह अब तक का 14वां प्रक्षेपण तथा न्यू स्पेस इंडिया के साथ पहला प्रक्षेपण था। 'वनवेब लिमिटेड' इसरो की वाणिज्यिक शाखा एनएसआईएल (न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड) का ब्रिटेन स्थित और अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करने वाला वैश्विक संचार नेटवर्क है, जो सरकारों तथा उद्योगों को इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है। वनवेब को पहले नेटवर्क एक्सेस एसोसिएट्स के नाम से जाना जाता था, जो भारती एंटरप्राइसेस तथा ब्रिटेन सरकार का संयुक्त उपक्रम है। वनवेब का इसरो के साथ 72 उपग्रह भेजने का एक हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा का अनुबंध है। इस मिशन के लिए वनवेब लिमिटेड ने इसरो की वाणिज्यिक शाखा एनएसआईएल के साथ करार किया था और स्वयं इसरो ने इसे एक ऐतिहासिक मिशन करार दिया। मिशन की सफलता के बाद वनवेब का कहना था कि इसरो और इसकी वाणिज्यिक शाखा एनएसआईएल के साथ उसकी साझेदारी ने 2023 तक भारत में दूर-दूर तक कनेक्टिविटी प्रदान करने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। ब्रिटेन के संचार नेटवर्क 'वन वेब' का लक्ष्य कुल 648 उपग्रह लो-अर्थ ऑर्बिट में भेजने का है, जिनमें से 36 इसरो द्वारा भेज दिए गए हैं। लो-अर्थ ऑर्बिट पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा होती है, जिसकी ऊंचाई पृथ्वी के चारों ओर 1600 से 2000 किलोमीटर के बीच है, जिसमें किसी ऑब्जेक्ट की गति 27 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। इसी कारण लो-अर्थ ऑर्बिट में मौजूद उपग्रह तेजी से मूव करता है और इसे टारगेट करना आसान नहीं होता। इसरो और एनएसआईएल दोनों के लिए ही अब वनवेब मिशन बेहद अहम माना जा रहा था क्योंकि लॉन्च व्हीकल मार्क 3 (जीएसलीवी मार्क 3) के जरिये पहली बार कोई व्यावसायिक लॉन्च किया गया था। इसरो व्यावसायिक लॉन्च के लिए इससे पहले पीएसएलवी का इस्तेमाल करता था लेकिन अब एलवीएम3 के व्यावसायिक बाजार में उतरने के साथ ही यह इसरो और एनएसआईएल के लिए नए प्लेटफार्म खोलेगा।

लॉन्च व्हीकल मार्क 3 (एलवीएम3) इसरो का सबसे भारी भरकम 641 टन वजनी रॉकेट है, जो अपने साथ करीब 4 टन वजनी पेलोड जियो सिंक्रोनस ऑर्बिट में और 8 टन वजनी पेलोड लो-अर्थ ऑर्बिट में ले जाने में सक्षम है। एलवीएम3 को इसके भारी भरकम रूप के कारण ही इसरो का बाहुबली भी कहा जाता है, जो तीन स्टेज का रॉकेट है, जिसके पहले चरण ठोस ईंधन होता है, दूसरे चरण में तरल ईंधन और तीसरा क्रायोजेनिक मोड है। अब वनवेब लिमिटेड के लिए 36 ब्रॉडबैंड संचार उपग्रहों के सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो ने पूरी दुनिया के समक्ष साबित कर दिया है कि वह अब अपने एलवीएम3 के साथ दुनिया के किसी भी भारी मिशन के लिए भी पूरी तरह तैयार है। इस बड़ी सफलता के साथ ही इसरो ने 7 अगस्त की अपनी उस विफलता को पीछे छोड़ दिया है, जब इसरो का पहला छोटा उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) टर्मिनल चरण में 'डेटा लॉस' का शिकार हो गया था और उससे सम्पर्क टूट गया था। 1969 में बना इसरो अपने कुछ मिशनों की विफलता के बावजूद आज दुनिया की सबसे सफल और भरोसेमंद अंतरिक्ष एजेंसियों में शामिल हो चुका है। इसरो ने 7 अगस्त 2022 तक अपने 84 अंतरिक्ष मिशन लॉन्च किए थे, जिनमें से 67 सफल, 5 आंशिक सफल और केवल 10 ही विफल रहे। अपने इन मिशनों के अलावा इसरो 100 से भी ज्यादा विदेशी अंतरिक्ष मिशन में भी शामिल रहा है।

हालांकि अमेरिका के नासा, यूरोपियन स्पेस एजेंसी तथा रूस के रॉसकोमॉस जैसे अंतरिक्ष संगठन भले ही आर्थिक रूप से ज्यादा मजबूत हैं लेकिन अंतरिक्ष मिशनों की लॉन्चिंग की सफलता के मामले में ये इसरो से आगे नहीं हैं। भारत के अंतरिक्ष संगठन इसरो का मुख्य कार्य एयरोनॉटिकल तकनीक उपलब्ध कराना है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपग्रह, लॉन्च व्हीकल, साउंडिंग रॉकेट तथा ग्राउंड सिस्टम तैयार करना है। इसरो ने अपना पहला उपग्रह 'आर्यभट्ट' 19 अप्रैल 1975 को सोवियत संघ के सहयोग से छोड़ा था। 7 जून 1979 को 442 किलोग्राम वजनी दूसरा उपग्रह 'भास्कर' छोड़ा गया, जिसे पहली बार पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया गया। 22 अक्टूबर, 2008 को इसरो ने चंद्रयान-1 तथा 24 अक्टूबर 2014 को मंगलयान भेजा था और भारत मंगल पर एक ही बार में पहुंचने वाला पहला देश बना था। भारत में निर्मित पहले लॉन्च व्हीकल एसएलवी-3 से रोहिणी उपग्रह छोड़ा गया था और 2014 में जीसैट-14 का जीएसएलवी-डी5 लॉन्च किया गया था, जो स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन था। इसरो अब तक 50 से भी ज्यादा विदेशी उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च कर चुका है और इसरो ने जिस प्रकार अब तक काफी कम खर्च में 300 से भी ज्यादा सफल कमर्शियल लॉन्च किए हैं, उसी का परिणाम है कि दुनिया के कई देश अब अपने बड़े से बड़े लॉन्च के लिए भी हमारी स्पेस एजेंसी इसरो पर भरोसा जताने लगे हैं।

बहरहाल, वनवेब के 36 उपग्रहों के अंतरिक्ष में सफल प्रक्षेपण के बाद भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र की सेवाओं की उपलब्धता तथा देश में विदेशों से अरबों डॉलर आने की संभावनाओं के दरवाजे खुल गए हैं। अब यदि वनवेब के साथ इसरो के अनुबंध के तहत जनवरी माह तक शेष 36 उपग्रह भी इसरो द्वारा सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित कर दिए जाते हैं तो निश्चित रूप से दुनियाभर में भारत की अंतरिक्ष सेवाओं के प्रति आकर्षण और भरोसा और ज्यादा बढ़ जाएगा। इसरो के चेयरमैन एसपी सोनाथ के मुताबिक अगला मिशन केवल वनवेब के लिए ही होगा और उसके बाद इसरो के अगले मिशन चंद्रयान-3 तथा गगनयान अनाम मिशन होंगे। चंद्रयान-3 मिशन भारत का चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान भेजे जाने का तीसरा मिशन है, जो अगले साल जून माह में लॉन्च किए जाने की संभावना है।

केदारनाथ हादसा: नागरिक विमानन और निजी चार्टर कम्पनियाँ

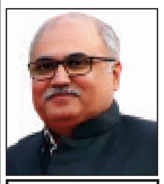

रजनीश कपूर

बीते मंगलवार केदारनाथ धाम पर हुए हेलीकाप्टर हादसे ने एक बार फ़िर से भारत सरकार के नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) और कुछ निजी एयर चार्टर कम्पनियों की साँठगाँठ के चलते लापरवाही को उजागर किया है। खबरों की मानें तो इस हेलीकाप्टर को उड़ाने वाले पायलट कैप्टन अनिल सिंह को पहाड़ी इलाक़े में उड़ान भरने का कोई अनुभव नहीं था। उन्होंने सितम्बर 2022 में ही इस निजी कम्पनी के साथ पहाड़ी इलाक़े में हेलीकाप्टर उड़ाना शुरू किया था। सवाल उठता है कि जिस पायलट ने बीते 15 सालों तक तटीय इलाक़ों में हेलीकाप्टर उड़ाया हो वो अचानक पहाड़ी इलाक़ों में उड़ान भरने के लिए पूरी तरह प्रशिक्षित भी था या नहीं? क्या केदारनाथ में निजी चार्टर सेवा देने वाली कम्पनी 'आर्यन एविएशन' मुनाफ़े के लालच में नियमों की अनदेखी कर यात्रियों की जान जोखिम में डाल रही थी? आए दिन यह देखा जाता है कि जब भी कोई विमान हादसा होता है या किसी एयरलाइन के कर्मचारी द्वारा कोई गलती होती है तो डीजीसीए उसकी जाँच कर दोषियों को सज़ा देती है।

परंतु ऐसे कई मामले सामने आते हैं जहां बड़ी से बड़ी गलती करने वाले को डीजीसीए द्वारा केवल औपचारिकता करके कम सज़ा दी जाती है। फिर वो चाहे एक कोई नामी कमर्शियल एयरलाइन हो, किसी प्रदेश का नागरिक उड्डयन विभाग हो या कोई निजी चार्टर हवाई सेवा वाली कम्पनी। यदि डीजीसीए के अधिकारियों ने मन बना लिया है तो बड़ी से बड़ी गलती को भी नज़रंदाज़ कर दिया जाता है। कभी-कभी डीजीसीए के अधिकारी अपनी गलती छिपाने के लिए भी बेक़सूर को दोषी ठहरा कर उसे सज़ा दे देते हैं या मौसम की गलती बता देते हैं। वहीं दूसरी ओर जब भी किसी ख़ास वजह से किसी बड़ी गलती वाले दोषी को सज़ा से बचाना होता है तब भी डीजीसीए के भ्रष्ट अधिकारी पीछे नहीं रहते। फिर वो चाहे 'आर्यन एविएशन' हो या कोई अन्य निजी एयरलाइन डीजीसीए के भ्रष्ट अधिकारी दोषी को बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ते। ऐसा ही एक उदाहरण एक अन्य निजी चार्टर कम्पनी 'ए आर एयरवेज़' का है जिसके एक पाइलट ने सभी नियम और क़ानून की धज्जियाँ उड़ा कर अपने लिए कम से कम सज़ा तय करवाई और यह भी निश्चित कर लिया कि उसकी बड़ी से बड़ी गलती को भी नज़रंदाज़ कर दिया जाए। चूँकि यह निजी चार्टर सेवा देश के बड़े-बड़े नेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों को अपनी सेवा प्रदान करती रहती है इसलिए आरोप है कि वो अपने ख़िलाफ़ हर तरह की कार्यवाही को अपने ढंग से तोड़ मरोड़ कर खानापूर्ति करती रहती है। इस निजी एयरलाइन के पाइलट कैप्टन एच एस विर्दी ने लगातार नियम और क़ानून तोड़ कर यह साबित कर दिया है कि वे चाहे कुछ भी करे उसे उसके पद से कोई नहीं हटा सकता। कैप्टन विर्दी के ख़िलाफ़ बी॰ए॰ टेस्ट (पायलट के नशे में होने का टेस्ट) के उल्लंघन से लेकर तमाम संगीन लापरवाहियों की लिखित शिकायत डीजीसीए को भेजी गई। जाँच के बाद उसे व उसके लाइसेन्स को 17 फ़रवरी 2022 को केवल 3 महीने के लिए ही निलंबित किया गया। जबकि इससे कम संगीन ग़लतियों पर डीजीसीए के अधिकारी एयरलाइन के कर्मचारियों को कड़ी से कड़ी सज़ा दे देते हैं। ऐसे दोहरे मापदंड क्यों? दिल्ली के कालचक्र समाचार ब्युरो ने डीजीसीए को लिखित शिकायत में इस बात के प्रमाण भी दिए कि कैप्टन विर्दी ने अपने रसूख़ के चलते निलंबन अवधि के दौरान ही 3 मार्च 2022 को अपना पीपीसी चेक भी करवा डाला। निलंबन अवधि में ऐसा करना ग़ैर-क़ानूनी है। ऐसा नहीं है कि डीजीसीए के उच्च अधिकारियों को इस बात का पता नहीं था। लेकिन रहस्यमयी कारणों से वे इस संगीन गलती को अनदेखा करने पर मजबूर थे। इतना ही नहीं जब डीजीसीए के अधिकारियों को इस बात का एहसास हुआ तो डीजीसीए के इतिहास में पहली बार, कैप्टन विर्दी के निलंबन की तारीख़ को बदल दिया गया। शिकायत में आरोप है कि डीजीसीए के अधिकारियों द्वारा कैप्टन विर्दी के निलंबन की तारीख़ को एक सोची-समझी साज़िश के तहत 17 फ़रवरी 2022 से बदल कर 4 मार्च 2022 कर दिया। ऐसा इसलिए किया गया जिससे कि विर्दी द्वारा ग़ैर क़ानूनी तरीक़े से किया गया पीपीसी चेक मान्य माना जाए। इस निर्णय से साफ़ ज़ाहिर होता है कि डीजीसीए में भ्रष्टाचार ने किस कदर अपने पाँव पसार लिए हैं। इसलिए यदि किसी भी पायलट की गलती पर पर्दा डाल कर उसे ग़ैर क़ानूनी तरीक़े से उड़ान भरने की अनुमति दे दी जाती है तो केदारनाथ जैसे हादसे भविष्य में दोहराए जाएँगे।

बड़ी संख्या में युवा होंगे भविष्य की संपदा

संजीव ठाकुर

भारत एक दशक के बाद सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश होगा और सबसे ज्यादा युवा जनसंख्या वाला भी देश होगा। निश्चित तौर पर यह हमारे ऊपर है यह हमारी युवा जनसंख्या का उपयोग हम किस तरह विकास की गति के साथ साथ तालमेल बिठाकर भारत राष्ट्र का गौरव किस तरह बढ़ाते हैं। भारत की युवा और दीवा शक्ति के माध्यम से साइंस, टेक्नोलॉजी,मेडिकल, सेना, कंप्यूटर साइंस और स्वयं उद्यम के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारत को अग्रणी देश बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। अब इस विशाल जनसंख्या का सीमित संसाधन पर कितना दबाव होगा, आप ये कल्पना कर सकते हैं। बहुत अधिक जनसंख्या देश में अनेक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक समस्याओं को जन्म भी देती है। वर्तमान में भारत 135 करोड़ जनसंख्या (अनुमानित) के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है पहले नंबर पर चाइना 145(अनुमानित)करोड़ की आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1989 से 11 जुलाई को हर वर्ष जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता है पर जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियोजन पर भारत जैसे देश में कोई भी योजना नहीं बनती है। यही जनसंख्या बढ़ चुकी है और भारत में युवा जनसंख्या 55% से ज्यादा है तो इसका सकारात्मक उपयोग ही किया जाना युक्ति युक्त होगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से भारत की जनसंख्या बाजार की ताकत है पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या विकास के लिए बड़ी बाधक भी है। अधिक जनसंख्या के दबाव में सीमित संसाधन छिन्न-भिन्न हो जाते हैं आम जनता को उनकी मूल जरूरतों की आवश्यक वस्तुएं नहीं मिल पाती और यदि मिलती भी है तो बहुत ऊंची दरों में या बहुत महंगाई के बाद।ऐसे में देश में अनेक समस्याएं पैदा होती है, और सबसे ज्यादा जनसंख्या के दबाव से विकास के लिए संकट खड़ा हो जाता है। विकास धीरे-धीरे मध्यम का अवरुद्ध हो जाता है। देश का आर्थिक नियोजन चरमराने लगता है। वर्ष 1951 से 81 के दशक को भारत की जनसंख्या की विस्फोटक अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु दर के तीव्र स्खलन और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ है। वर्ष 1921 तक की अवधि में भारत की जनसंख्या की वृद्धि स्थिर अवस्था में रही क्योंकि इस अवधि में जनसंख्या वृद्धि की दर काफी निम्न थी। 1981 से लगातार अभी तक जनसंख्या की दर बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा बढ़ती जनसंख्या के मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस स्लोगन 'परिवार नियोजन मानव का अधिकार' रखा गया है, ताकि बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न समस्याओं के प्रति जागरूक होकर लोगों द्वारा परिवार नियोजन पर उत्साहजनक जोर दिया जाए। यह स्लोगन यह संकेत करता है कि सुरक्षित एवं शैक्षिक परिवार नियोजन एक जिम्मेदार नागरिक का अधिकार है और यह सभी लोगों को सशक्त बनाएगा और देश में विकास की गति को तेज करने में सहायक भी होगा।

ऋषि सुनक: अद्वितीय ब्रिटिश महानायक

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

ऋषि सुनक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन गए। यह ब्रिटेन की ही नहीं, विश्व की अद्वितीय घटना है। अद्वितीय इसलिए कि जो भारत ब्रिटेन का लगभग दो सदियों तक गुलाम रहा, उसका प्रधानमंत्री एक ऐसा आदमी बन गया, जो इसी भारतीय मूल का है। ब्रिटेन पर अब कोई भारतीय शासन करेगा। आजादी के 75 वें साल में भारत को इससे बढ़िया तोहफा क्या मिल सकता है? दुनिया में श्वेतांग राष्ट्रों के अग्रणी राष्ट्र, ब्रिटेन का यह व्यक्ति पहला अश्वेत प्रधानमंत्री है। इस मामले में सुनक की तुलना हम बाराक ओबामा से कर सकते हैं, जो अमेरिका जैसे सबसे बड़े श्वेतांगों के देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। कोई आश्चर्य नहीं कि अमेरिका का भी अगला राष्ट्रपति कोई भारतीय मूल का व्यक्ति ही बन जाए। उपराष्ट्रपति पद तक कमला हैरिस पहुंच ही चुकी हैं। मैंने लगभग 20 साल पहले अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के हॉल में भाषण देते हुए कहा था कि अगले दो-ढाई दशक में कोई भारतीय मूल का व्यक्ति ही अमेरिका का राष्ट्रपति बनकर रहेगा। यह आशा सुनक के ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने पर अधिक प्रबल हो गई है। जब सुनक कुछ हफ्तों पहले लिज ट्रस के मुकाबले प्रधानमंत्री पद का चुनाव हार गए थे, तब हमें ऐसा लग रहा था कि सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के ज्यादातर गोरे सदस्यों पर रंगभेद का दुर्भाव सवार हो गया है। सुनक के सुयोग्य और साहसी होते हुए लिज ट्रस के मुकाबले उनको सिर्फ इसीलिए हारना पड़ा है कि वे अंग्रेज नहीं हैं, मूलतः भारतीय हैं, वे ईसाई नहीं हैं, मूलतः हिंदू हैं। बोरिस जॉनसन की सरकार भी उनके इस्तीफे के बाद ही गिरने लगी थी, फिर भी वे प्रधानमंत्री नहीं बन सके लेकिन कंजर्वेटिव पार्टी के बहुसंख्यक गौरांग सदस्यों ने इस बार सुनक के पक्ष में इतना खुला समर्थन जताया कि उन्हें प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ना ही नहीं पड़ा। उनके दोनों प्रतिद्वंद्वियों ने, जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री जॉनसन भी थे, चुनाव के पहले ही अपनी हार मान ली। दूसरे शब्दों में सुनक निर्विरोध चुने गए विशिष्ट प्रधानमंत्री हैं। उनका प्रधानमंत्री बनना प्रतिद्वंद्वी लेबर पार्टी के लिए बड़ी चुनौती है, क्योंकि जॉनसन और ट्रस को टक्कर देना उसके लिए काफी आसान रहता लेकिन सुनक को हराना आसान नहीं है। अगले चुनाव दो साल के अंदर ही होने वाले हैं। इस बीच सुनक की पूरी कोशिश होगी कि जैसे वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने कोरोना काल में सराहनीय कार्य करके दिखाया, वैसा ही प्रदर्शन अब इस अल्पावधि में उन्हें करके दिखाना होगा।

कार्तिक शुक्ल पक्ष की विनायक चतुर्थी आज

कार्तिक शुक्ल विनायक चतुर्थी 2022 तिथि- 28 अक्टूबर 2022, शुक्रवार
चतुर्थी तिथि आरंभ- 28 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 33 मिनट पर
चतुर्थी तिथि समाप्त-29 अक्टूबर को सुबह 8 बजकर 13 मिनट

पूजा-पाठ या यज्ञ-अनुष्ठान में सबसे पहले गणपति की पूजा की जाती है। गणेश जी को समर्पित विनायक चतुर्थी का व्रत हर महीने शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को रखा जाता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की विनायक चतुर्थी 28 अक्टूबर, शुक्रवार को पड़ रहा है। मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से सारे विघ्न दूर हो जाते है। परिणामस्वरूप जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। आइए जानते हैं कि कार्तिक मास की विनायक चतुर्थी कब है, साथ ही इसके लिए शुभ मुहूर्त और पूजा की विधि क्या है।

विनायक चतुर्थी पूजा विधि

विनायक चतुर्थी के दिन गणेश जी की पूजा के लिए एक चौकी तैयार कर लें। इसके बाद उस पर पीले वस्त्र बिछाएं। इसके बाद उस पर भगवान गणेश की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। अब गणेश जी के समक्ष धूप-दीप जलाएं और उन्हें फूल और दूर्वा अर्पित करें। भगवान गणेश को दूर्वा की माला भी अर्पित कर सकते हैं।

गणपति जी की पूजा के बाद गणेश चालीसा का पाठ करें। इसके बाद विनायक चतुर्थी व्रत की कथा सुना या पढ़ें। अंत में भगवान गणेश की आरती करते हुए उनसे सुख-समृद्धि की कामना करें।

विनायक चतुर्थी का महत्व

धर्म शास्त्रों के मुताबिक विनायक चतुर्थी के दिन गणपति जी की पूजा करना शुभ होता है। कहा जाता है कि इस दिन गणेश जी की पूजा करने से जीवन में आ रही विघ्न और बाधाएं दूर हो जाती हैं। इसके साथ ही इस दिन भगवान गणेश की विधिवत पूजा अर्चना करने से घर-परिवार में सुख-शांति कायम रहती है

एक बूढ़े ने दी राजा को सीख

जब भी किसी की मदद से कोई काम पूरा करें या किसी के संसाधनों का उपयोग करें तो उसे उसका हक जरूर दें

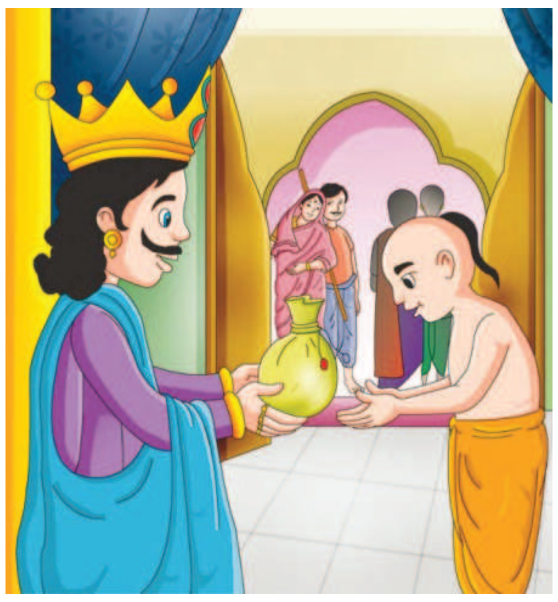

कई ऐसे काम हैं, जिन्हें हम दूसरों की मदद से पूरा करते हैं। जब हम दूसरों की मदद लेते हैं, दूसरों के साधनों का इस्तेमाल खुद के काम के लिए करते हैं तो हमें उन लोगों को उनके हक का लाभ जरूर लौटा देना चाहिए। हक यानी अधिकार। हमारे हक का क्या है और क्या दूसरों के हक का है, ये हम विक्रमादित्य की एक कहानी से समझ सकते हैं।

राजा विक्रमादित्य के दरबार में एक दिए एक संत पहुंचे। राजा संतों का बहुत सम्मान करते थे तो उन्होंने पूछा कि बताइए मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं?

संत बोले कि मैं भूखा हूं, मुझे भोजन दें, लेकिन एक बात ध्यान रखें, खाना आपके हक का होना चाहिए।

खाना तो ठीक है, लेकिन हक की बात सुनकर विक्रमादित्य हैरान हो गए। उन्होंने पूछा कि ये हक का खाना किसे कहते हैं? मैंने ये बात पहली बार सुनी है।

संत ने जवाब दिया कि आप आपके राज्य के एक बूढ़े का पता बताता हूं, आप उसके पास जाइए और उससे ये बात पूछिए।

राजा तुरंत ही संत के बताए हुए बूढ़े व्यक्ति के पास पहुंच गया। वह एक जुलाहा था। उस जुलाहे से राजा ने पूछा कि कृपया बताइए कि ये हक का भोजन क्या होता है?

उस बूढ़े जुलाहे ने जवाब दिया कि आज मेरी इस थाली में जो खाना है, उसमें आधा मेरे हक का है और आधा दूसरों के हक का है।

राजा ने बूढ़े से कहा कि कृपया ये बात मुझे विस्तार से समझाइए।

बूढ़े व्यक्ति बताया कि कल रात मैं जब सूत कात रहा था तो अंधेरे में मैंने दीपक जलाया और काम करने लगा। उसी समय मेरे घर के पास से कुछ लोग गुजर रहे थे, उन सभी के पास मशालें थीं। उनकी मशालों को देखकर मैंने अपना दीपक बुझा दिया और उनकी मशालों की रोशनी में काम कर लिया। उस काम से जो धन मैंने कमाया है, उस धन से ये खाना आया है।

अब इस खाने में आधा हक मेरा है, क्योंकि मैंने काम किया है और आधा उन मशाल लिए लोगों का है, जिनकी रोशनी में मैंने काम किया था।

बूढ़े व्यक्ति की बातें सुनकर राजा विक्रमादित्य को संत की बात समझ आ गई कि वह राजा की मेहनत से कमाए हुए धन का खाना मांग रहे हैं। इसके राजा ने संत को अपनी मेहनत से कमाए हुए धन से खाना खिलाया।

इस कहानी की सीख यह है कि हमें किसी स्थिति में दूसरों का हक नहीं मारना चाहिए। अगर हम दूसरों की मदद लेते हैं या दूसरों के संसाधनों का उपयोग करते हैं तो उन्हें इसका श्रेय और लाभ में हिस्सा जरूर देना चाहिए।

मंगल का रत्न है मूंगा

मणि पत्थर कुछ राशियों के लिए भाग्यशाली

रत्न शास्त्र के अनुसार हर रत्न किसी ना किसी ग्रह संबंधित होता है। यहीं वजह है कि ग्रहों की शुभता और अनुकूल प्रभाव के लिए अलग-अलग ग्रह के रत्न धारण किए जाते हैं। मूंगा रत्न मंगल ग्रह की शुभता के लिए धारण किया जाता है। ज्योतिष के जानकार बताते हैं कि जिनकी कुंडली में मंगल कमजोर हो या अशुभ प्रभाव दे रहा हो तो ऐसे में उन्हें मूंगा रत्न धारण करना चाहिए। इस रत्न को विधिवत धारण करने से जीवन मंगलमय बना रहता है। आइए जानते हैं कि मूंगा रत्न किन राशियों को धारण करना चाहिए।

मूंगा रत्न किन राशियों को करना चाहिए धारण

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मेष और वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल देव हैं। कुंडली में मंगल की प्रधानता के कारण इस राशि के संबंधित लोगों को मूंगा रत्न धारण करने के लिए कहा जाता है। वहीं अगर किसी जातकी कुंडली में मांगलिक दोष है तो उन्हें मूंगा रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। कुंडली का मंगल अगर अशुभ ग्रहों के साथ युति कर रहा है या मंगल कमजोर स्थिति में है तो ऐसे में ज्योतिष शास्त्र के जानकार मूंगा रत्न पहनने के लिए कहते हैं। माना जाता है कि मूंगा रत्न धारण करने से मंगल दोष खत्म हो जाता है।

सिंह राशि के लिए भी मूंगा रत्न शुभ माना गया है। ज्योतिष के जानतकार बताते हैं कि अगर सिंह राशि के जातक विधिपूर्वक मूंगा रत्न धारण करते हैं तो उन्हें चमत्कारिक लाभ मिल सकता है। किस्मत का साथ मिलता है और मेहनत के अनुकूल फल मिलने लगता है।

ज्योतिषीय मान्यता है कि मूंगा रत्न धारण करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। साथ ही मानसिक चिंता दूर होती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मूंगा को हमेशा सोना-चांदी या तांबे में बनवाकर धारण करना चाहिए। इसके अलावा अन्य किसी धातु में मूंग पहनने से लाभ नहीं होता है।

मूंगा को दाहिने हाथ की अनामिका उगली में धारण करना चाहिए। हालांकि इसके लिए ज्योतिषी की सलाह लेना अच्छा रहेगा।

हथेली की लकीरों से जानिए, आने वाला है अच्छा समय, पाएंगे धन और तरक्की

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हमारे हाथों में ही हमारा भविष्य के बारे में कई सारी जानकारी छिपी हुई है। सिर्फ अच्छे कर्म ही नहीं बल्कि आपकी रेखाएं का भी आपके भविष्य में काफी अहम भूमिका निभाती है।

नाखूनों पर चांद का सफेद निशान

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के नाखूनों पर चांद जैसा सफेद निशान है तो यह चिन्ह बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसे लोग बहुत ही लकी होते हैं ऐसे लोगों को अपने हर काम में सफलता मिलती है। साथ ही ये लोग खूब तरक्की भी करते हैं। छोटी उंगली के अलावा अगर किसी और उंगली पर भी निशान है तो करियर में सफलता मिलना तय माना जाता है।

नाखून चिकने और गुलाबी दिखना

हस्तरेखा के अनुसार, हाथों के नाखूनों का गुलाबी चिकना और मुलायम होना बहुत ही अच्छा माना जाता है। गुलाबी और मुलायम नाखून वाले व्यक्ति बहुत ही भाग्यशाली माने जाते हैं। साथ ही ऐसे लोगों को राजयोग मिलने की संभावना प्रबल होती हैं। साथ ही ऐसे लोग धन के मामले में काफी लकी रहते हैं और समाज में उनकी प्रतिष्ठा भी बढ़ती है।

हथेली मुलायम और गुलाबी होना

यदि किसी व्यक्ति की हथेली का रंग गुलाबी हो तो हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार ऐसा व्यक्ति शाही सुख प्राप्त करने वाला होता है। ऐसे लोगों का स्वभाव भी बहुत अच्छा होता है। इन लोगों को घर परिवार के साथ-साथ समाज में भी मान सम्मान प्राप्त होता है। साथ ही ऐसे लोग हर हाल में खुश रहते हैं।

हथेली में भाग्य रेखा का स्पष्ट और साफ होना

हस्तरेखा के अनुसार, जब कोई रेखा कलाई के पास से शुरू होती है और मध्यमा उंगली तक जाती है उसे भाग्य रेखा कहा जाता है। जिन लोगों की भाग्य रेखा सीधी स्पष्ट होती है ऐसे लोग बहुत ही महत्वकांक्षी होते हैं साथ ही ये लोग अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने वाले होते हैं। साथ ही ऐसे लोगों के पास धन की भी कोई कमी नहीं होती है। ऐसे लोगों को खूब मान सम्मान मिलता है।

छठ पूजा करने की सही विधि क्या है, जानिए जरूरी नियम

छठ पर्व की शुरुआत 28 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ हो रही है। इसके बाद क्रमशः खरना, शाम का अर्घ्य और सुबह का अर्घ्य निवेदित किया जाएगा। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में छठ पर्व को काफी उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। छठ पर्व को लेकर बहुत सारी धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। मान्यता है किस व्रत को करने से सूर्य देव और छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त होता है जिससे अखंड सौभाग्य के साथ-साथ संतान को उत्तम स्वास्थ्य का वरदान मिलता है। धार्मिक मान्यता है कि जो कोई छठ पर्व को पूरे विधि-विधान के साथ करता है, उसकी हर मनोकामना सूर्य देव पूरी करते हैं। छठ पूजा में मुख्य रूप से सूर्य देव को अर्घ्य देने के साथ-साथ छठी मैया की पूजा होती है। इस साल छठ पूजा की मुख्य तिथि 30 और 31 अक्टूबर को है। दरअसल 30 अक्टूबर को संध्याकालीन अर्घ्य है, जबकि 31 अक्टूबर को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

छठ पूजा के लिए कुछ सामग्रियों की विशेष आवश्यकता होती है। माना जाता है कि इन पूजन सामग्रियों के बिना छठ पर्व पूरा नहीं होता है। छठ पूजा की पूजन सामग्रियों में बांस की टोकरी, सूप, नारियल, पत्ते लगे गन्ने, अक्षत, सिंदूर, धूप, दीप, थाली, लोटा, नए वस्त्र, नारियल पानी भरा, अदरक का हरा पौधा, मौसम के अनुकूल फल, कलश (मिट्टी या पीतल का) , कुमकुम, पान, सुपारी

छठ पूजा की विधि -छठ पूजा के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठें और स्नान आदि से निवृत होकर छठ व्रत का संकल्प लें। इस क्रम में सूर्य देव और छठी मैया का ध्यान करें।

व्रती को छठ पूजा के दिन अन्न ग्रहण करना नहीं होता है। संभव हो तो निर्जला व्रत रखकर उसका विधिवत पालन करें।

छठ के पहले दिन संध्याकाली अर्घ्य होता है। जिसमें डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। ऐसे में इस दिन सूर्यास्त से थोड़ा पहले छठ घाट पर पहुंचे और वहां स्नान करने के बाद अस्ताचलगामी सूर्य को पूरी निष्ठा के साथ अर्घ्य दें।

इस दिन भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए बांस या पीतल की टोकरी या सूप का उपयोग किया जाता है। ऐसे में बांस या पीतल की टोकरी का इस्तेमाल करते हुए सूर्य देव को अर्घ्य दें।

छठ पूजा में जिन टोकरियों या सूपों का इस्तेमाल किया जाता है। उसमें फल, फूल, गन्ने, पकवान इत्यादि समेत पूरी पूजन सामग्रियों को अच्छी प्रकार रखें। इसके साथ ही सूप या टोकरी पर सिंदूर लगाएं।

सूर्य देव को अर्घ्य देते वक्त टोकरी में सभी पूजन सामग्रियों का होना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में इस बात का विशेष ध्यान रखें।

इसके साथ ही पूरे दिन और रात भर निर्जला व्रत रखकर अगले दिन सुबह उगते हुए सूर्य को जल अर्पित करें। सूर्य देव को अर्घ्य निवेदित करने के साथ ही मन ही मन उनसे अपनी मनेकामना कहें।

छठ पूजा के दौरान क्या किया जाता है

छठ पूजा के पहले दिन नहाय-खाय होता है। इस दिन व्रती स्नान-ध्यान करने के बाद कद्दू-भात का सेवन करती हैं। छठ व्रती को नहाय-खाय के दिन शुद्ध और सात्विक भोजन ग्रहण करना होता है। इसके साथ ही इस दिन जब छठ व्रती भोजन कर लेती हैं तभी घर के अन्य सदस्य भोजन करते हैं। इस साल छठ पूजा का नहाय खाय 28 अक्टूबर को है।

छठ पूजा के दूसरे दिन को खरना करते हैं। इस दिन व्रती महिलाएं स्नान के बाद चावल और गुड़ का खीर बनाकर खरना माता को अर्पित करती हैं। शाम को पूजा के बाद घर सभी सदस्य पहले खरना प्रसाद ग्रहण करते हैं फिर भोजन करते हैं। खरना प्रसाद को बेहद शुभ माना जाता है। इस साल छठ पर्व का खरना 29 अक्टूबर को है।

29 अक्टूबर 2022 को होगा खरना

छठ महापर्व के दूसरे दिन को खरना कहा जाता है। इस बार खरना 29 अक्टूबर को पड़ रहा है। इस दिन व्रती महिलाएं गुड़ की खीर का प्रसाद बनाती हैं। उसे रात में ग्रहण करती हैं जिसके बाद इसे प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। इसके बाद से 36 घंटे का व्रत शुरू हो जाता है।

30 अक्टूबर 2022 छठ पूजा पहला अर्घ्य

छठ पूजा के तीसरे दिन सूर्यास्त के समय डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हैं। व्रती महिला और पुरुष नदी, तालाब या फिर घर में ही पानी में खड़े होकर अर्घ्य देते हैं।

सूर्यास्त का समय - शाम 5 बजकर 37 मिनट

31 अक्टूबर 2022 को सुबह वाला अर्घ्य

चौथे दिन व्रती पानी में खड़े होकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद छठ पूजा का समापन होता है। फिर व्रत का पारण किया जाता है।

सूर्योदय समय- सुबह 6 बजकर 31 मिनट

पारण में व्रती महिलाएं और पुरुष पूजा अर्चना के बाद पूरे विधि-विधान के साथ अपना व्रत खोलेंगे।

सलमान खान हुए डेंगू से रिकवर

शुरू की बिग बॉस की शूटिंग, कटरीना कैफ संग वीकेंड का वार में आएंगे नजर

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को कुछ दिनों पहले डेंगू हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बिग बॉस 16 की शूटिंग को कैंसिल कर दिया था। लेकिन अब सलमान डेंगू से रिकवर हो गए हैं और जल्द शो की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्हें थोड़ी कमजोरी जरूर है, मगर वो तेजी से रिकवर हो रहे हैं।

बिग बॉस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, 'सलमान गुरुवार को वीकेंड का वार की शूटिंग करेंगे। इस एपिसोड में गेस्ट के रूप में कटरीना कैफ और उनकी फिल्म 'फोन भूत' की पूरी टीम नजर आएगी।'

बिग बॉस का पिछला एपिसोड करण जौहर ने होस्ट किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक जब सलमान की तबियत बिगड़ी तब उन्होंने खुद करण को कॉल किया और उनसे रिक्वेस्ट की कि वो शो को होस्ट करें। करण सलमान को मना नहीं कर पाए, और हामी भर दी। डेंगू के कारण ही सलमान किसी भी दीपावली सेलिब्रेशन की पार्टी में दिखाई नहीं दिए थे।

लेकिन 26 अक्टूबर को सलमान को उनकी बहन अर्पिता और जीजा आयुष के घर स्पॉट किया गया था। पार्टी में एक्टर फंकी अंदाज में पहुंचे थे, आयुष के घर के बाहर भाईजान ने पैपराजी के लिए पोज भी दिया था। उन्हें देखकर ऐसा लग रहा था कि अब उनकी तबियत ठीक हो गई है। बता दें कि छोटे पर्दे पर बिग बॉस की शुरुआत साल 2006 में हुई थी। इससे पहले इस शो को अरशद वारसी, शिल्पा शेट्टी, फराह खान और अमिताभ बच्चन जैसे सेलेब्स होस्ट कर चुके हैं, लेकिन साल 2010 से सलमान इस शो के होस्ट हैं। सलमान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में नजर आने वाले हैं। उसके बाद वो 'टाइगर 3' और 'पठान' में दिखाई देंगे।

कांतारा देखने के बाद मेरे रोंगटे खड़े हो गए - रजनीकांत

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत ने हाल ही में फिल्म कांतारा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर फिल्म के लीड एक्टर और डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी की तारीफों में पुल बांधा है। रजनीकांत ने कांतारा को इंडियन सिनेमा का मास्टरपीस करार दिया है। जाहिर है कि रिलीज होने के बाद से ही फिल्म की हर जगह तारीफ हो रही है। हाल ही में कांतारा IMDb पर बेस्ट रेटिंग हासिल करने वाली इंडियन फिल्म भी बन गई है।

कांतारा की इस समय हर कोई तारीफ कर रहा है अब इस कड़ी में सुपरस्टार रजनीकांत का नाम भी जुड़ गया है, उन्होंने हाल में ही अपने सोशल मीडिया अकांउट के माध्यम से फिल्म की तारीफ में लिखा- कांतारा देखने के बाद मेरे रोंगटे खड़े हो गए। ऐसी फिल्मों को 'होंबले फिल्म्स' ही बना सकता है। ऋषभ शेट्टी, एक राइटर, डायरेक्टर और एक्टर के रूप में आपके काम को सलाम करता हूं साथ ही फिल्म में काम करने वाली पूरी टीम को बधाई देता हूं। हालांकि रजनीकांत पहले शख्स नहीं हैं जिन्होंने फिल्म की तारीफ की है इससे पहले कंगना रनौत, राम गोपाल वर्मा, विवेक अग्निहोत्री और प्रभास जैसे सेलेब्स ने भी फिल्म की तारीफ में कसीदे पढ़े थे।

अब तक 211.5 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया

बता दें कि ये फिल्म 30 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। रिलीज के बाद से ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दिया है। ऋषभ शेट्टी स्टारर इस फिल्म ने अब तक 211.5 करोड़ की कमाई कर ली है और अभी भी इसकी कमाई लगातार जारी है। इसको पहले सिर्फ कन्नड़ भाषा में रिलीज किया था बाद में फिल्म के जबरदस्त प्रदर्शन को देखते हुए मेकर्स ने 14 अक्टूबर को हिंदी, तेलुगु और अन्य भाषाओं में भी फिल्म को रिलीज कर दिया। हिंदी भाषा में भी फिल्म ने अब तक 24 करोड़ रूपए कमा लिया है।

निष्पक्ष रूप से हो मामले की जांच : जैकलीन के वकील

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज लंबे समय से मनी लॉनड्रिंग के मामले में फंसी हुई हैं। 200 करोड़ के ठगी मामले में ईडी के द्वारा एक्ट्रेस को आरोपी बताया गया है। बीते दिनों मामले के मुख्य आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ने मंडोली जेल से अपने वकील को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में सुकेश ने जैकलीन को निर्दोष बताया है। सुकेश की इस चिट्ठी पर जैकलीन के वकील का बयान सामने आया है। वकील ने दावा किया कि एक्ट्रेस पूरी तरह से निर्दोष हैं और वो सही तरीके से कानूनी प्रक्रिया को फॉलो करते हुए इंसाफ के लिए लड़ती रहेंगीं।

वकील ने जैकलीन को बताया निर्दोष

जैकलीन के वकील प्रशांत पाटिल ने मीडिया से बातचीत के दौरान सुकेश के लेटर का जिक्र किया। उन्होंने कहा- 'अगर यह लेटर सुकेश चंद्रशेखर ने लिखा है, तो उनके द्वारा लगाए गए आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, निष्पक्ष रूप से ईडी द्वारा जांच की जानी चाहिए। नियम- कानून को ध्यान में रखते हुए सुकेश का बयान भी दर्ज किया जाना चाहिए, जिससे मामले की सच्चाई का पता चल सके।

निष्पक्ष रूप से हो मामले की जांच

मीडिया ने बातचीत में वकील ने आगे कहा- 'जैकलीन निर्दोष हैं। वो कानून के दायरे में रहते हुए अपनी गरिमा के लिए लड़ेंगी। किसी भी जांच को मोटिव होना चाहिए कि सच्चाई का पता लगाया जा सके। अगर मामले में आरोपी ने कोई तथ्य सामने रखे हैं, तो एजेंसियों द्वारा मामले की निष्पक्ष रूप से जांच होनी चाहिए।' आगे प्रशांत कहते हैं- 'मैं दोहराता हूं कि मेरी क्लाइंट निर्दोष हैं और वो सभी तरह के नियमों का पालन करते हुए अपने सम्मान के लिए लड़ेंगी।'

सुकेश ने जैकलीन के बचाव में लिखा था लेटर

दरअसल कुछ दिनों पर ठगी मामले के मुख्य आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ने जैकलीन का बचाव करते हुए एक लेटर लिखा था। वकील के जरिए मीडिया को जारी किए गए इस लेटर में लिखा था- 'यह बहुत दुख की बात है कि जैकलीन को मनी लॉनड्रिंग के मामले में आरोपी बनाया जा रहा है। हम रिलेशनशिप में थे। ऐसे में अगर मैंने उसे और उसकी फैमिली को गिफ्ट दिए, तो इसमें उसका क्या कसूर। उसने मुझसे प्यार करने और मेरे साथ के अलावा कुछ और नहीं मांगा।'

ईडी ने जैकलीन की जमानत याचिका का किया विरोध

दरअसल, 22 अक्टूबर को हुई सुनवाई में पटियाला कोर्ट ने जैकलीन की जमानत 10 नवंबर तक के लिए बढ़ा दी है। इस दौरान ईडी ने जैकलीन की जमानत याचिका का विरोध किया। एजेंसी ने दावा किया कि एक्ट्रेस ने जांच के दौरान कोई भी सहयोग नहीं किया और सबूतों के सामने आने पर ही खुलासा किया। ईडी ने जैकलीन पर यह भी आरोप लगाए कि वो अपनी पावर का इस्तेमाल करके देश से फरार होना चाहती थीं, लेकिन रिर्सट्रिक्शन की वजह से वो भारत में रह गईं।

मां नहीं बनना चाहती थीं पूजा बत्रा तो तोड़ी पहली शादी? बॉलीवुड से दूर रहकर भी ऐसे जी रही हैं आलीशान जिंदगी

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा बत्रा का जन्म 27 अक्टूबर 1976 को हुआ था। पूजा बत्रा ने अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ ही साथ अपनी खूबसूरती से फैन्स का दिल जीता है। पूजा अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रही हैं। पूजा को बतौर एक्ट्रेस तो खास पॉपुलैरिटी नहीं मिली लेकिन बतौर मॉडल उन्होंने खूब जलवा बिखेरा है। 46वें जन्मदिन के खास मौके पर आपको बताते हैं पूजा बत्रा से जुड़ी कुछ खास बातें....

2003 से 2012 तक चली पहली शादी

पूजा बत्रा ने फिल्म विरासत से बॉलीवुड डेब्यू किया था। पूजा ने सिर्फ हिंदी ही नहीं बल्कि हिंदी, तमिल, हॉलीवुड और तेलुगू सिनेमा में भी काम किया है। पूजा को बतौर एक्ट्रेस तो बड़ा फेम नहीं मिला है, लेकिन बतौर मॉडल उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। पूजा ने साल 2003 में अमेरिकी बिजनेसमैन सोनू अहलूवालिया से शादी की थी और उसके बाद अमेरिका में ही बस गई थीं। हालांकि दोनों की शादी लंबे वक्त तक नहीं चल पाई। साल 2012 में पूजा और सोनू का तलाक हो गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनू चाहते थे कि उनके घर में किलकारी गूंजे लेकिन पूजा ने करियर पर फोकस करना चाहा और ऐसे में कथित तौर पर इस वजह से दोनों का रिश्ता टूट गया।

नवाब शाह से रचाई दूसरी शादी

पूजा बत्रा ने दूसरी शादी नवाब शाह से की और दोनों ने साल 2019 में एक दूसरे को जीवनसाथी चुना। सोशल मीडिया पर पूजा बत्रा और नवाब शाह के फोटोज और वीडियोज खूब वायरल हुए थे। पूजा और नवाब के फोटोज वीडियोज को सोशल मीडिया यूजर्स ने खूब प्यार दिया था। पूजा और नवाब सोशल मीडिया पर अब एक्टिव रहते हैं और खूब फोटोज वीडियोज शेयर करते हैं, जिन्हें फैन्स पसंद करते हैं। पूजा के बोल्ड फोटोज अक्सर वायरल होते हैं।

बता दें कि पूजा अब बॉलीवुड की दुनिया में ज्यादा एक्टिव नहीं हैं और दूर ही रहती हैं, हालांकि इसके बावजूद वो लैविश और आलीशान जिंदगी जीती हैं। दरअसल पूजा की एड और ब्रांड एंडोर्समेंट से अच्छी कमाई होती है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पूजा प्रोडक्शन हाउस 'GlowBellinc' की मालकिन हैं, जो फिल्ममेकिंग में बॉलीवुड और हॉलीवुड के बीच पुल का काम करती है। यही नहीं कहा जाता है कि पूजा अमेरिका के रेडियो स्टेशन 'मेरा संगीत-LA' की प्रोड्यूसिंग पार्टनर हैं और मुंबई- लॉस एंजेलिस में पूजा के पास अपना घर है।

'झलक दिखला जा' से बाहर होने के बाद शिल्पा शिंदे ने लिया करण जौहर से पंगा, बोलीं 'ऑस्कर देने वाले हो'

डांसिंग शो झलक दिखला जा 10 इन दिनों जमकर टीआरपी बटोर रहा है और शो में आए कंटेस्टेंट्स लगातार अपने धमाकेदार डांस से हर किसी का दिल जीत लेते हैं. ऐसे में इस शो में शिल्पा शिंदे ने भी शिरकत की थी, लेकिन फिलहाल वो शो से बाहर हैं. ऐसे में अब शिल्पा शिंदे ने इंस्टाग्राम पर दो वीडियो शेयर किया है जिसमें वो झलक के जज के बारे में बता करते हुए नजर आ रही हैं. डांस शो से बाहर आने के बाद शिल्पा शिंदे का जजेज पर गुस्सा फूटा है. एक्ट्रेस ने खासतौर पर करण जौहर पर निशाना साधा है. क्या है जानें आखिर पूरी कहानी.

शिल्पा शिंदे ने बुधवार को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में शिल्पा शिंदे ने करण जौहर पर जमकर भड़ास निकाली है. वीडियो में शिल्पा ये कहते हुईं नजर आ रही हैं. मैंने निया शर्मा का लास्ट डांस परफॉर्मेंस देखा, उस पर करण जौहर ने कमेंट करके कहा कि आपको डांस नहीं दिखा, आपको सेलिब्रेटी कंटेस्टेंट भी चाहिए, 3 मिनट के एक्ट में आपको अलग चीज भी चाहिए, आपको क्या चाहिए. आप धर्मा प्रोडेक्शन की कोई फिल्म देने वाले हो, या फिर आप ऑस्कर और नेशनल अवॉर्ड देने वाले हो. उस 3 मिनट के एक्ट के लिए एक आर्टिस्ट क्या कर रहा है उसका अंदाजा आप नहीं लगा सकते हैं.

इस वीडियो में आगे बढ़ने पर आप देखेंगे कि शिल्पा शिंदे झलक दिखला जा शो में मौजूद कंटेस्टेंट के संघर्ष की कहानी सुनाती हुईं नजर आ रही हैं. शिल्पा शो के जजों पर निशाना साधते हुए ये कहती हुईं दिखाई दे रही हैं कि कुर्सी पर बैठकर कमेंट करना बेहद आसान होता है लेकिन ये कोई नहीं जानता कि एक कंटेस्टेंट अपने एक्ट के लिए कितनी मेहनत करता है. आप रुबीना का वीडियो निकाल कर देख सकते हैं कि उसके साथ कितना बड़ा हादसा हो सकता था उसका कोई भी नतीजा हो सकता था, क्या इसके जिम्मेदार जज होते. फिर बाद में कैंडिल लेकर रास्ते पर निकलने का कोई मतलब नहीं है. इसलिए अपनी बकवास सोच समझ के करें. एंटरटेनमेंट का शो है तो उसे उसी तरीके से लिया जाए.

तापसी पन्नू को फिर आया गुस्सा, बोलीं- ऐसा मत करो

ट्रोलर्स ने जया बच्चन से किया कंपेयर

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू को अक्सर पैपराजी पर भड़कते हुए देखा जाता है। अब हाल ही में उनका एक वीडियो सामने आया, जिसमें वो फिर पैपराजी को खरी खोटी सुनाती हुई नजर आ रही हैं। वहीं इस वीडियो को देखने के बाद यूजर्स को उनका ये बर्ताव पसंद नहीं आया और इस वजह से वो उन्हें जमकर ट्रोल करने लगे। कुछ ने तो उन्हें जया बच्चन तक से कंपेयर कर दिया।

इस वीडियो में जब तापसी अपनी कार का दरवाजा खोलती हैं और उसमें बैठने लगती हैं, तब पैपराजी कार का दरवाजा ब्लॉक कर देते हैं और उनकी फोटोज क्लिक करने लगते हैं। ये देखकर ता प सी भ ड़ क जाती हैं और गुस्से में पैपराजी से कहती हैं, 'ऐसा मत करो। ऐसा मत करो।'

अब इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स को तापसी का ये अंदाज पसंद नहीं आ रहा है। जहां एक ट्रोलर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'इनका दिमाग 24 घंटे खराब ही रहता है क्या?' वहीं दूसरे ने लिखा, 'दूसरी जया बच्चन बन रही है।' दरअसल जया भी अक्सर पैपराजी को फटकार लगाती रहती हैं।

तापसी की बात करें तो वो भी अक्सर पैपराजी से बहस करती हुई स्पॉट की जाती हैं। कुछ महीने पहले वो अपनी फिल्म 'दोबारा' को प्रमोट करने के लिए एक इवेंट में पहुंची थीं। यहां भी उनकी मीडिया और पैपराजी से बहस हो गई थी। दरअसल, तापसी जैसे ही इवेंट पर पहुंचीं, वैसे ही उनकी फोटोज क्लिक करने के लिए उन्हें पैप रोकने लगे पर वो रुकी नहीं। इसके बाद दोनों के बीच थोड़ी बहस हो हुई। इस पर तापसी ने पैपराजी से कहा था, 'आप तमीज से बात करिए। हां, हमेशा गलती तो एक्टर की होती है।'

तापसी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार अनुराग कश्यप की फिल्म 'दोबारा' में नजर आई थीं। उनकी अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो जल्द शाहरुख खान के साथ फिल्म 'डंकी' में दिखाई देंगी, जिसके डायरेक्टर राजकुमार हिरानी हैं। इसके अलावा उनके पास 'ब्लर' और 'वो लड़की है कहां' जैसी फिल्में भी हैं।

पति की सिगरेट छुड़ाने के लिए श्रीदेवी ने खतरे में डाली थी जान! जाहनवी कपूर ने खोला शॉकिंग सीक्रेट

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपनी मां श्रीदेवी और पिता बोनी कपूर से जुड़ी एक चौंकाने वाली बात का खुलासा किया है। बोनी कपूर ने अपने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि एक बार उनकी मां श्रीदेवी पूरी तरह से वेजिटेरियन बन गई थीं, बावजूद इसके कि डॉक्टरों ने उन्हें खासतौर पर नॉन वेज खाने की सलाह दी थी क्योंकि उनका शरीर बहुत कमजोर था। जाह्नवी कपूर ने यह भी बताया कि उनकी दिवंगत मां श्रीदेवी और बहन खुशी कपूर ने बोनी कपूर की सिगरेट छुड़ाने के लिए क्या-क्या किया।

सिगरेट छुड़ाने के लिए लगाए ऐसे तरीके

दिग्गज एक्ट्रेस श्रीदेवी और बोनी कपूर की शादी साल 1996 में हुई थी। जाह्नवी कपूर एक्ट्रेस श्रीदेवी और प्रोड्यूसर बोनी कपूर की बड़ी बेटी हैं। उनकी एक बेटी और हैं जिनका नाम खुशी कपूर है। खुशी जल्द ही सिनेमा जगत में अपना डेब्यू करेंगी। पिंकविला के साथ बातचीत में जाह्नवी कपूर ने बताया कि एक बार उनके पिता बोनी कपूर को सिगरेट की लत लग गई और वह इसे छोड़ नहीं पा रहे थे।

बोनी कपूर को लग गई थी सिगरेट की लत

जाह्नवी कपूर ने बताया, 'बहुत पहले की बात है, मुझे याद है कि हम जुहू वाले घर में रहा करते थे, पापा बहुत सिगरेट पीने लगे थे। मेरे ख्याल से यह 'नो एंट्री' और 'वांटेड' के टाइम की बात है। मैं और खुशी हर रोज पापा की सिगरेट्स बर्बाद करने की तरीके खोजते थे। तो या तो हम जाकर उनकी सिगरेट्स काट डालते थे या फिर उन पर टूथपेस्ट डाल देते थे। कुछ भी काम नहीं कर रहा था, तब मां भी उनसे इस चीज के लिए लड़ा करती थीं।'

श्रीदेवी चली गईं लेकिन नहीं छोड़ पाए सिगरेट

जाह्नवी कपूर ने बताया, 'तब मां वेजिटेरियन बन गईं। मैं नॉन-वेज नहीं खाऊंगी जब तक आप सिगरेट नहीं छोड़ेंगे। तब डॉक्टरों ने कहा कि ऐसा मत कीजिए आप बहुत कमजोर हैं।

आपको ज्यादा खाने की जरूरत है, पर मां अपनी बात पर अड़ गईं। तब पापा उनके सामने गिड़गिड़ाया करते थे। फिर 4-5 साल पहले पापा ने कहा कि वह चाहती थी मैं सिगरेट छोड़ दूं। तब मैं नहीं छोड़ पाया। लेकिन अब छोड़ रहा हूं।'

अगले साल शुरू होगी फिल्म के तीसरे पार्ट की शूटिंग, 3D में बनेगी फिल्म : कार्तिकेय 2 के एक्टर निखिल सिद्धार्थ

द कश्मीर फाइल्स के बाद 'कार्तिकेय2' ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा कलेक्शन किया है। फिल्म ने ओटीटी पर भी इतिहास रच दिया है। निखिल कहते है कि हम तो लगे हुए हैं कंटेंट बनाने में। उसके मुताबिक ही बजट फाइनल होगा। जैसे 'कार्तिकेय 2' के लिए लगा कि 15 से 20 करोड़ का बजट काफी होगा। हम रियल लोकेशन पर गए। युवा लोगों की टीम थी वीएफएक्स पर। पहली वाली महज 5 करोड़ में बनी थी। कह तो नहीं सकते। वह तो कहानी के हिसाब से तय होगा। हमारे पास एक कहानी मिली है। इस फ्रेंचाइजी की खास बात है कि यह इंडियन कल्चर के बारे में बात करता है। यह मायथोलॉजी नहीं है। ऐसा हुआ था अतीत में। युवाओं को लगता है कि इंडिया तो 1946 में फॉर्म हुआ। ऐसा नहीं है। हम यूरोप से लेकर इंडोनेशिया तक फैले हुए अखंड भारत के कॉन्सेप्ट में यकीन रखते हैं। तीसरे पार्ट में हम इंडिया की और बड़े रहस्य का खुलासा करने वाले हैं। फिल्म का तीसरा पार्ट 3डी में और साल 2024 में इसे रिलीज करेंगे।

जरूर करूंगा, बशर्ते वह मीनिंगफुल सिनेमा हो। यह नहीं है कि मैं तो हीरो ही हूं तो वो ही करूंगा। मैं तो अब सुपरस्टार हो चुका हूं। अनुपम खेर साहब से मैंने सीखा है कि गुड सिनेमा का पार्ट होना कितना जरूरी हैं । 'ऐ वेडनसडे' हो या 'कश्मीर फाइल्स', उनका काम कमाल का रहा। मैं हैदराबाद से दिल्ली आ रहा था तो एक बहुत बड़े प्रोड्यूसर से मिला था। उन्होंने कहा कि मैं ऑफिस में आकर मिलूं । ऐसे कॉल बहुत आ रहें हैं। अभी नाम नहीं ले सकता हूं, मगर आजकल ये बॉलीवुड, हॉलीवुड, टॉलीवुड सारे प्रोड्यूसर एक ही हो चुके हैं। अब सिनेमा हो गया है इंडियन सिनेमा। अब क्रिकेट के बाद सिनेमा भी देश को जोड़ने का काम कर रहा है।

चित्रगुप्त बनकर जिंदगी की सीख दे गए अजय देवगन, रकुल और सिद्धार्थ ने जीता दिल

फिल्म रिव्यू :थैंक गॉड
प्रमुख स्टार कास्टः अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह
निर्देशकः इंद्र कुमार

क्या है कहानी

फिल्म की कहानी एक लाइन में अयान कपूर (सिद्धार्थ मल्होत्रा) की है, जिसकी मौत हो गई है और वो स्वर्ग में है। धरती पर उसका ऑपरेशन चल रहा है जबकि स्वर्ग में चित्रगुप्त (अजय देवगन), यमदूत के साथ मिलकर एक गेम खेल रहे हैं। इस गेम में अयान के सामने कुछ हालात आते हैं, जिनको पास करने पर उनके कर्मों की मटकी में ब्लैक और सफेद गेंद बढ़ती है। अगर काली गेंदों से मटका भर गया तो मौत, और सफेद से भरा तो जिंदगी। चित्रगुप्त करीब करीब उन सभी पैमानों पर आर्यन को मापते हैं, जिससे कोई भी अच्छा या बुरा इंसान बनता है। अयान की पत्नी के किरदार में रकुल प्रीत सिंह हैं। स्वर्ग से अयान को वापस जिंदगी मिलती है या फिर मौत, इसके लिए आपको फिल्म देखनी पड़ेगी।

क्या है खास

फिल्म की सबसे खास बात है इसको जिस तरह से दिखाया गया है। फिल्म शुरुआती एक मिनट से ही हंसाना शुरू कर देती है और इसके बाद हंसी के साथ ही साथ मैसेज देना भी शुरू करती है। फिल्म में ऐसे कई छोटे छोटे मूमेंट्स हैं, जिसे आप अपनी रियल लाइफ से कनेक्ट कर पाएंगे और आप सोचने पर मजूबर हो जाएंगे कि कितनी ही बार आप जाने-अनजाने ऐसे काम कर जाते हैं, जो शायद गलत होता है। परिवार की वैल्यू, अच्छे और नेक काम करने की अहमियत जैसे कई अहम मुद्दों पर फिल्म फोकस करती है। गुस्सा, लालच, ईर्ष्या, भ्रम और वासना... इसके बीच में कैसे इंसान फंस गया है, फिल्म देखने के बाद आप इसे समझ पाएंगे।

कैसे छोटी छोटी चीजों की वजह से हम अपनी जिंदगी की बड़ी खुशियों को दरकिनार कर रहे हैं, फिल्म इस पर फोकस करती है। फिल्म कहानी के तौर पर काफी कसी है और एक भी डायलॉग और सीन बेवजह नहीं है। कुछ सीन्स ऐसे हैं, जो आपको देखते वक्त शायद बेवजह लगे लेकिन आखिर में उसका कंक्लूजन निकलता है। फिल्म में अजय देवगन ने बेहतरीन काम किया है और एक्ट के साथ ही उनकी आवाज का जादू भी बतौर दर्शक आपको देखने को मिलता है। रकुल ने भी अपने किरदार के साथ इंसाफ किया है।

कहां खाई मात और क्या फिल्म पर बढ़ेगा विवाद?

फिल्म में दर्शकों के लिए वो सभी एलिमेंट्स हैं, जो इसे एक फैमिली एंटरटेनर बनाती है। हालांकि इस बात से भी सभी वाकिफ है कि फिल्म को लेकर बीते कुछ वक्त से फिल्म को लेकर विवाद जारी है। दरअसल फिल्म में जिस अंदाज-लुक्स में चित्रगुप्त बने अजय देवगन को दिखाया है, उससे कुछ लोगों को आपत्ति है और कहा जा रहा है कि ये हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाया जा रहा है। वहीं फिल्म की रिलीज के बाद ये विवाद बढ़ सकता है क्योंकि फिल्म में कुछ सीन्स ऐसे है, जिससे शायद कुछ खास लोगों को आपत्ति हो। हालांकि आखिर में मैसेज ये भी मिलता है कि बात किसी खास धर्म या वर्ग की नहीं बल्कि इंसानियत की है। इंसानियत से बड़ा कोई धर्म और कर्म नहीं होता है। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा, ऑन-ऑफ होते दिखते हैं। फिल्म के कुछ सीन्स में जहां सिद्धार्थ ने बेहतरीन एक्टिंग की है तो वहीं कुछ हिस्सों में वो काफी हल्के साबित होते हैं।

देखें या नहीं

साल 2022 की बेहतरीन और मस्ट वॉच फिल्मों में से एक फिल्म थैंक गॉड भी है। इस फिल्म को न सिर्फ आप देखें, बल्कि अपने परिवार और बच्चों के साथ जरूर देखें। फिल्म में चित्रगुप्त बने अजय देवगन जिंदगी का अहम सबक दे जाते हैं और समझाइश देते हैं कि हर पल और हर अच्छे काम की अहमियत होती है। आपके बुरे काम कोई देखे या न देखे लेकिन उसका लेखा जोखा हो रहा है।

नहीं रहे डायरेक्टर इस्माइल श्रॉफ 62 साल की उम्र में हुआ निधन

दिग्गज डायरेक्टर इस्माइल श्रॉफ का 62 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने बुधवार की रात यानी 26 अक्टूबर को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस्माइल लंबे समय से बीमार चल रहे थे। इस्माइल के यू चले जाने से इंडस्ट्री में शोक की लहर गूंज उठी है।

ऊपर वाला उनको जन्नत नसीब करे

गोविंदा ने इस्माइल श्रॉफ की फिल्म 'लव 86' से डेब्यू किया था। उनके निधन पर गोविंदा ने ई टाइम्स से बात करते हुए कहा, 'मैं इस खबर से बहुत उदास हूं। मेरे करियर की शुरुआत उन्हीं के साथ हुई थी। ऊपर वाला उनको जन्नत नसीब करे।'

मुझे गोविंदा बनाने में उनका बहुत बड़ा रोल है

गोविंदा ने आगे कहा, 'उन्होंने मुझे सिर्फ काम ही नहीं दिया था। बल्कि उन्होंने मुझ पर भरोसा भी किया था। वो मेरी जिंदगी के पहले ऐसे इंसान थे, जिन्होंने कहा था कि गोविंदा को सिनेमा की समझ है। मुझे गोविंदा बनाने में उनका बहुत बड़ा रोल है।'

उनका यूं चला जाना हम सभी के लिए बहुत बड़ा नुकसान है

वहीं एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरे ने दुख जताते हुए कहा, 'मैंने उनके साथ 'थोडिसी बेवफाई' और 'अहिस्ता अहिस्ता' में काम किया है। 'अहिस्ता अहिस्ता' मेरे दिल के बहुत करीब है। वो काम को लेकर बेशक सख्त रहते थे, लेकिन उनका चेहरा हमेशा मुस्कुराता हुआ रहता था। वो जो चाहते थे, उसे हर हाल में पूरा करते थे। बतौर एक्टर-डायरेक्टर हमारी काफी अच्छी बनती थी। वो बेहद सेंसेटिव डायरेक्टर थे। ये हम सभी के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। वो इंडस्ट्री में अपनी छाप छोड़ कर गए हैं।'

इस्माइल ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया

इस्माइल का असली नाम एस.वी. इस्माइल था, लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें इस्माइल श्रॉफ के नाम से जाना जाता था। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्मों को डायरेक्ट किया है। उनकी सुपरहिट फिल्मों में 'अहिस्ता अहिस्ता', 'बुलंदी', 'थोड़ी सी बेवफाई', 'सूर्या', आदि जैसी कई फिल्में शामिल हैं। उन्होंने राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, राज कुमार, गोविंदा, शबाना आजमी और पद्मिनी कोल्हापुरे जैसे एक्टर्स के साथ काम किया है।

राधिका आप्टे का खुलासा, बोलीं- बदलापुर के बाद मिलने लगी 'एडल्ट कॉमेडी फिल्में'

राधिका आप्टे अपनी अदायगी से किरदार में जान फूंक देती हैं. एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने सेक्स कॉमेडी के बारे में खुलासा किया. राधिका ने बताया कि उन्होंने बदलापुर में विनय पाठक की पत्नी की भूमिका निभाई थी. फिल्म बदलापुर के रिलीज होने के बाद लगातार उन्हें सेक्स कॉमेडी फिल्मों के ऑफर मिलने लगे. इसकी वजह बनी फिल्म का एक सीन जहां अपने पति को बचाने के लिए राधिका को वरूण के साथ एक कमरे में अकेले जाना पड़ता है. राधिका ने कहा, मुझे सेक्स कॉमेडी से कोई दिक्कत नहीं है. हंटर (2015) को एक सेक्स कॉमेडी भी कहा जा सकता है. कई बार इस तरह की कॉमेडी महिलाओं के लिए अपमानजनक हो सकती है इस पर किसी को आपत्ति हो सकती है. इसलिए मैं कॉमेडी पसंद नहीं करती.

उन्होंने आगे कहा, "अगर आप स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, तो आप जानते हैं कि फिल्म किस बारे में बात कर रही है. और किस तरह के चुटकुले बनाए जाते हैं. मुझे ऐसी फिल्म से कोई ऐतराज नहीं है जहां एक उग्रवादी पुरुष महिलाओं के बारे में मजाक करता है. लेकिन दिखाना कुछ और होता है और दिखाया कुछ और जाता है तब दिक्कत होती है.

वर्क फ्रंट की बात करें तो राधिका को आखिरी बार विक्रम वेधा में देखा गया था. जिसमें ऋतिक रोशन और सैफ अली खान थे. फिल्म में उन्होंने सैफ की पत्नी और पेशे से वकील की भूमिका निभाई थी. अगली बार वे नेटफ्लिक्स की फिल्म मोनिका, ओ माय डार्लिंग में दिखाई देंगी.

फिल्म प्रॉड्यूसर ने पत्नी को कार से कुचला, दूसरी महिला संग रंगे हाथ पकड़े गए तो चढ़ाई गाड़ी

खली बली', 'देहाती डिस्को', जैसी फिल्मों के प्रोड्यूसर कमल किशोर मिश्रा को लेकर एक चौंकाने वाले खबर सामने आ रही है. दरअसल कमल किशोर मिश्रा की पत्नी यास्मीन ने उन पर बेहद गंभीर आरोल लगाए हैं और साथ ही उनके खिलाफ एफआईआर तक दर्ज कर दी है. प्रोड्यूसर की पत्नी का आरोप है कि उनके पति कमल किशोर ने उनके ऊपर गाड़ी चढ़ा दी थी और जख्मी कर दिया था. इतना ही नहीं उन्होंने

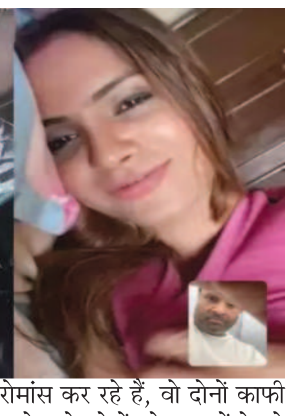

दूसरी मॉडल के साथ रिश्ते बनाने का आरोप भी लगाया है. अंबोली पुलिस ने कमल किशोर मिश्रा के खिलाफ आईपीसी की धारा 279 और 338 के तहत मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

दूसरी महिला के साथ कर रहे थे रोमांस

कमल किशोर मिश्रा की पत्नी यास्मीन ने उन पर आरोप लगाते हुए कहा, '19 अक्टूबर को जब मैं जब घर पहुंची तो वह (पति) अपनी गाड़ी में बैठकर मॉडल आयशा सुप्रिया मेमन के साथ रोमांस कर रहे हैं, वो दोनों काफी क्लोज थे. दोनों को साथ में देखते ही मैंने गाड़ी का शीशा खटखटाया और शीशा नीचे करने को कहा कि मुझे कुछ बात करनी है, लेकिन कमल किशोर मिश्रा ने मेरी एक नहीं सुनी और गाड़ी मोड़ कर भागने लगे.'

गाड़ी को रोकने की कोशिश की तो मुझपर गाड़ी चढ़ा दी

यास्मीन ने आगे कहा, 'मैंने गाड़ी को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने मुझपर गाड़ी चढ़ा दी. इस घटना की वजह से मेरे सिर में काफी चोट आई है. कमल किशोर मिश्रा ने थोड़ी सी भी इंसानियत नहीं दिखाई और गाड़ी से उतर कर देखा तक नहीं कि मैं जिंदा हूं या मर गई. हमारा 9 साल का रिश्ता है, लेकिन उस इंसान ने 9 सेकंड भी मेरे बारे में नहीं सोचा. कमल किशोर मिश्रा नई-नई लड़कियों को अपनी मोहब्बत के जाल में फंसाते हैं, उन्हें अपनी दौलत के बारे के बताते हैं. मेरे पास सबूत है कि उन्होंने आयशा सुप्रिया नाम की लड़की से 6 मार्च को चारदीवारी के अंदर शादी भी की थी'.अंबोली पुलिस में मिश्रा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें 279 (रैश ड्राइविंग) और 337 (किसी के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) शामिल है. कमल किशोर मिश्रा का अभी तक इस केस पर और पत्नी के आरोपों पर कोई बयान सामने नहीं आया है. कमल किशोर मिश्रा इंडस्ट्री के जाने माने प्रोड्यूसर हैं.

आखिर तक बांधे रखती है 'राम सेतु', अक्षय-जैकलीन की फिल्म में सत्य देव ने मारी बाजी

फिल्म रिव्यू : राम सेतु

प्रमुख स्टारकास्टः अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस, नुसरत भरूचा, सत्यदेव और नस्सार
निर्देशकः अभिषेक शर्मा
रन टाइमः 144 मिनट

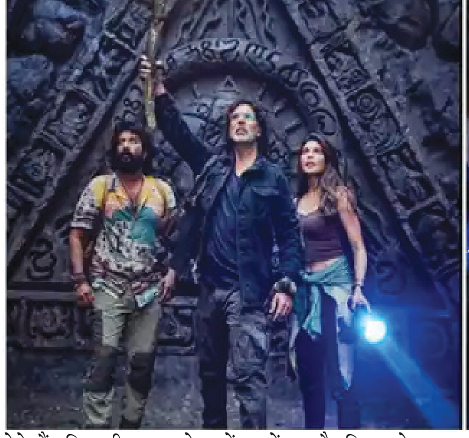

क्या है फिल्म राम सेतु की कहानी?

फिल्म 'राम सेतु' की कहानी को आसान भाषा में बयां किया जाए तो इस पर है कि क्या तमिलनाडु और श्रीलंका के बीच बने हुए राम सेतु को प्रभु श्रीराम ने बनाया या फिर ये प्रकृति का कोई करिश्मा है। फिल्म में आर्यन कुलश्रेष्ठ के किरदार में अक्षय कुमार हैं, जबकि आर्यन की पत्नी गायत्री के किरदार में नुसरत भरूचा हैं। वहीं जैकलीन फर्नांडिस इनवॉरनेमेंटल साइंटिस्ट के किरदार में हैं। फिल्म की शुरुआत में पहले आर्यन के किरदार को जानकार और उम्दा दिखाने के लिए अफगानिस्तान से शुरुआत होती है, जहां अक्षय, भगवान बुद्ध की मूर्ति के अवशेष के साथ ही कुछ ऐतिहासिक रत्न भी ढूंढ देते हैं।

शुरुआती सीन में पाकिस्तान को लेकर कुछ सरकास्टिक कमेंट्स और भारत का स्वैग भी अक्षय कुमार दिखाते हैं। कहानी आगे बढ़ती है और मूल रूप में आती है कि एक सेतु समुद्रम प्रोजेक्ट को लेकर दो पक्ष हैं। कुछ लोग तरक्की के नाम पर इसे तोड़ना चाहते हैं, जबकि कुछ की इससे धार्मिक भावनाएं जुड़ी होती हैं। फिल्म में अक्षय को नास्तिक दिखाया गया है, हालांकि वो फैक्ट्स से छेड़छाड़ नहीं करते हैं।

ऐसे में वो अपनी रिपोर्ट कोर्ट में सब्मिट करते हैं, जहां वो रामायण को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी कर देते हैं। जिसकी वजह से उन्हें सस्पेंड कर दिया जाता है और साथ ही साथ उनके चेहरे पर कालिख पोतना, बच्चे को परेशान करना जैसी घटनाएं भी होती है। इसके बाद पुष्पक शिपिंग के इंद्रकांत (नस्सार) की ओर से अक्षय को कहा जाता है कि वो सच्चाई का पता लगाएं कि क्या राम सेतु मैन मेड है, या फिर प्रकृति ने उसे बनाया है।

अब राम सेतु, प्रभु श्रीराम ने बनाया होता है या फिर वो प्रकृति की देन है, इस पर कहानी आगे बढ़ती है। अक्षय को उनके इस सफर में एपी(सत्य देव) का साथ मिलता है और फिल्म में क्या कुछ होता है, ये जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी।

फिल्म राम सेतु में क्या है खास?

फिल्म को जो बात सबसे खास बनाती है वो है इसका बैकग्राउंड म्यूजिक। फिल्म का बीजी अच्छा है और सीन्स से दर्शकों को बांधे रखने में मदद करता है। वहीं बैकग्राउंड म्यूजिक के बाद फिल्म की कहानी भी अच्छी है, जो आखिर तक बांधे रखती है। फिल्म के कुछ लोकेशन्स भी काफी अच्छे हैं, जो विजुएल ट्रीट देते हैं। फिल्म को धार्मिक आस्था के साथ जोड़कर दिखाया गया है, जिससे बतौर दर्शक आप इससे कनेक्ट रहते हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी भी अच्छी है।

कहां मात खाती है रामसेतु?

फिल्म एक ओर जहां कुछ पॉइंट्स पर खास है, तो कई जगह मात भी खाती है। फिल्म में वैसे तो वीएफएक्स कम हैं, लेकिन जो भी हैं वो जंचते नहीं हैं। फिल्म के वीएफएक्स के अलावा फिल्म की एडिटिंग भी खास नहीं है। फिल्म को एडिटिंग टेबल पर वक्त दिया जाता तो फिल्म और भी बेहतर हो सकती थी। फिल्म एक ओर जहां कागज पर अच्छी उतारी गई है तो वहीं तकनीकी तौर पर तंग साबित होती है।

कैसी है एक्टिंग और निर्देशन?

फिल्म में अक्षय कुमार का लुक उनके किरदार के साथ जंच रहा है। वहीं फिल्म में उनका काम भी अच्छा है और बीती कुछ बैक टू ब्लैक फ्लॉप देने के बाद ये फिल्म उनके लिए काफी अहम है। फिल्म में नुसरत का किरदार काफी कम है और वो उसके साथ इंसाफ करती दिखती हैं। जैकलीन का हिंदी में हाथ तंग है और ऐसे में उनके अधिकतर डायलॉग्स भी इंग्लिश के ही हैं। इस पूरी फिल्म में जिस एक्टर का काम सबसे बेहतरीन है, वो सत्यराज हैं। सत्यराज एपी के किरदार में हैं और बेहतरीन परफॉर्मेंस दिया है। सत्य देव ने उम्दा कॉमेडी और सपोर्ट दिया है। वहीं जैकलीन का उनके लिए थोड़ा-थोड़ा प्यार भी क्यूटनेस दिखाता है। फिल्म का निर्देशन और बेहतर हो सकता था।

फिल्म 'राम सेतु' देखें या नहीं?

इस फिल्म को परिवार के साथ देखा जा सकता है, फिल्म में कई ऐसी बातें हैं, जो आपको पसंद आएंगी। फिल्म में कई ऐसी ट्विस्ट एंड टर्न्स हैं, जो बतौर दर्शक आपको पसंद आएगी। फिल्म में हिंदु धर्म के इतिहास को साइंस से जोड़कर दिखाया गया है। सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि अन्य देशों से भी राम सेतु और प्रभु श्रीराम को जोड़ा गया है।

जान्हवी कपूर ने विजय देवरकोंडा को प्रैक्टिकली बताया शादीशुदा, क्या रश्मिका मंदाना की तरफ है इशारा!

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर बहुत ही जल्द अपनी फिल्म मिली लेकर आ रही हैं और इस समय अपनी फिल्म मिली की प्रमोशन के लिए काफी बिजी है. इस दौरान वो जमकर इंटरव्यू दे रही हैं. हाल ही में उन्होंने अपने पिता बोनी कपूर और श्रीदेवी को लेकर कई राज खोले थे और अब एक्ट्रेस ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने स्वयंवर को लेकर बाते की हैं. दरअसल इंटरव्यू के दौरान जाह्नवी को अपने स्वयंवर के लिए तीन एक्टर को चुनने के लिए कहा गया था, जिसके बाद जाह्नवी ने कहा कि वह फिलहाल किसी को डेट नहीं कर रही हैं. हाल ही में उन्हें शिखर पहाड़िया के साथ देखा गया था जिन्हे जाह्नवी का एक्स भी माना जाता है.

'स्वयंवर' के लिए राजी जाह्नवी

बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में, जब जाह्नवी को अपने 'स्वयंवर' के लिए तीन एक्टर्स को चुनने के लिए कहा गया, 'धड़क' अभिनेत्री ने 'ऋतिक, रणबीर और टाइगर' को चुना, लेकिन जल्द ही उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर शादीशुदा हैं तो उन्हें इस लिस्ट में नहीं होना चाहिए. एक्टर्स के बारे में सोचते हुए जाह्नवी ने कहा, 'यार सबकी तो शादी ही हो गई है'.

जाह्नवी ने विजय को 'चीज' बताया था

इसके बाद जब स्वयंवर में शामिल करने के लिए जाह्नवी से विजय देवरकोंडा के बारे में पूछा गया तो, जान्हवी ने कहा, 'उन्हें भी शादीशुदा ही समझना चाहिए, प्रैक्टिकली वो शादिशुदा ही हैं.' सारा अली खान के साथ कॉफ़ी विद करण में जाह्नवी ने विजय को 'चीज' बताया था. गौरतलब है कि खबरें हैं कि विजय देवरकोंडा इन दिनों रश्मिका मंदाना को डेट कर रहे हैं. दोनों को कई बार साथ देखा गया है. दोनों हाल ही में एयरपोर्ट पर देखें गए थे, कहा जा रहा है कि दोनों मालदीव में वेकेशन साथ मना रहे हैं.

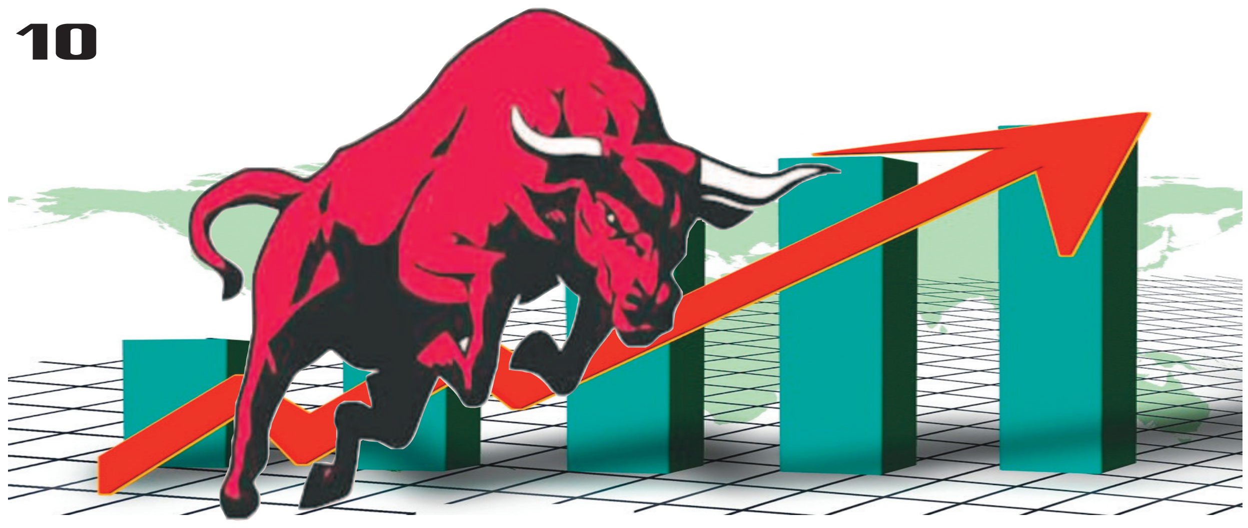

एक हफ्ते में 30 फीसद से अधिक टूट गया यह शेयर

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले एक हफ्ते में डेल्हीवरी लिमिटेड के शेयर करीब 31 फीसद टूट गए। एक हफ्ते पहले 555.60 रुपये पर ट्रेड करने वाला यह स्टॉक 383.40 रुपये पर आ गया है। इस स्टॉक को लेकर एक्सपर्ट्स की राय भी बंटी हुई है। एक हफ्ते में ही निवेशकों का एक लाख रुपये का निवेश घटकर 69000 हो गया है। बता दें 24 मई को शेयर बाजार में डेल्हीवरी लिमिटेड लिस्ट हुआ था। शुरू में इसका शेयर रॉकेट की तरह भागा। इसका ऑल टाइम हाई 708 रुपये है और इसका न्यूनतम रेट 376.95 रुपये है। पिछले 3 महीनों में इस स्टॉक ने 42 फीसद से अधिक निगेटिव रिटर्न दिया है। अगर एक महीने के इसे प्रदर्शन की बात करें तो यह 34 फीसद से अधिक नुकसान पहुंचा चुका है।

अगर इस शेयर के बारे में एकस्पर्ट्स की सलाह की बात करें तो 13 में 4 ने बेचने 3 ने होल्ड करने की सलाह दी है। इनके अलावा चार विष्लेषकों ने तुरंत खरीदारी और 2 ने खरीदारी की सलाह दी है। आईपीओ के तहत 4,000 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए गए थे और कंपनी के मौजूदा शेयरधारक 1,235 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लेकर आए थे। बता दें कि डेल्हीवरी एक्सप्रेस पार्सल डिलीवरी, भारी माल की डिलीवरी और वेयरहाउसिंग सहित रसद सेवाओं की एक पूरी चेन प्रोवइड करती है।

इन 10 आतंकवादियों के नाम रट लीजिए

भारतीय रिजर्व बैंक ने जानकारी मांगी है

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ने हिज्बुल मुजाहिदीन, लश्कर ए तैयबा और अन्य प्रतिबंधित संगठनों के कुल 10 सदस्यों के बारे में जानकारी मांगी है। इम्तियाज अहमद कंडू, शौकत अहमद शेख, बासित अहमद रेशी... ये उन लोगों में से हैं जिन्हें भारतीय रिजर्व बैंक ने 'आतंकवादी' घोषित किया है। अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत, भारतीय रिजर्व बैंक ने इन 'आतंकियों' से जुड़ी कोई भी जानकारी मांगी है। इनके नाम यूएपीए की चौथे शेड्यूल में भी लिस्ट किए गए हैं। इन लोगों में पाकिस्तानी नागरिक हबीबुल्लाह मलिक उर्फ साजिद जट, फिलहाल पाकिस्तान में रह रहा जम्मू कश्मीर के बारामूला का बासित अहमद रेशी, पाकिस्तान में रह रहा जम्मू कश्मीर के सोपोर का इम्तियाज अहमद कांडू उर्फ सजाद, पाकिस्तान में रह रहा जम्मू कश्मीर के पुंछ का जफर इकबाल उर्फ सलीम तथा

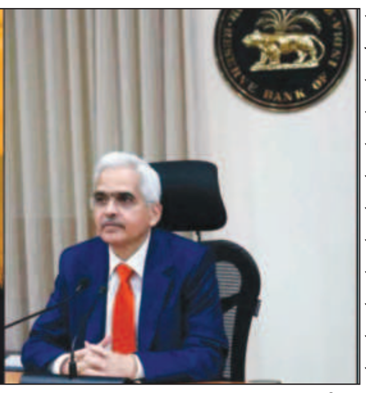

पुलवामा का शेख जमील उर रहमान उर्फ शेख साहब शामिल हैं। अन्य लोगों में पाकिस्तान में रह रहा श्रीनगर का बिलाल अहमद बेग उर्फ बाबर, पुंछ का रफीक नाई उर्फ सुल्तान, डोडा का इरशाद अहमद उर्फ इदरीश, कुपवाड़ा का बशीर अहमद पीर उर्फ इम्तियाज और पाकिस्तान में रह रहा बारामूला का शौकत अहमद शेख उर्फ शौकत मोची शामिल हैं। इन 10 'आतंकियों' के नाम जुड़ने के बाद सूची में कुल 48 नाम हो गए हैं। गृह मंत्रालय ने 4 अक्टूबर के नोटिफिकेशन में इन 10 को आतंकवादी घोषित किया था। एमएचए के अनुसार, ये सभी जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन, लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े हुए हैं।

लश्कर के आतंकी को ग्लोबल टेररिस्ट घोषित करने में चीन का अड़ंगा

चीन ने पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी शाहिद महमूद को ग्लोबल टेररिस्ट की लिस्ट में डालने में अड़ंगा डाल दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत और अमेरिका की ओर से पिछले हफ्ते यह प्रस्ताव पेश किया गया था। चार महीने में यह चौथी बार है, जब चीन ने किसी पाकिस्तानी आतंकी को प्रतिबंधित सूची में डालने की कोशिश में रुकावट खड़ी की हैं। शाहिद कराची का रहने वाला है। उस पर आतंकी संगठन के लिए फंड जुटाने का आरोप है।

एलन मस्क अपने हाथों में बाथरूम सिंक लेकर ट्वीटर हेडक्वार्टर पहुंच गए

कल पूरा होना है अधिग्रहण सौदा

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक बार फिर से दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क और उनकी ट्विटर डील सुर्खियों में है। एलन मस्क को हर हाल में कल यानी शुक्रवार 28 अक्टूबर तक ट्विटर अधिग्रहण सौदा को पूरा करना है। इस बीच, मस्क अपने हाथों में बाथरूम सिंक लेकर फ्रांसिस्को स्थित ट्विटर इंक के हेडक्वाटर पहुंच गए। एलन मस्क ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके हाथों में सिंक नजर आ रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर

वायरल हो रहा है। वहीं, दूसरी तरफ एलन मस्क ने अपने ट्विटर प्रोफाइल का बॉयो बदल दिया है। वहां उन्होंने चीफ ट्वीट लिखा है। बता दें कि इससे साफ है कि मस्क ट्विटर को खरीद रहे हैं। बता दें कि मस्क 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर डील को क्लोज करने का वादा किया है। ब्लूमबर्ग न्यूज ने मंगलवार को बताया कि एलन मस्क ने बैंकरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस कॉल में शुक्रवार तक अपने 44 बिलियन डॉलर के ट्विटर अधिग्रहण को बंद करने का वादा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, मस्क को फंड ट्रांसफर करने के अंतिम चरण में बैंकों ने अंतिम क्रेडिट समझौते को पूरा कर लिया है और डाक्युमेंट्स साइन करने की प्रक्रिया चल रही हैं।

डॉलर के मुकाबले 67 पैसे मजबूत हुआ रुपया, 82.14 के लेवल पर पहुंचा

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। डॉलर के मुकाबले रुपया गुरुवार को 67 पैसे मजबूत होकर 82.14 के लेवल पर पहुंच गया है। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.15 के स्तर पर खुला। रुपये में पिछले क्लोज के मुकाबले 67 पैसे की मजबूती दिखी। इससे पहले मंगलवार को रुपया सात पैसे की मजबूती के साथ 82.81 अंकों पर बंद हुआ था। बुधवार को फॉरेक्स मार्केट दिवाली बलिप्रतिपदा के उपलक्ष्य पर बंद था। फिनलेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स के अनिल कुमार भंसाली के अनुसार डॉलर के कमजोर होकर 110 के लेवल के पार जाने के कारण रुपये को मजबूती मिली। डॉलर में आई इस गिरावट का कारण अमेरिका में नवंबर महीने में ऊंची महंगाई दरों के बावजूद ब्याज दरों में हुई मामूली वृद्धि है। हालांकि डॉलर इंडेक्स छह करेंसीज के बास्केट में 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ 109.76 के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 94 डॉलर प्रति बैरल हो जाने से रुपये में बढ़ोतरी पर रोक लग सकती है, क्योंकि तेल देश के लिए एक प्रमुख आयातित वस्तु है।

भंसाली ने कहा कि तेल कंपनियां और आयातक इस मौके का इस्तेमाल सस्ती दर पर डॉलर खरीदने में करेंगे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.26 प्रतिशत बढ़कर 95.94 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

मेटल और रियल्टी शेयरों में शानदार तेजी:सेंसेक्स 212 अंक बढ़कर 59,756 पर बंद हुआ

टाटा स्टील 3% चढ़ा; ग्लैंड फार्मा 15% टूटा

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से मिले पॉजिटिव संकेतों से आज गुरुवार को घरेलू बाजार में तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 212.88 अंक या 0.36% बढ़कर 59,756.84 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 80.60 अंक या 0.46%% की तेजी देखने को मिली। ये 17,736.95 पर बंद हुआ। BSE पर आज 3549 शेयरों में कारोबार हुआ, जिसमें से 1837 शेयर हरे तो 1585 शेयर लाल निशान में रहे। 127 शेयर बिना बदलाव के बंद हुए।

टाटा स्टील, पावर ग्रिड सबसे ज्यादा चढ़े

टाटा स्टील (+3.02%), पावर ग्रिड (+2.47%), सनफार्मा (+2.03%), भारती एयरटेल (+2.03%) और टाइटन (+1.45%) सेंसेक्स पर टॉप गेनर्स रहे। वहीं बजाज फाइनेंस (-1.92%), बजाज फिनसर्व

(-1.68%), एशियन पेंट (-1.32%), टेक महिंद्रा (0.68%) और नेस्ले इंडिया (-0.60%) में गिरावट रही। 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 20 में बढ़त और 10 में गिरावट रही।

मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी चढ़े

बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 110.85 अंक या 0.44% की तेजी के साथ 25,151.71 पर पहुंच गया। स्मॉलकैप इंडेक्स 118.18 अंक या 0.41% बढ़कर 28,866.12 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो 2.96% की तेजी निफ्टी रियल्टी में दिखी। मेटल 2.71% की तेजी के साथ बंद हुआ। बैंक और एफएमसीजी करीब आधा फीसदी चढ़े। ऑटो में 0.21% की तेजी रही। आईटी में 0.52% की गिरावट दिखी।

ग्लैंड फार्मा के शेयर 15% टूटे

ग्लैंड फार्मा के शेयरों में लगभग 15% की गिरावट आई। बुधवार को कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए थे। ग्लैंड फार्मा के मुनाफे में एक साल पहले की तुलना में 20% से ज्यादा की गिरावट आई है। कम बिक्री और अधिक खर्च के कारण कंपनी का मुनाफा गिरा है। इसके शेयर 327.30 या 14.71% गिरकर 1,898.00 पर बंद हुए। दिनभर के कारोबार में इसने 1,880.50 का लो और 2,148.70 का हाई बनाया।

इस साल बिक सकते हैं रिकॉर्ड 3.6 लाख मकान

होम लोन महंगा होने के बाद भी बनी हुई है मांग

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के सात प्रमुख शहरों में इस साल रिकॉर्ड 3.6 लाख मकान बिक सकते हैं। होम लोन पर ब्याज दरें बढ़ने और संपत्ति की कीमतों में कम-से-कम 10 फीसदी वृद्धि के बावजूद मकानों की मांग मजबूत बनी हुई है।

इससे पहले सात प्रमुख शहरों दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू, हैदराबाद और पुणे में 2014 में सबसे ज्यादा 3,42,980 मकानों की बिक्री हुई थी। संपत्ति सलाहकार एनारॉक के मुताबिक, चालू कैलेंडर वर्ष (2022) के दौरान जनवरी से सितंबर के बीच कुल 2,72,710 मकान बिके। यह आंकड़ा कोविड पूर्व स्तर यानी 2019 से ज्यादा है। उस दौरान देश के सात प्रमुख शहरों में कुल 2,61,360 मकान बिके थे। एनारॉक समूह के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, होम लोन पर ब्याज दर 6.5% से बढ़कर करीब 8.5% पहुंच जाने पर भी त्योहारों के दौरान मकानों की मांग मजबूत बनी रही है। देश में आवास बाजार के इतिहास में 2022 ऐसे साल के रूप में दर्ज होगा, जिसने पहले के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। कोविड में अपना घर होने की जो भावना पैदा हुई थी, वह दरों में बढ़ोतरी, संपत्ति की कीमतों में वृद्धि व त्योहारी छूट या विशेष पेशकश के अभाव के बावजूद बनी हुई है।आंकड़ों के मुताबिक, बिक्री के मौजूदा स्तर को देखते हुए इस साल 3.4 लाख से ज्यादा नए मकान लॉन्च हो सकते हैं।

सोने-चांदी के रेट में बदलाव

अब 46525 रुपये हुआ 22 कैरेट गोल्ड का भाव

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनतेरस-दिवाली बीतने के बाद भी सोने-चांदी की कीमतों में उछाल जारी है। सर्राफा बाजारों में सोने की कीमत में आज यानी गुरुवार को 24 कैरेट सोने का भाव महज 40 रुपये प्रति 10 ग्राम चढ़ कर 50791 रुपये पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में आज 115 रुपये प्रति किलो महंगी होकर खुली है। बता दें ये रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए औसत रेट हैं, जो कई शहरों से लिए गए हैं। इस पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। हो सकता है कि आपके शहर में सोना-चांदी इस रेट से 500 से 2000 रुपये तक महंगा या सस्ता बिक रहे हों। अगर सर्राफा बाजारों के रेट की बात करें तो अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254

रुपये प्रति 10 ग्राम से 5463 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से अब केवल 18042 रुपये सस्ती है। जीएसटी समेत 24 कैरेट सोने का भाव 52314 रुपये है। इसमें 99.99 पर्सेंट सोना होता है। 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब जीएसटी के साथ 52105 रुपये पर है। आज यह 50588 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुली। इसमें 95 पर्सेंट सोना होता है। इसपर अगर ज्वेलर का मुनाफा जोड़ लें तो यह 57316 रुपये पड़ेगा। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज के साथ यह 61000 रुपये के पार पहुंच जाएगा। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 46525 रुपये प्रति 10 ग्राम है। अब 3 प्रतिशत जीएसटी के साथ इस सोने की कीमत 47920 रुपये है। इसमें 85 प्रतिशत गोल्ड होता है। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वेर का मुनाफा जोड़ने के बाद यह आपको करीब 60000 रुपये का पड़ेगा। 18 कैरेट गोल्ड का रेट 38053 रुपये पर है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 39235 रुपये हो गई है। इसमें 75 प्रतिशत ही सोना होता है। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा जोड़ कर करीब यह 50000 रुपये पड़ेगा।

सिंगापुर ने कहा- क्रिप्टोकरेंसी पर बैन व्यावहारिक नहीं

जोखिम कम करने का प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण सिंगापुर सेंट्रल बैंक ने क्रिप्टोकुरेंसी में व्यापार से उपभोक्ताओं के नुकसान के जोखिम को कम करने के लिए नियामक उपायों का प्रस्ताव पत्र प्रकाशित किया है। सार्वजनिक डोमेन में नियामक उपायों को ध्यान में रखते हुए सिंगापुर के केंद्रीय बैंक ने कहा कि हालांकि क्रिप्टोकरेंसी में व्यापार अत्यधिक जोखिम भरा है और आम जनता के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि उसने यह भी कहा कि डिजिटल संपत्ति व्यापक डिजिटल परिसंपत्ति पारिस्थितिकीय तंत्र में सहायक भूमिका निभाती है, यही कारण है कि उसका मानना है कि उन पर

प्रतिबंध लगाना व्यावहारिक नहीं होगा। केंद्रीय बैंक के एक आधिकारिक बयान में बुधवार को कहा गया है कि क्रिप्टोकरेंसी में सट्टा व्यापार से उपभोक्ताओं को होने वाले जोखिम को कम करने के लिए उसका मानना है कि कि उचित व्यावसायिक आचरण और पर्याप्त जोखिम के मानक सुनिश्चित किया जाएं।

ऐसा करने के लिए ऐसी डिजिटल संपत्ति के सेवा प्रदाताओं की आवश्यकता होगी।

इस फार्मा कंपनी का मुनाफा घटा तो शेयर हुआ धड़ाम

अब करीब आधा हो गया दाम, एक्सपर्ट बोले-तुरंत खरीदें

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्लैंड फार्मा का सितंबर तिमाही का मुनाफा 20.14 प्रतिशत घटकर 241.24 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रिजल्ट के बाद आज इस स्टॉक में जबरदस्त बिकवाली दिख रही है। दोपहर 12 बजे के आसपास ग्लैंड फार्मा करीब 15 फीसद गिरकर 1904.10 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसके बावजूद इस स्टॉक को लेकर एक्सपर्टस बुलिश हैं। जबकि, यह स्टॉक अपने 52 हफ्ते के हाई 4062.95 रुपये से घटकर 1904.10 रुपये पर आ गया है। इसका 52 हफ्ते का लो 1890.55 रुपये है। अगर ग्लैंड फार्मा के शेयर प्राइस हिस्ट्री पर नजर डालें तो पिछले एक साल में 45 फीसद से अधिक टूट चुका है। इसके अलावा 3 महीने में 13

फीसद से अधिक टूट चुका है। बता दें ग्लैंड फार्मा लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में 20.14 प्रतिशत घटकर 241.24 करोड़ रुपये रह गया है।

कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि अधिक खर्च और कम बिक्री से उसका मुनाफा प्रभावित हुआ है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 302.08 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। खराब नतीजों के बावजूद ग्लैंड फार्मा के प्रति एक्सपर्ट्स अभी बुलिश हैं। अपने 52 हफ्ते के हाई रेट से यह शेयर आधे से भी कम दाम पर मिल रहा है। कुल 18 में 8 एक्सपर्ट ग्लैंड फार्मा के शेयर को तुरंत खरीदने की सलाह दे रहे हैं। इसके अला 4 ने बाय रेटिंग दी है। दो विश्लेषकों ने होल्ड रखने, दो एक्सपर्ट ने इस स्टॉक से तुरंत निकलने और दो ने मौका मिलते ही बेचने की सिफरिश कर रहे हैं।

बायकॉट चाइनीज गुड्स के नारे के बीच चीन से इंपोर्ट में इस साल भी भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। हम पिछले कई साल से बायकॉट चाइनीज गुड्स का नारा लगा रहे हैं। इसके वावजूद पिछले साल चीन से इंपोर्ट 46.29 फीसदी बढ़ा था। चालू साल में भी यह 30 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। इस साल के नौ महीने में ही चीन से इंपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 31 फीसदी ज्यादा रहा है। ऐसा तब हो रहा है जबकि लोग दैनंदिन जीवन में चाइनीज गुड्स का बहिष्कार कर रहे हैं। सरकार भी आत्मनिर्भर भारत को कार्यरूप देने पर जोर-शोर से काम कर रही है। ऐसे में भी चीन से इंपोर्ट क्यों बढ़ रहा है, जानते हैं आप? नहीं जानते हैं तो आइए हम बताते हैं। चीन से भारत इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल मशीनरी के अलावा कई तरह के केमिकल

ख़रीदता है। ये केमिकल भारत के फ़ार्मा इंडस्ट्री के लिए अहम हैं। इसके अलावा ऑटो पार्ट्स और मेडिकल सप्लाई भी शामिल है। खिलौने, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रोनिक पार्ट्स भी वहां से खूब आते हैं। वहां से एक्टिव फार्मा इंग्रेडिएंट एपीआई न आए तो हमारा दवा उद्योग ठप पड़ जाएगा। अपने वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, साल 2021 में इन सभी चीज़ों का चीन से आयात बढ़ा है। चीन से लैपटॉप और कंप्यूटर, ऑक्सीजन कॉन्सेन्ट्रेटर के अलावा एसिटिक एसिड का आयात रिकॉर्ड बढ़ा है। कोरोना काल से पहले भारत-चीन सीमा पर तनाव बढ़ा था। उस समय चाइनीज गुड्स के बायकॉट का नारा तेजी से चला था। लेकिन, आंकड़े कुछ और बयां करते हैं। कोरोना काल में तो काफी दिन इंपोर्ट बंद रहा। जब यह खुला तो तेजी से बढ़ता गया। चाइना जनरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ़ कस्टम ने जनवरी 2022 में भारत से व्यापार का डेटा जारी किया था। इस डेटा के अनुसार, साल 2021 में भारत का चीन के साथ व्यापार 125.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। चीन से भारत का व्यापार तब बढ़ रहा है, जब दोनों देशों में तनाव है।तनाव के बीच दोनों देशों के बीच सिर्फ व्यापार बढ़ा ही नहीं, बल्कि रिकार्ड भी बना। ऐसा पहली बार हुआ जबकि चीन के साथ द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर से ऊपर पहुंचा। इसमें भारत ने 97.52 अरब डॉलर का इंपोर्ट किया था और एक्सपोर्ट महज़ 28.14 अरब डॉलर का था।बीते साल चीन से इंपोर्ट और एक्सपोर्ट, दोनों का रिकॉर्ड बना था। पिछले साल भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार रिकॉर्ड 125 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया था। पिछले साल, भारत में चाइनीज इंपोर्ट 46.2 फीसदी बढ़ कर 97.52 अरब डॉलर पर गया था। इस दौरान भारत ये चीन को एक्सपोर्ट भी 34.2 फीसदी बढ़ कर 28.14 अरब डॉलर पर चला गया था। तब भी साल 2021 में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 69.38 अरब डॉलर रहा था।

अमेरिका के टॉप अमीरों ने एक दिन में गंवाए 2.27 लाख करोड़ रुपये, तीसरे नंबर पर खिसके जेफ बेजोस

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी शेयर बाजार में बुधवार को गिरावट आई। इससे 10 में शामिल अमेरिका के अमीरों की नेटवर्थ 27.54 अरब डॉलर यानी करीब 2.27 लाख करोड़ रुपये कम हो गई। ऐमजॉन के जेफ बेजोस की नेटवर्थ में बुधवार को 4.92 अरब डॉलर की गिरावट आई और वह तीसरे नंबर पर खिसक गए। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ अब 139 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 53.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। फ्रांस के कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट अब दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। बुधवार को उनकी नेटवर्थ 2.11 अरब डॉलर बढ़कर 145 अरब डॉलर पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 33.1 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में बुधवार को 1.55 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और यह 211 अरब डॉलर

पहुंच गई। वैसे टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ की नेटवर्थ में इस साल 58.9 अरब डॉलर का गिरावट आई है। माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स की नेटवर्थ में 1.55 अरब डॉलर और वॉरेन बफेट की नेटवर्थ में 19.9 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। इसी तरह लैरी पेज की नेटवर्थ 7.66 अरब डॉलर, सर्गेई ब्रिन की 7.26 अरब डॉलर और स्टीव बामर की नेटवर्थ में 61.5 अरब डॉलर की गिरावट आई।बुधवार को दिवाली बलिप्रतिपदा के कारण भारतीय शेयर बाजार बंद थे। इस कारण मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की नेटवर्थ में कोई बदलाव नहीं हुआ। लेकिन अंबानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 10वें नंबर पर पहुंच गए। इसकी वजह यह रही कि बामर 11वें नंबर पर खिसक गए। मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 83.5 अरब डॉलर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 6.50 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दूसरी ओर अडानी 122 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 45.8 अरब डॉलर की तेजी आई है। एक समय वह अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे।

इन 3 कारणों से एक के बाद एक मिसाइल दाग रहा है उत्तर कोरिया

किम जोंग के दिमाग में पक रही ये खिचड़ी

प्योंगयांग, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन-ताइवान के बीच तनाव और रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध जैसे मुद्दों बीते काफी समय से खबरों में छाए हुए हैं। लेकिन इनके साथ ही वो देश भी खूब चर्चा में रहा है, जिसकी फिलहाल किसी से कोई लड़ाई नहीं चल रही। हम यहां उत्तर कोरिया की बात कर रहे हैं। जिसने अपने हथियारों के परीक्षण से तमाम देशों को डराया हुआ है। ऐसा पांच साल में पहली बार है, जब उत्तर कोरिया की वजह से कोरिया प्रायद्वीप पर इतना तनाव बढ़ा हुआ है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अब आने वाले दिनों में स्थिति और भी ज्यादा खराब होने वाली है। उत्तर कोरिया के हथियार परीक्षणों की वजह से उसके पड़ोसी देश के नागरिकों को भी खुद की जान बचाने के लिए शेल्टर लेने की जरूरत पड़ रही है। बीते महीने उत्तर कोरिया ने जो मिसाइल लॉन्च की थी, वो जापान के ऊपर से होकर निकली थी। इसकी वजह से वहां के नागरिक काफी डर गए और उन्हें शरण लेने पर मजबूर होना पड़ा था। उत्तर कोरिया का ये कदम काफी उकसाने वाला था। इसके बाद कई बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की गईं। कोई नहीं जानता कि तानाशाह किम जोंग उन आखिर चाहते क्या हैं।

दक्षिण कोरिया को करनी पड़ी फायरिंग

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया में फाइटर जेट भेजे और साथ ही समुद्र में हजारों बम दागे गए।

ये सभी बम मिलिट्री बफर जोन में गिरे थे। यह वही बफर जोन है जो साल 2018 में बनाया गया था। सोमवार को उत्तर कोरिया का एक व्यापारी जहाज दोनों देशों की समुद्री सीमा के बीच पहुंच गया।

इस वजह से दक्षिण कोरिया ने चेतावनी देने के लिए फायरिंग की थी। दक्षिण कोरिया का कहना है कि उत्तर कोरिया ने जानबूझकर ऐसा किया है।

तकनीकी रूप से दोनों देशों के बीच युद्ध की स्थिति है।

हथियार लॉन्च करने के पीछे छिपे 3 कारण

विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तर कोरिया केवल तीन कारणों से मिलाइल लॉन्च कर रहा है। उसका मकसद अपने हथियारों की तकनीक में सुधार करना है। वो दुनिया को राजनीतिक संदेश देना चाहता है, खासतौर से अमेरिका को। इसके अलावा वह ऐसा करके अपने लोगों को खुश करना चाहता है और उनके प्रति अपनी वफादारी साबित करना चाहता है। इस देश के मीडिया का कहना है कि ये परीक्षण अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास के जवाब में किए गए हैं। उत्तर कोरिया ने तनाव बढ़ने के लिए अपने दुश्मनों पर इल्जाम लगाया है। इसके साथ ही उसने उन्हें चेतावनी दी है कि वह तुरंत रुक जाना चाहिए।

पीछे नहीं हटने वाले अमेरिका और जापान

बीते दो महीने में अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की सेनाओं ने बड़े स्तर पर सैन्य अभ्यास किया है। इस अभ्यास का मकसद ये दिखाना है कि ये देश उत्तर कोरिया की तरफ से होने वाले परमाणु हमले का जवाब देने के लिए तैयार हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने इसी मकसद से परमाणु हथियार तैयार किए हैं, ताकि वह अपने दुश्मन के किसी भी तरह के हमले का जवाब दे सके।

पांच साल के लिए योजना तैयार की

बीते साल यहां एक योजना तैयार की गई थी कि अगले पांच साल में परमाणु हथियारों को कैसे विकसित करना है। हालिया परीक्षण इस बात का सबूत हैं कि किम जोंग उन इस योजना को सफल बनाने के लिए काम कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने स्वीकार किया है कि वह सैन्य अभ्यास करना जारी रखेंगे।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में शामिल हुए तो अंतरिक्ष में भी होगा हमला

रूस की अमेरिका को नई धमकी

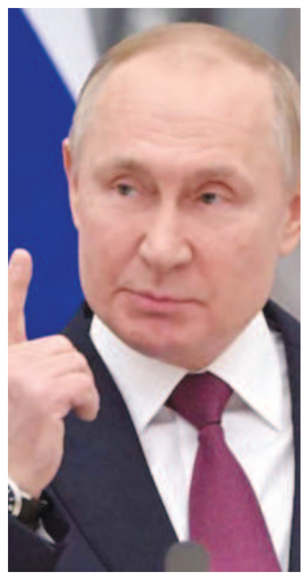

मॉस्को, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस ने हाल के दिनों में यूक्रेन पर अपने हमलों को तेज कर दिया है। इस बीच मॉस्को ने पश्चिमी देशों को एक और धमकी दी है। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में शामिल हुए तो इसका अंजाम काफी बुरा होगा। उन्होंने कहा कि रूस अमेरिका के कॉमर्सियल सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में निशाना बनाने से नहीं हिचकेगा। टीएएसएस ने विदेश मंत्रालय के हथियार नियंत्रण विभाग के उप निदेशक कोन्स्टेंटिन वोरोत्सोव के हवाले से यह जानकारी दी है। वोरोत्सोव ने कहा, हम संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में कॉमर्सियल सहित अन्य अंतरिक्ष ढांचों की भागीदारी के बारे में बात कर रहे हैं। आपको बता दें कि यूक्रेन में रूसी हमले ने अब तक दस हजार से अधिक लोगों की जान ले ली है। इस युद्ध ने कोरोना के बाद के आर्थिक सुधारों को कमजोर कर दिया है। इसने 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद पश्चिम के साथ सबसे गंभीर टकराव शुरू कर दिया है।

अमेरिकी अदालत ने

सिख पुलिस अफसर के हत्यारे को मौत की सजा सुनाई

वॉशिंगटन, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में पहले पगड़ीधारी सिख पुलिस अफसर की साल 2019 में हत्या करने वाले एक अमेरिकी नागरिक को अदालत ने मौत की सजा सुनाई है। बता दें कि, पुलिस अफसर संदीप धालीवाल दस सालों से हेरिस काउंटी शैरिफ आफिस में तैनात थे। वह पहले सिख पुलिस अफसर थे जिन्हें वर्ष 2015 में यूनिफार्म में पगड़ी पहनने और दाढ़ी रखने की अनुमति मिली थी।

सिख पुलिस अफसर के हत्यारे को मौत की सजा

बता दें कि, 42 वर्षीय धालीवाल की टेक्सास में 27 सितंबर, 2019 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सोमवार को अदालत में शेरिफ के परिवार की मौजूदगी के बीच अदालत ने 50 वर्षीय राबर्ट सोलिस को दोषी करार दिया। बता दें कि, सोलिस की गिरफ्तारी के तीन साल बाद उसे मौत की सजा सुनाई गई। न्याय मिल गया...

कोर्ट के इस फैसले पर हैरिस काउंटी शेरिफ एड गोंजालेज ने ट्वीट किया, जूरी सदस्यों ने रॉबर्ट सोलिस को मौत की सजा सुनाई। हम बहुत आभारी हैं कि आखिरकार न्याय मिल गया। संदीप के कार्यों, बलिदान को अमेरिकी पुलिस हमेशा याद रखेगी। बता दें कि पुलिस अफसर संदीप धालीवाल की हत्या के दोषी पाए जाने के बाद काफी कम समय में सोलिस को मौत की सजा देने के लिए बुधवार को फैसला सुनाया गया।

अमेरिका की यादों में संदीप धालीवाल

दिवंगत धालीवाल ने मानवाधिकार संगठन युनाइटेड सिख काम किया था और उन्हें सिख समुदाय का गौरव माना जाता था। वेस्ट ह्यूस्टन में एक पोस्ट आफिस का नाम भी उनके नाम पर रखा गया है। उनकी मौत के एक साल बाद हाईवे 249 के पास स्थित बेल्टवे के एक हिस्से का नाम भी धालीवाल के नाम पर रखा गया है।

मेक्सिको में खुशी की लहर गे और लैस्बियन कपल को अब जीवनसाथी चुनने की आजादी, कानून से मिली मंजूरी

मेक्सिको, 27 अक्टूवर (एजेंसियां)। दुनिया भर में एलजीबीटी समुदाय के लोगों को काफी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। समलैंगिक कपल इसी वजह से अपना रिश्ता छिपाए रखने को मजबूर हो जाते हैं। हालांकि मेक्सिको इस मामले में काफी आगे निकल गया है। यहां के सीमावर्ती राज्य तमाउलिपास की विधायिका ने बुधवार को समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है।

इसी के साथ ही तमाउलिपास मेक्सिको का ऐसा 32वां और अंतिम राज्य बन गया है, जहां समलैंगिक विवाह को कानूनी रूप से वैध घोषित कर दिया गया है। समलैंगिक विवाह को कानूनी बनाने के लिए नागरिक संहिता में संशोधन हेतु पेश विधेयक को 12 के मुकाबले 23 मतों से मंजूरी दी गई जबकि दो सदस्य अनुपस्थित रहे। इसी के साथ समलैंगिक विवाह के समर्थकों के चेहरे पर खुशी छा गई।

तेल पर सऊदी अरब और अमेरिका में रार

कीमतों पर काबू के लिए रिजर्व स्टॉक बेच रहा यूएस

वॉशिंगट, 27 अक्टूवर (एजेंसियां)। नतेल उत्पादन घटाने के फैसले को लेकर अमेरिका और तेल निर्यातक देशों के समूह ओपेक प्लस के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। अब सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री अब्दुल अजीज बिन सलमान ने अमेरिका को सीधे चेतावनी दे दी है। सलमान ने कहा कि अमेरिका द्वारा अपने सुरक्षित तेल भंडार से तेल बेचना खतरनाक होगा।
अमेरिका व सऊदी अरब के रिश्ते दोस्ताना रहे हैं, लेकिन तेल की कीमतों व उत्पादन घटाने के ओपेक देशों के फैसले से वह नाराज है।
अमेरिका चाहता है कि सऊदी अरब और अन्य तेल उत्पादक देश तेल उत्पादन बढ़ाएं और तेल के दामों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी न करें। लेकिन, ओपेक अमेरिका के दबाव में नहीं आया, इस कारण अमेरिका को मजबूरन अपने रिजर्व तेल भंडार से तेल बाजार में बेचने का फैसला करना पड़ा।

बाइडन ने खोला आपात तेल भंडार

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने पिछले सप्ताह देश के आपात तेल भंडार से डेढ़ करोड़ बैरल तेल बेचने का एलान किया है। यह फैसला 8 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले तेल की कीमत पर काबू पाना है।

आपात तेल भंडार खोलने से होगी मुश्किल : सलमान

अमेरिका का यह फैलस सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री अब्दुल अजीज बिन सलमान को रास नहीं आ रहा है। उन्होंने राजधानी रियाद में आयोजित 'फ्यूचर इनिशिएटिव इन्वेस्टमेंट सम्मेलन' में अमेरिका को चेताया कि आपात तेल भंडार को खाली करना बहुत मुश्किल पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब अमेरिका के साथ साझेदारी में ज्यादा मजबूत भूमिका में है।

रूस की मदद नहीं, कीमतें स्थिर करने के लिए कटौती : सलमान

सलमान ने यह भी कहा कि अमेरिका का यह आरोप बेबुनियाद है कि रूस की मदद के लिए तेल उत्पादन में कटौती की जा रही है। कटौती का फैसला पूरी तरह से आर्थिक है। इसका मकसद विश्व बाजार में तेल की कीमतें स्थिर करना है।

रोजाना 20 लाख बैरल तेल उत्पादन कम करने का फैसला

बता दें, ओपेक प्लस देशों ने पांच अक्तूबर को रोजाना 20 लाख बैरल तेल उत्पादन कम करने का फैसला किया था। ओपेक प्लस में 24 देश शामिल हैं। इन देशों के समूह में रूस भी शामिल है।उत्पादन घटाने से दाम बढ़ेंगे, इससे रूस को और फायदा होगा। ओपेक प्लस संगठन में सऊदी अरब का दबदबा है। कटौती के फैसले पर अमेरिका ने सऊदी अरब को चेताया था कि सऊदी अरब को इस फैसले का अंजाम भोगना पड़ेगा।

महसा अमीनी की मौत के 40वें दिन फिर 'सुलग' उठा ईरान

प्रदर्शनकारियों ने लगाए तानाशाह 'मुर्दाबाद' के नारे

तेहरान, 27 अक्टूवर (एजेंसियां)। हिजाब पहनने से इनकार करने पर ईरान की मोरैलिटी पुलिस के हाथों 16 सितंबर को मारी गई 22 साल की कुर्दिश युवती महसा अमीनी की मौत के बाद से ईरान सुलग उठा है। महसा की मौत के चालीसवें दिन ईरानी लोग फिर से सड़कों पर उतर आए। वहीं तेहरान में प्रदर्शनों को रोकने के लिए दंगारोधी पुलिस की तैनाती की गई । इस्लाम में मौत के चालीसवें दिन शोक मनाने की प्रथा है। इसे 'चेहेलोम' कहा जाता है और ईरान मे शिया मुसलमानों के लिए यह धार्मिक महत्व रखता है। ईरान के उत्तर-पश्चिम में स्थित अमीनी के गृहनगर साकेज में सैकड़ों लोग महसा की कब्र पर उमड़ पड़े।

महसा की मौत के 40वें दिन सुलग उठा ईरान

महसा अमीनी के मौत के चालीसवें दिन सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने शोक मनाने के लिए ईरान के उत्तर-पश्चिम में स्थित अमीनी के गृहनगर साकेज में उनकी कब्र पर उमड़ पड़े। इस मौके पर देश के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई के नाम पर तानाशाह मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। प्रदर्शन के क्रम में ईरानी सुरक्षा बल और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पे भी हुईं। बता दें कि, हिजाब को ठीक ढंग से नहीं पहनने के आरोप में महसा अमीनी को पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस दौरान वहां की मोरैलिटी पुलिस ने महसा के साथ मारपीट की जिसके कारण उनकी कस्टडी में मौत हो गई।

ईरान में हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन

महसा अमीनी की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद ईरान में हिजाब के खिलाफ महिलाओं ने एक नई क्रांति का आगाज कर दिया। ईरानी महिलाओं के सपोर्ट में पुरुष भी आ गए। इतना ही नहीं अमेरिका समेत कई पश्चिम देशों ने भी ईरानी महिलाओं के इस मुहिम में उनका साथ देने का वादा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो साफ कह दिया है कि वे ईरान की बहादुर महिलाओं का साथ देंगे। वहीं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा ने भी ईरान में हिजाब के खिलाफ जारी प्रदर्शन में महिलाओं का साथ देने की बात कही है।

ईरान प्रदर्शन की आग में सुलग रहा

22 साल की कुर्द महिला की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद से ईरान प्रदर्शन की आग में सुलग का दहक उठा है। देश में तानाशाह शासन और महिलाओं के लिए ड्रेस कोड से संबंधित काले कानून को खत्म करने की मांग की जा रही है। वे देश से हिजाब प्रथा को समाप्त करने की बात कर रहे हैं।

सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई को हटाने की मांग

ईरानी महिलाएं सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं। महिलाओं के इस प्रदर्शन से खामनेई का तख्त डोलने लगा है। उनको लगने लगा है कि किसी भी वक्त उनकी कुर्सी को खिसका दिया जाएगा। इसलिए वहां की सरकार प्रदर्शनकारियों पर बल का प्रयोग कर रही है। अब तक कई सारे प्रदर्शनकारियों की मौत हो चुकी है।

महसा की मौत के बाद सरकार विरोधी आंदोलन

वहीं, अमीनी की हत्या ने ईरान में इस दशक के सबसे बड़े सरकार विरोधी आंदोलन को जन्म दिया है। सरकारी मीडिया ने घोषणा की, ईरान के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में सभी स्कूल, कालेज और विश्वविद्यालय बंद रहेंगे।वहीं, अमेरिका ने इस प्रदर्शन को लेकर ईरान और रूस पर तंज कसा है।

अमेरिका का तंज

व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि हम चिंतित हैं कि रूस ईरान को महसा अमिनी के समर्थन में हो रहे विरोध प्रदर्शन दबाने के लिए सलाह दे सकता है क्योंकि मॉस्के के पास खुले प्रदर्शनों को दबाने का व्यापक अनुभव है। साथ ही कहा कि ईरान को हमारा संदेश स्पष्ट है, लोगों को मारना बंद करो और यूक्रेन के लोगों को मारने वाले रूस को हथियार भेजना बंद करो।

नन और पादरी भी इंटरनेट पर देखते हैं अश्लील वीडियो

ईसाई धर्म के सर्वोच्च गुरु पोप फ्रांसिस ने कबूला सच, बयान से मचा हड़कंप

वैटिकन सिटी, 27 अक्टूवर (एजेंसियां)। ईसाइयों के सर्वोच्च गुरू पोप फ्रांसिस के एक खुलासे के बाद से हड़कंप मच गया है। उन्होंने एक ऐसा सच कबूला है, जिसके बारे में लोग सोच भी नहीं सकते। पोप ने कहा है कि नन और पादरी भी इंटरनेट पर अश्लील वीडियो यानी एडल्ट कंटेंट देखते हैं। चर्च के ये लीडर छोटे शैतान हैं। इस हफ्ते रोमन कैथोलिक चर्च में भविष्य के धार्मिक नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पादरी और नन ऑनलाइन पोर्नोग्राफी देखते हैं, बिलकुल सामान्य लोगों की तरह। यह एक ऐसी बुराई है जो कई लोगों, कई आम पुरुषों, कई आम महिलाओं और पुजारियों और ननों में है। उन्होंने कहा कि इस तरह आम आदमी शैतान बन जाता है। चर्च के एक

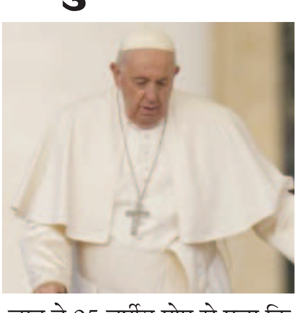

छात्र ने 85 वर्षीय पोप से पूछा कि क्या भक्तों को सेल फोन जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना चाहिए। इस पर पोप फ्रांसिस ने कहा कि आप इनका प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि इनका इस्तेमाल संवाद करने और केवल सहायता प्राप्त करने के लिए करें।

पोप फ्रांसिस ने पोर्नोग्राफी को सामान्य बताया

यूरोपियन रिपोर्ट के मुताबिक, पोप ने कहा कि वह ये सब बोलते हुए केवल आपराधिक पोर्नोग्राफी की बात नहीं कर रहे हैं, जिसमें बच्चों के साथ होने वाला शोषण भी शामिल है। ये पहले से ही गलत है लेकिन पोर्नोग्राफी थोड़ी सामान्य है। पोप ने कहा कि जो पादरी अभी चर्च का काम सीख रहे हैं, जैसे कि आप लोग, आपको इसे लेकर सावधान रहना चाहिए। इसमें डिजिटल पोर्नोग्राफी वो है, जिसके बारे में आप लोग जानते होंगे। उन्होंने कहा, 'एक पवित्र दिल, जो जीसस को हर दिन पाता है, वह ये अश्लील जानकारी प्राप्त नहीं कर सकता है। अगर आप इसे अपने मोबाइल फोन से हटाना सकते हैं, तो हटा दें।'

चर्च के कई लोगों पर लगा यौन शोषण का आरोप

वैटिकन सिटी ने बीते महीने नोबेल पुरस्कार विजेता बिशप कार्लोस जिमेनिस पर तमाम अनुशासनात्मक प्रतिबंध लगाए थे। उमपर दो दशक से भी अधिक समय से यौन शोषण के आरोप लग रहे थे।

बिशप जिमेनिस 1990 के दशक में पूर्वी तिमोर में लड़कों के यौन शोषण के आरोपों से घिरे हुए हैं। वेटिकन ने कहा कि यौन शोषण से निपटने वाले कार्यालय को 2019 में बिशप जिमेनिस के आचरण के बारे में शिकायतें मिली थीं और उन पर एक साल के भीतर प्रतिबंध लगा दिया था। बिशप जिमेनिस की मूवमेंट और शक्तियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं और उन्हें नाबालिगों के साथ स्वैच्छिक संपर्क या पूर्वी तिमोर में संपर्क करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

दोहा में भारतीय नौसेना के 8 पूर्व अधिकारी हिरासत में

दोहा, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कतरी एमिरी नौसेना को प्रशिक्षण और अन्य सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी के साथ कतर में काम कर रहे 8 पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारी हिरासत में हैं. सूत्रों के मुताबिक, दोहा में भारतीय दूतावास को घटना की जानकारी है. इस घटना को मंगलवार (25 अक्टूबर) को मीतू भार्गव के एक ट्वीट ने उजागर किया. उन्होंने ट्वीट कर लिखा, सभी दोहा में 57 दिनों से अवैध हिरासत में हैं. इस पोस्ट में प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एस जयशंकर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी सहित कई मंत्रियों को टैग किया गया है.

सुरक्षा से जुड़े काम करती है कंपनी

रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व नौसेना अधिकारी दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज नामक कंपनी में काम कर रहे थे. यह कंपनी खुद को कतर रक्षा, सुरक्षा और अन्य सरकारी एजेंसियों के स्थानीय व्यापार भागीदार और रक्षा उपकरण संचालन और रखरखाव संबंधी प्रमुख दक्षताओं के रूप में वर्णित करती है. समूह के सीईओ, खामिस अल अजमी, रॉयल ओमान वायु सेना के एक सेवानिवृत्त स्क्वाड्रन लीडर हैं.

पूर्णेंदु तिवारी को राष्ट्रपति से मिला था सम्मान

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिरासत में लिए गए आठ भारतीयों में फर्म के प्रबंध निदेशक कमांडर पूर्णेंदु तिवारी (सेवानिवृत्त) भी हैं. उन्हें भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार मिला था. कंपनी की वेबसाइट पर उनकी प्रोफाइल कहती है कि जब उन्होंने भारतीय नौसेना में सेवा की, तो उन्होंने एक माइनस्वीपर और एक बड़े युद्धपोत की कमान संभाली थी.

हिरासत में क्यों है पूर्व नौसेना अधिकारी?

फिलहाल अब तक इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि उन्हें हिरासत में क्यों रखा गया है. द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में दोहा में भारतीय मिशन के अधिकारियों ने नौसेना के पूर्व अधिकारियों को कांसुलर विजिट की अनुमति दी थी. वहीं इस पूरे मामले में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची की ओर से कुछ नहीं कहा गया है. इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, कंपनी की वेबसाइट पर दिए गए नंबरों पर कॉल किया गया तो सामने से कोई उत्तर नहीं मिला.

भारतीय मिशन ने की है कंपनी की तारीफ

कंपनी ने अपनी प्रभावशाली साख वेबसाइट पर पोस्ट की है. इसके काम को दोहा में भारतीय मिशन से प्रशंसा भी मिली है. राजदूत दीपक मित्तल ने कहा है कि कंपनी कतर रक्षा बलों की क्षमता और क्षमताओं का निर्माण करने के लिए महान काम कर रही है. उन्होंने कहा, आप मित्र देशों के साथ साझेदारी करने और हमारे अनुभवों को साझा करने के भारतीय नेतृत्व के दृष्टिकोण का प्रमाण हैं. वहीं पिछले राजदूत पेरियासामी कुमारन ने भारत की रक्षा क्षमताओं के प्रभावी प्रदर्शन के लिए कंपनी के काम की प्रशंसा की और कहा कि कंपनी ने दोनों देशों के बीच सहयोग के नए अवसर पैदा किए.

ऋषि सुनक से भारत को नहीं फायदा

बोरिस और लिज से ज्यादा कट्टर कंजर्वेटिव ऋषि बयानों में बढ़ सकती है तल्खी

एक्सक्लूसिव, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के इतिहास में पहली बार कोई भारतीय मूल का व्यक्ति प्रधानमंत्री बना है। ऋषि सुनक की यह उपलब्धि भारतीयों के लिए गर्व की बात हो सकती है मगर क्या भारत के लिए फायदेमंद होगी? इसकी उम्मीद कम है।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों को जांचने-परखने की सबसे बड़ी कसौटी इकोनॉमिक रिलेशन्स माने जाते हैं। इस लिहाज से अभी भारत की स्थिति ब्रिटेन से थोड़ी बेहतर मानी जा सकती है। पूर्व ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन ने 2021 की भारत यात्रा के दौरान आर्थिक रिश्ते बेहतर करने की कवायद भी शुरू कर दी थी।

दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, निवेश बढ़ाने जैसे कदम ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन के लिए ज्यादा जरूरी हैं। बोरिस जॉनसन की कैबिनेट में विदेश मंत्री रहीं लिज ट्रस जब खुद पीएम बनीं तो उनकी नीतियां भी भारत के साथ संबंध मजबूत करने की ही थीं। मगर बोरिस जॉनसन या लिज ट्रस से तुलना की जाए तो ऋषि सुनक भारत में सरकारी नीतियों के ज्यादा बड़े आलोचक रहे हैं।

अब पीएम बनने के बाद ऋषि सुनक भी भारत से आर्थिक-रणनीतिक रिश्ते तो बिगाड़ना नहीं चाहेंगे, मगर ब्रिटेन में अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए वह अपने बयानों और कदमों में भारत के प्रति तल्खी दिखाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

इसका सबसे बड़ा संकेत ऋषि सुनक की कैबिनेट में सुएला ब्रावरमैन की बतौर गृहमंत्री वापसी है। सुएला के पिता गोवा मूल के और मां तमिल मूल की हैं। मगर वे अपने ब्रिटेन में इमिग्रेंट्स की बढ़ती संख्या के खिलाफ मुखर रही हैं। वे यहां तक कह चुकी हैं कि भारतीय ही सबसे ज्यादा वीजा नियम तोड़ते हैं। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से भी ब्रिटेन में इमिग्रेंट्स की तादाद बढ़ेगी।

जानिए, ऋषि सुनक की ताजपोशी से भारत-ब्रिटेन के संबंधों पर आखिर क्या असर पड़ सकता है और दोनों देशों को एक-दूसरे से रिश्ते बनाए रखने की जरूरत क्यों है।

ट्रेड में भारत का हिस्सा ज्यादा,संबंध बिगड़े तो यूके का नुकसान होगा

भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाले व्यापार की बात की जाए तो इसमें भारत का हिस्सा ज्यादा है। हम ब्रिटेन से आयात कम करते हैं और उसे गुड्स एंड सर्विसेज का निर्यात ज्यादा करते हैं। दोनों देशों के बीच परस्पर निवेश की बात करें तो भी भारत का पलड़ा भारी है। ऐसे में ब्रिटेन के लिए भारत से रिश्ते बिगाड़ना ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है। लंदन स्थित हाई कमीशन ऑफ इंडिया की अक्टूबर 2020 से सितंबर 2021 तक की ताजा रिपोर्ट दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को ज्यादा स्पष्ट करती है।

इन 4 बातों से समझिए दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में कौन ज्यादा मजबूत

ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन को चाहिए नए बाजार भारत सबसे भरोसेमंद

यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था अब इस बात पर बहुत ज्यादा निर्भर करती है कि यूरोप से आगे नए बाजार तलाशे जाएं। दक्षिण एशिया में अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश में ब्रिटेन बहुत पहले से लगा है। भारत से संबंध गहरे करने के लिए ब्रिटेन कई कदम उठा रहा है

एफटीए के लिए नेगोशिएशन शुरू

दक्षिण एशिया में उसके लिए फिलहाल सबसे ज्यादा भरोसेमंद साथी भारत हो सकता है। यही वजह है कि पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन ने भारत से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की पहल की थी। जनवरी, 2022 में तत्कालीन ब्रिटिश वाणिज्य मंत्री ऐन-मेरी ट्रैवेलियन की भारत यात्रा के दौरान इस एफटीए के लिए नेगोशिएशन भी शुरू हो गए हैं।

भारत में रिन्युएबल एनर्जी बनाने में ब्रिटेन का 664 करोड़ का निवेश

2021 में ब्रिटेन के ग्लासगो में आयोजित सीओपी26 की बैठक के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन ने अलग बैठक की थी। इस बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों ने 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' नीति की घोषणा की थी। इसी दौरान ब्रिटेन ने भारत में रिन्युएबल एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए 70 मिलियन पाउंड यानी करीब 664 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की थी।

ब्रिटेन में भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ाने पर काम जारी

2011-12 में ब्रिटेन में भारतीय छात्रों की संख्या 29900 थी जो 2013-14 में 25% घटकर

22385 रह गई थी। मगर इसके बाद से ब्रिटेन ने भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। भारत ब्रिटेन में विदेशी छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। देखिए, कैसे 2015-16 से ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज के फर्स्ट ईयर में भारतीय छात्रों का एनरोलमेंट बढ़ा है

वर्ष	फर्स्ट ईयर में भारतीय छात्र
2015-16	14830
2016-17	16550
2017-18	19750
2018-19	26685
2019-20	41815
2020-21	52015

यह आंकड़े जारी करने वाले लंदन स्थित हाई कमीशन ऑफ इंडिया के मुताबिक 2021-22 में ब्रिटेन में भारतीय छात्रों की संख्या और भी ज्यादा होने की उम्मीद है।

भारत को रणनीतिक प्लेटफॉर्म्स पर ब्रिटेन के साथ की जरूरत

भारत और ब्रिटेन बहुत पहले से जी20 और यूएन जैसे रणनीतिक प्लेटफॉर्म्स पर एक साथ दिखे हैं। वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव कायम करने के लिए भारत को अब इस समर्थन की जरूरत और भी ज्यादा होगी।

भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के दबदबे को चुनौती देने के लिए भी ब्रिटेन की जरूरत है। ब्रिटेन के पास इस क्षेत्र में ओमान, सिंगापुर, बहरीन और केन्या के अलावा हिंद महासागर में ब्रिटिश टेरिटरीज में नेवल फोर्स मौजूद है।

इसके साथ ही भारत अपने फार्मा, फिशरीज और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स के लिए ब्रिटेन का बाजार भी चाहता है। इसके लिए ब्रिटेन से ड्यूटी में छूट हासिल करने पर बातचीत जारी है।

अब हम आपको बताते हैं ऋषि सुनक के पीएम बनने से भारत को खास फायदा क्यों नहीं है

ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी का रुख भारतीय नीतियों पर तल्ख

ऋषि सुनक कंजर्वेटिव पार्टी के हैं। इस पार्टी का रुख पारंपरिक रूप से भारतीय नीतियों पर तल्ख रहा है। इस तल्खी की नींव अमेरिका और रूस के शीत युद्ध के दिनों में ही पड़ चुकी थी। उस दौरान ब्रिटिश पीएम रहीं मार्गरेट थैचर भी कंजर्वेटिव पार्टी की ही थीं।

ब्रिटेन की नजरों में भारत पारंपरिक रूप से रूस की तरफ ज्यादा झुकाव रखता है। हालांकि हाल के वर्षों में अमेरिका ने जिस तरह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की सराहना की है, उससे ब्रिटेन में और खासतौर पर कंजर्वेटिव पार्टी में भारत के प्रति धारणा थोड़ी बदली है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर कंजर्वेटिव्स करते रहे हैं भारत की आलोचना

फिर भी रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर एक बार फिर कंजर्वेटिव पार्टी को भारतीय नीतियों की आलोचना करने का मौका मिल गया है। बोरिस जॉनसन के कार्यकाल में ही कई कंजर्वेटिव नेता इस बात पर मुखर रहे थे कि भारत ने रूस के कदम की खुलकर आलोचना क्यों नहीं की।

पाकिस्तान का सीधे विरोध नहीं करती है कंजर्वेटिव पार्टी

यूएस व अन्य पश्चिमी देशों ने दक्षिण एशिया में 'इंडिया फर्स्ट' पॉलिसी का खुलकर इजहार किया है। मगर इनके उलट ब्रिटेन पारंपरिक रूप से 'प्रो-पाकिस्तान' रहा है। इसमें भी सबसे बड़ा हाथ कंजर्वेटिव पार्टी का ही है।

कंजर्वेटिव्स की मौजूदा फर्स्ट लाइन में ऋषि सबसे कट्टर

कंजर्वेटिव पार्टी की मौजूदा फर्स्ट लाइन में जो नेता हैं उनमें ऋषि सुनक को सबसे कट्टर माना जाता है। बोरिस जॉनसन कंजर्वेटिव नेता होने के बावजूद खुद को 'फ्रेंड ऑफ इंडिया' के तौर पर प्रचारित करते रहे हैं।

उनके बाद प्रधानमंत्री बनने वालीं लिज ट्रस, जॉनसन की कैबिनेट में विदेश मंत्री थीं। उसी दौरान ब्रिटेन और भारत के बीच कई महत्वपूर्ण आर्थिक और सामरिक समझौते भी हुए। उनकी छवि भी पार्टी में भारत विरोधी की नहीं है।

इन दोनों के उलट ऋषि अपने भारतीय मूल की पहचान का इस्तेमाल तो ब्रिटेन में बसे भारतीयों को लुभाने के लिए करते रहे हैं, मगर भारत सरकार की नीतियों का खुलकर विरोध भी करते रहे हैं। भारत पर उनके सुर हमेशा बदलते रहे हैं। भारतीयों के बीच एक कार्यक्रम के दौरान जब उनसे उनके ससुर एन.आर. नारायणमूर्ति और उनकी कंपनी इन्फोसिस की सफलता के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे उनकी सफलता पर गर्व है। उन्होंने अपने दम पर कंपनी खड़ी की, मैं चाहूंगा कि ब्रिटेन में भी भारतीय वैसी सफलता हासिल करें।

वहीं, एक दूसरे मौके पर उन्होंने भारत की तेज आर्थिक तरक्की से ब्रिटेन को आगाह करते हुए कहा कि ब्रिटेन को इससे निपटने के लिए तैयारी कर लेनी चाहिए। फर्क यह था कि यह बयान उन्होंने जिस पब्लिक के सामने दिया उसमें अंग्रेजों की संख्या ज्यादा थी।

उन्होंने कैबिनेट में सुएला ब्रावरमैन की वापसी करवाकर इस बात के संकेत भी दे दिए हैं कि ब्रिटिश सरकार के बयानों में भारतीय नीतियों के प्रति तल्खी बरकरार रहेगी। सुएला ने खुलकर दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का भी विरोध किया है।

उम्मीद इसी बात से कि फिलहाल भारत का समर्थन ब्रिटेन के लिए पार्टी लाइन से ज्यादा जरूरी

ब्रिटेन में बसे भारतीयों का रुझान पारंपरिक रूप से लेबर पार्टी की तरफ रहा है। मगर अब वहां भी कंजर्वेटिव्स ने भारतीयों के बीच पैठ बढ़ाई है। यहां 16 लाख भारतीय बसते हैं जो एक बड़ा वोटबैंक है।

फिलहाल ब्रिटेन की संसद में 16 सांसद भारतीय मूल के हैं। इनमें लेबर और कंजर्वेटिव दोनों ही हैं।

दरअसल, लेबर पार्टी का झुकाव वामपंथ की तरफ ज्यादा माना जाता है। इस वजह से भारत में भाजपा की सरकार बनने के बाद लेबर पार्टी में विरोध ज्यादा बढ़ गया था।

ब्रिटेन में 2019 के चुनाव के दौरान यहां तक खबरें आईं कि भाजपा ने वहां बसे भारतीयों को लेबर पार्टी के बजाय कंजर्वेटिव्स को वोट देने के लिए उकसाया था। प्रचार किया गया था कि लेबर पार्टी 'एंटी हिंदू' है।

ऐसे में चाहे लेबर पार्टी हो या कंजर्वेटिव पार्टी, ब्रिटेन की राजनीति में भारत सरकार की नीतियों का विरोध दोनों तरफ मौजूद है। इस अंदरूनी राजनीति में आगे रहने के लिए ऋषि सुनक भी भारत सरकार की नीतियों के विरोध में बयान दें तो आश्चर्यजनक नहीं होगा।

मगर इन बयानों से आगे रिश्ते बिगाड़ने का कोई भी कदम भारत के साथ-साथ ब्रिटेन के लिए भी नुकसानदेह होगा।

4 भाई-बहन एक-दूसरे की मदद से बने आईएएस-आईपीएस

बहनों का सिलेक्शन नहीं हुआ तो भाई ने की तैयारी, सिलेक्ट होने पर बहन को बनाया कलेक्टर

प्रतापगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ का एक कस्बा है, लालगंज अझारा। जिला मुख्यालय से करीब 26 किलोमीटर दूर। साल 2016 तक ये घुइसरनाथ मंदिर के लिए जाना जाता था। इसके बाद यहां की एक और पहचान बन गई। वह था अनिल मिश्रा का परिवार। अनिल मिश्रा के चार बच्चे हैं और चारों अब आईएएस-आईपीएस हैं।

अनिल मिश्रा के बड़े बेटे आईएएस योगेश मिश्रा से बातचीत की गयी। उन्होंने अपने भाई-बहनों की जो कहानी बताई, वह बड़ी इंट्रेस्टिंग है।

दो कमरों का घर, दो लालटेन, पढ़ने वाले 4 लोग

लालगंज अझारा के इटौरी गांव में अनिल मिश्रा का छोटा सा दो कमरों का घर था। अनिल के परिवार में 6 लोग थे। वह, उनकी पत्नी और चार बच्चे-योगेश, क्षमा, माधवी और लोकेश। अनिल ग्रामीण बैंक में बतौर मैनेजर काम कर रहे थे। परिवार में कमाने वाले वही एक थे। जितनी सैलरी मिलती, वह सारा पैसा अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में लगा देते थे।

अनिल के बड़े बेटे योगेश बताते हैं कि हम चारों भाई-बहन में उम्र का ज्यादा अंतर नहीं था। सब एक साथ पढ़ाई करते थे। पढ़ने में बचपन से ही एक-दूसरे की मदद करते थे। घर में सिर्फ दो कमरे थे। कभी कोई मेहमान आ जाता, तो हमारी पढ़ाई डिस्टर्ब हो जाती। साथ ही गांव में उस वक्त लाइट की बहुत समस्या थी। योगेश बताते हैं, दिन में तो हम पढ़ लेते थे, लेकिन रात में पढ़ाई के लिए बहुत संघर्ष होता था। घर में तीन लालटेन थीं। एक लालटेन घर के दूसरे कामों में इस्तेमाल होती थी, तो हम चारों दो लालटेन की रोशनी में अपनी रोज की पढ़ाई पूरी करते थे। चारों भाई-बहन में सबसे बड़े योगेश हैं। चारों के यूपीएससी क्लियर करने की कहानी योगेश से ही शुरू होती है। योगेश ने लालगंज से ही 12वीं तक की पढ़ाई की, उसके बाद प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में बीटेक करने इलाहाबाद चले गए। कॉलेज से ही उन्हें सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी मिल गई। साल 2012 तक वह नोएडा में नौकरी करते थे। योगेश ने कभी आईएएस बनने का नहीं सोचा। बचपन से ही इंजीनियर बनना उनका सपना था। इस बीच उनकी दोनों बहनें क्षमा और माधवी दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रही थीं। छोटा भाई लोकेश दिल्ली से बीटेक कर रहा था।

आईएएस बनने के बाद ही राखी बंधवाऊंगा

साल 2012. क्षमा और माधवी ने तीसरी बार यूपीएससी का एग्जाम दिया। रक्षा बंधन से कुछ दिन पहले उनका रिजल्ट आया। दोनों एग्जाम में फेल हो गईं। कुछ दिन बाद रक्षा बंधन पर योगेश दोनों बहनों से राखी बंधवाने उनके पास गए। दोनों बहनें निराश थीं, तो योगेश ने दोबारा तैयारी करने के लिए उनका हौसला बढ़ाया।

साथ ही योगेश ने ये ठान लिया कि अपनी बहनों के लिए अब वो भी आईएएस बनकर दिखाएंगे। जिससे वो अपने छोटे भाई-बहन को गाइड कर सकें। योगेश बताते हैं, "मैंने उसी दिन तय कर लिया था कि मैं जब आईएएस बन जाऊंगा, तब ही बहनों से राखी बंधवाने आऊंगा।

नौकरी छोड़ योगेश ने शुरू की आईएएस की तैयारी

बहनों को तैयारी करने के सही तरीके बता सकें इसलिए योगेश अपनी इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़

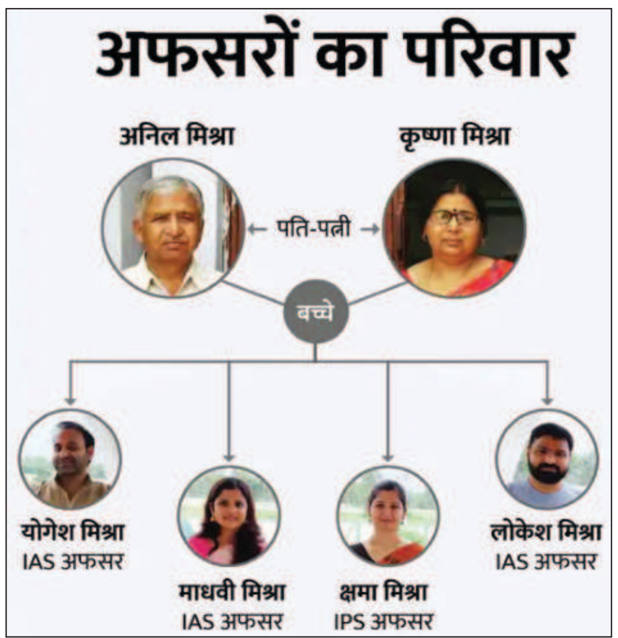

आईएएस की तैयारी करने लगे। वो बताते हैं, एग्जाम की तैयारी अच्छे से हो इसलिए हम चारों भाई-बहन दिल्ली के एक कमरे में साथ रहने लगे। मेरे जानने में कई ऐसे लोग थे जो यूपीएससी की तैयारी कर रहे थे या एग्जाम क्लियर कर चुके थे। मैंने सबसे मुलाकात की। उनके पास और फेल होने की वजहें जानी। उसी आधार पर मैंने तैयारी की स्ट्रेटेजी बनाई। हम चारों हिंदी-मीडियम से पढ़े थे तो अंग्रेजी समझने में दिक्कत होती थी। इसलिए हमने सारे नोट्स हिंदी में बनाना शुरू किए। सब अलग-अलग टॉपिक्स के नोट्स बनाते उसके बाद एक दूसरे को उन नोट्स से पढ़ाते थे। हम हर रात बैठकर पूरे दिन सबने जो पढ़ाई की उसका डिस्कशन भी करते थे।

पापा चाहते थे कि चार में एक बच्चा आईएएस बन जाए

योगेश बताते हैं, "परिवार में समस्याएं होने के बावजूद पापा ने हमारी पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। उन्होंने हम चारों की पढ़ाई पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया, लेकिन कभी कुछ थोपा नहीं। कई बार रिश्तेदारों और पड़ोसियों से सुनने में मिला कि पापा चाहते हैं उनके चारों बच्चों में से कम से कम एक तो यूपीएससी का एग्जाम क्लियर करे और आईएएस बने। इसलिए मैं अपनी बहनों के साथ-साथ अपने पापा का भी सपना पूरा करने में पूरी ताकत से जुट गया।"

साल 2013 योगेश ने यूपीएससी का एग्जाम दिया। रिजल्ट आया। योगेश के पापा का सपना पूरा हो गया। उन्होंने पहले ही अटेम्प्ट में यूपीएससी एग्जाम क्लियर किया और आईएएस बन गए। योगेश बताते हैं, "मेरी दोनों बहनें बहुत मेहनत करतीं थीं, लेकिन उनके पास सही गाइडेंस नहीं था। एग्जाम की तैयारी करते वक्त मुझे समझ आया कि वो कहां गलत जा रही हैं। इसलिए मैंने उन्हें सही तरह से तैयारी करने के लिए गाइड किया। इसके बाद उन्होंने फिर से यूपीएससी एग्जाम देने का तय किया।" क्षमा और माधवी ने योगेश के बताए तरीके से तैयारी शुरू की। अगले साल, यानी 2014 में दोनों बहनों सहित उनके छोटे भाई लोकेश ने भी अपने बड़े भाई से प्रेरित होकर यूपीएससी का एग्जाम दिया। इस बार माधवी और लोकेश ने बाजी मार ली। माधवी झारखंड कैडर की आईएएस बनीं। इस वक्त वह झारखंड के रामगढ की डीएम हैं। लोकेश का नाम रिजर्व लिस्ट में था। पर उन्हें खुद पर भरोसा था कि वह दोबारा में अच्छे नंबर ला सकते हैं। उन्होंने एक और बार एग्जाम देने का फैसला किया। साल 2015 में क्षमा और लोकेश ने फिर से एग्जाम दिया। दोनों ने एग्जाम पास कर लिया। लोकेश इस वक्त झारखंड के कोडरमा में पोस्टेड हैं। वहीं क्षमा आईपीएस हैं और इस वक्त बेंगलुरु में तैनात हैं।

योगेश बताते हैं, "हम चारों एक साथ 2019 के रक्षा बंधन में मिले थे। पहले जब भी हम सब इकट्ठा होते थे तो अपने स्कूल के दिनों और घर-परिवार की बातें होती थीं। लेकिन, अब सबके सिलेक्शन के बाद हमारे काम से जुड़ी बातें ज्यादा होती हैं।

योगेश बताते हैं कि कई ऐसे एस्पिरेंट्स हैं जो पूरी मेहनत करते हैं, लेकिन उनका सिलेक्शन नहीं होता। वजह ये कि उनके बेसिक कॉन्सेप्ट क्लियर नहीं होते। साथ ही उनके पास तैयारी के सही तरीके बताने के लिए कोई नहीं होता। इसलिए मेरी बहनों ने सलाह दी कि जो एस्पिरेंट्स असफल हो जाते हैं, उनको हमें गाइड करना चाहिए। अब हम सब मिलकर एक यू-ट्यूब चैनल चलाते हैं और ऐसे सभी बच्चों को गाइड करने की पूरी कोशिश करते हैं।

झारखंड के राज्यपाल का बड़ा बयान

वहां के राजनीतिक हालत पर रमेश बैस ने कहा- कभी भी फूट सकता है एटम बम

रायपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड का सियासी संकट पूरी तरह टला नहीं है। राज्यपाल रमेश बैस ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता संबंधी चुनाव आयोग की सिफारिश पर सेकेंड ओपिनियन मांगा है। दीपावली पर रायपुर में अपने घर पहुंचे राज्यपाल रमेश बैस ने कहा है कि हो सकता है कि झारखंड में कोई एटम बम फूट जाए।

एक निजी चैनल से बातचीत में राज्यपाल रमेश बैस ने कहा, दिल्ली में पटाखों पर बैन है। झारखंड में पटाखों पर प्रतिबंध नहीं है। अब हो सकता है कि कहीं एकाध एटम बम फट जाए। झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस गठबंधन की सरकार को अस्थिर करने के आरोपों पर भी राज्यपाल ने अपनी सफाई देने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, सरकार को अस्थिर करने की मंशा होती तो चुनाव आयोग की सिफारिश के आधार पर मैं कोई निर्णय ले सकता था। लेकिन मैं नहीं चाहता कि बदले की भावना से या किसी को परेशान करने के लिए कोई कार्रवाई की जाए। राज्यपाल रमेश बैस ने कहा, मैं संवैधानिक पद पर हूं। मुझे संविधान की रक्षा

करनी है, संविधान के अनुसार चलना है। मेरे ऊपर कोई उंगली न उठाये इसके लिए मैंने सेकेंड ओपिनियन मांगा है।

चुनाव आयोग की सिफारिश भी नहीं बता रहे हैं राज्यपाल

भाजपा की एक शिकायत और चुनाव आयोग की एक सिफारिश ने झारखंड की राजनीति में हलचल मचाया हुआ है। 25 अगस्त को चुनाव आयोग ने राज्यपाल को एक सिफारिश भेजी। बताया जा रहा है कि आयोग ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता समाप्त करने की सिफारिश की है। राज्यपाल यह सिफारिश किसी को नहीं बता रहे हैं। झामुमो के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से इसे मांगा, नहीं मिला। आयोग से मांगा तो वहां से भी मना कर दिया गया। राज्यपाल का कहना था, उन्हें निर्णय के लिए कोई बाध्य नहीं कर सकता।

इस साल जनवरी-फरवरी में भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर आरोप लगाया कि उन्होंने सीएम रहते हुए एक खदान को लीज पर लिया है। शिकायत राज्यपाल से होते हुए चुनाव आयोग तक पहुंची। तीन महीने तक मामले में चुनाव आयोग में मामला चलता रहा। अगस्त में चुनाव आयोग ने एक विशेष दूत के जरिये अपनी सिफारिश राज्यपाल को भेजी। उसके बाद से प्रदेश में राजनीतिक संकट की स्थिति बन गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा और केंद्र सरकार पर उनकी सरकार को अस्थिर करने की साजिश का आरोप लगाया। खरीद-फरोख्त की संभावना को टालने के लिए विधायकों को रायपुर के एक रिसॉर्ट में रखा गया।

आकाश शर्मा बने युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

71% वोटों से चुनाव जीता था, साक्षात्कार के बाद मिली नियुक्ति, हारे हुए दोनों डेलीगेट उपाध्यक्ष बनाए गए

रायपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय युवा कांग्रेस ने आकाश शर्मा को छत्तीसगढ़ में संगठन का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। आकाश शर्मा ने पिछले महीने 71% से अधिक वोट हासिल कर युवा कांग्रेस का चुनाव जीता था। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में एक साक्षात्कार के बाद आकाश को नियुक्ति पत्र जारी कर दिया गया। इस चुनाव में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे आशीष मोनू अवस्थी और मानस सुमन पाण्डेय को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। युवा कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष नियुक्ति से पहले संगठन ने मतदान और साक्षात्कार की प्रक्रिया तय की थी। संगठन ने चुनाव में अध्यक्ष पद के तीनों उम्मीदवारों को दिल्ली बुलाया। वहां युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी. ने तीनों नेताओं का अलग-अलग साक्षात्कार लिया। इस दौरान संगठन को लेकर इन नेताओं की योजना पूछी गई। लंबी बातचीत के बाद आकाश शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दे दी गई है। वहीं आशीष मोनू अवस्थी और मानस सुमन पाण्डेय को उपाध्यक्ष बनाकर संगठन में नया जोश पैदा करने की जिम्मेदारी दी गई। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने बताया, जिम्मेदारी मिलते ही उनका काम शुरू हो गया है। वे जल्दी ही संगठन को बूथ स्तर तक ले जाने की पूरी कार्ययोजना के साथ मैदान में उतरेंगे। यह उनकी जिम्मेदारी है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार की अच्छी योजनाओं को लोगों के बीच लेकर जाएं। युवाओं को संगठन से जोड़ें और अगले वर्ष होने वाले चुनाव में जीत में उनकी भूमिका तय करें। आकाश शर्मा ने कहा, उन्हें वरिष्ठों का भी मार्गदर्शन मिल रहा है। युवा कांग्रेस में आकाश शर्मा ने पूर्णचंद कोको पाढ़ी की जगह ली है। पाढ़ी को केंद्रीय संगठन में जगह दी गई है। छत्तीसगढ़ में युवा कांग्रेस ने 17 लाख से अधिक सदस्य बनाये थे।

2 साल के बच्चे के पेट में जमा थे पत्थर के 350 टुकड़े

डॉक्टरों ने सर्जरी कर निकाला

जमशेदपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। चाकुलिया के कांटाबनी गांव निवासी सुंदर मोहन महतो के 2 वर्षीय बेटे जयराम महतो के पित्त की थैली से 350 से अधिक पत्थर के छोटे-छोटे टुकड़े निकले। डिमना रोड स्थित डॉ. नागेंद्र सिंह के क्लीनिक में बच्चे का ऑपरेशन हुआ। बच्चे के पिता ने बताया कि उनके बेटे को पेट में दर्द हो रहा था, जिसके बाद बेटे को डॉ. नागेंद्र के यहां लाया गया। बच्चे का अल्ट्रासाउंड कराया गया, जिसमें पथरी की बात सामने आई। इतने कम उम्र में पथरी का केस देख डॉक्टर भी हैरान हो गए।

दोबारा अल्ट्रासाउंड कराया गया तो फिर पहले जैसा ही रिपोर्ट आया। तब उसकी सर्जरी करने का निर्णय लिया गया, लेकिन कम उम्र के कारण दूरबीन से सर्जरी मुश्किल थी। डॉ. नागेंद्र सिंह ने अपने साथ फिजिशियन डॉ. राम कुमार, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक व एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. रूद्र प्रताप को अपने साथ लिया और बच्चे की सर्जरी कर पित्त की थैली से पत्थर के सारे टुकड़े निकाले। डॉ. नागेंद्र ने कहा कि 32 साल से प्रैक्टिस कर रहा हूं और कई सर्जरी की है। लेकिन इतने कम उम्र के मरीज की पहली बार सर्जरी की है।

पित्त की थैली से निकले तीन पत्थर चने का आकार और बाकी सरसों के आकार के थे। ऑपरेशन के बाद मरीज बिल्कुल स्वस्थ है और उसे पेट दर्द से भी राहत मिली है।

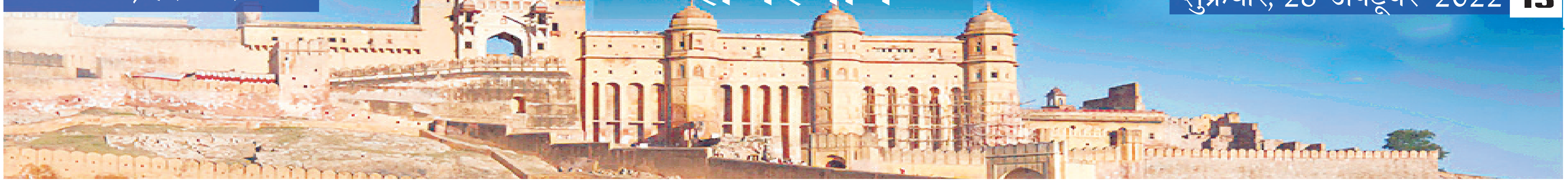

ब्यूरोक्रेसी को फ्लैगशिप योजनाओं की खास मॉनिटरिंग का जिम्मा

सीएम गहलोत इन योजनाओं को मानते हैं सरकार रिपीट करवाने का मुख्य आधार

सीएम ने खुद पत्नी संग इंदिरा रसोई में भोजन किया था

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश में लगातार एक महीने से राजनीतिक अस्थिरता का माहौल जारी है और कांग्रेस में प्रदेश से लेकर केन्द्र तक बनने वाले नए संगठनात्मक ढांचे की कवायद भी बुधवार से ही शुरू हो गई है। इस बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं की मॉनिटरिंग बढ़ाने का निर्णय लिया है, ताकि जनता में कांग्रेस सरकार का संदेश सही बना रहे। कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों का असर गहलोत ब्यूरोक्रेसी और प्रशासनिक मॉनिटरिंग पर नहीं पड़ना देना चाहते हैं। इंदिरा रसोई योजना के बारे में तो गहलोत ने अफसरों और जन प्रतिनिधियों को साफ कहा है कि वे महीने में दो बार इन रसोइयों में स्वयं खाना खाएं, ताकि लोगों के भोजन, पोषण और सेहत से जुड़ी इस योजना की बेहतर मॉनिटरिंग हो सके।

इसके लिए उन्होंने करीब 15 दिन पहले विभिन्न बोर्ड-निगमों के अध्यक्षों-उपाध्यक्षों को जयपुर बुलाकर उन्हें सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का प्रचार करने, भाजपा के आरोपों का जवाब देने और तार्किक बहस को आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। अब गहलोत ने दीवाली से ठीक पहले मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के माध्यम से सभी विभागाध्यक्षों, संभागीय आयुक्तों और जिला कलक्टरों को फ्लैगशिप योजनाओं की निरंतर मॉनिटरिंग करने और स्वयं मौके पर जाकर उन्हें जांचने को कहा है। कुछ दिनों पहले मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने भी जयपुर में एक स्कूल का खुद निरीक्षण किया था।

ब्यूरोक्रेसी को स्पष्ट संदेश देने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी पत्नी सुनीता गहलोत के साथ जयपुर में इंदिरा रसोई योजना के तहत भोजन किया। उन्होंने समस्त ब्यूरोक्रेसी को अपना संदेश समझा दिया कि वे फ्लैगशिप योजनाओं के प्रति कैसी गुड गवर्नेन्स चाहते हैं। उन्होंने रसोई में भोजन करने वालों से भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और माहौल के बारे में भी फीडबैक लिया।

इस अवसर पर उनके साथ रहे विधानसभा के मुख्य उप सचेतक महेन्द्र चौधरी ने बताया कि फ्लैगशिप योजनाएं ही हमारी सरकार की सबसे बड़ी ताकत हैं। इनकी मॉनिटरिंग के लिए सीएम गहलोत ने भी सभी को कहा है। मैंने स्वयं ने भी मेरे क्षेत्र (नावां-कुचामन) में अधिकारियों को चेता दिया है।

100 से अधिक फ्लैगशिप योजनाएं

गहलोत सरकार में राजस्थान में विभिन्न विभागों में 100 से अधिक फ्लैगशिप योजनाएं संचालित हैं। गहलोत अपनी सरकार को अगले वर्ष चुनावों में रीपीट करवाने का पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। वे कई मौकों पर अपनी फ्लैगशिप योजनाओं को सरकार रीपीट करवाने का मुख्य आधार मानते हैं। ऐसे में ब्यूरोक्रेसी को उन पर फोकस करवाना बहुत जरूरी है।

चिरंजीवी मुफ्त चिकित्सा बीमा योजना

देश के किसी भी राज्य में 10 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त उपलब्ध करवाने वाली कोई और योजना नहीं है। इस योजना में शामिल लोगों को 10 लाख रुपए तक का इलाज पूर्णतः मुफ्त मिलता है।

इंदिरा रसोई

इस योजना के तहत प्रदेश भर लाखों लोगों को रोजाना मात्र 8 रुपए प्रति प्लेट की दर से भोजन मिलता है, जिसमें दाल, रोटी, चावल और सब्जी शामिल है।

शहरी रोजगार गारंटी योजना

इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित नरेगा की तर्ज अब शहरी क्षेत्रों में भी बेरोजगार मजदूरों को न्यूनतम 100 दिनों के लिए गांरटीड रोजगार मिलेगा। इस योजना का उद्घाटन हाल ही स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया था।

वृद्धावस्था पेंशन

इसके तहत 58 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष और 55 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाएं पात्र हैं। उनकी पेंशन 750 से रुपए प्रतिमाह शुरू होती हैं। 65 वर्ष की उम्र पर यह 1000 रुपए प्रतिमाह मिलती है।

उड़ान योजना

इस योजना के तहत किशोरियों-युवतियों को स्कूल-कॉलेजों में मुफ्त सैनेटरी पैड दिए जाते हैं। इस योजना के तहत हाल ही सरकार को सैनेटरी पैड की खराब गुणवत्ता की शिकायत मिली थी।

अब राजस्थान के मदरसों में होंगे स्मार्ट क्लासरूम

ऑडियो-वीडियो विजुअल की मदद से होगी पढ़ाई, रेजिडेंशियल स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा

50 करोड़ रुपए अप्रूव किए गए

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की गहलोत सरकार ने प्रदेश के 500 मदरसों में स्मार्ट क्लासरूम बनाने का फैसला लिया है। साथ ही, 344 अवासीय स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी भी खोली जाएगी। गहलोत ने इनके लिए करीब 50 करोड़ की वित्तीय अप्रूवल दी है। राजस्थान के मदरसों को आधुनिक टेक्नोलॉजी से जोड़ने और रेजिडेंशियल स्कूलों में पढ़ रहे लोवर इनकम ग्रुप स्टूडेंट्स को क्वालिटी एजुकेशन देने की शुरुआत के तौर पर इसे देखा जा रहा है।

मदरसों में स्टूडेंट्स अब ब्लैक बोर्ड की जगह स्मार्ट बोर्ड के जरिए तालीम हासिल करेंगे। मुख्यमंत्री गहलोत ने इसके लिए 13.10 करोड़ रुपए का एडिशनल बजट स्वीकृत किया है। राजस्थान मदरसा बोर्ड में रजिस्टर्ड मदरसों में से 500 मदरसों में स्मार्ट क्लासरूम बनाए जाएंगे। इसके लिए हर मदरसे पर 2.62 लाख रुपए खर्च होंगे। गहलोत ने साल 2022-23 के बजट में रजिस्टर्ड मदरसों में स्मार्ट क्लासरूम मय इंटरनेट की सुविधा स्टेप बाय स्टेप चालू करने की घोषणा की थी। इसके तहत पहले फेज में आने वाले साल में 500 मदरसों को अपग्रेड किया जाएगा।

गहलोत ने डिजिटल लाइब्रेरी खोलने के लिए 36.56 करोड़ रुपए की वित्तीय सहमति भी दे दी है। एजुकेशन सेक्टर में आईटी को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने यह फैसला लिया है। डिजिटल लर्निंग के महत्व को समझते हुए सीएम ने यह फैसला लिया है।

इस स्वीकृति से जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, समाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, अल्पसंख्यक मामलात विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग के तहत चल रहे अलग-अलग रेजिडेंशियल स्कूल्स, मल्टीपरपज हॉस्टल, कस्तूरबा गांधी स्कूलों में आधुनिक फैसिलिटी से लैस डिजिटल लाइब्रेरी बनेंगी।

राजस्थान विधानसभा में वित्त और विनियोग विधेयक 2022-23 की चर्चा के दौरान गहलोत ने इसकी घोषणा की थी। लोवर इनकम ग्रुप के स्टूडेंट्स को इसका फायदा दिलाने के लिए अलग-अलग डिपार्टमेंट के अधीन रेजिडेंशियल एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स और सिलेक्टेड स्कूल्स में 9वीं से 12वीं की क्लासेस के लिए डिजिटल लाइब्रेरी और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सीएम ने फायनेंशियल प्रोविजन करने की घोषणा की थी।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों के नाम फाइनल, जल्द ऐलान

दिल्ली तक दौड़ लगा रहे दावेदार ; पायलट-गहलोत गुट में फिर खींचतान की आशंका

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के साथ ही अब राजस्थान में जल्द ही नए जिलाध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त होंगे। राजस्थान में तमाम जिलों के शहर और देहात के जिलाध्यक्ष और हर ब्लॉक के अध्यक्ष नियुक्त किए जाएंगे। ये नाम तय हो चुके हैं।

इन्हें लिफाफे में बंद कर इलेक्शन अथॉरिटी को भेजा जा चुका है। अब कांग्रेस के नए अध्यक्ष की अनुमति से इनकी घोषणा कर दी जाएगी। पर्यवेक्षकों के आने के बाद से अलग-अलग पदों के दावेदार जयपुर से लेकर दिल्ली तक बड़े नेताओं के यहां भागदौड़ कर रहे हैं।

राजस्थान के 200 विधानसभा क्षेत्र के लिए दो-दो ब्लॉक अध्यक्षों के नाम तय किए गए हैं। इसके अलावा राजस्थान के 20 से ज्यादा जिलों के शहर और देहात के जिलाध्यक्षों के नाम भी तय कर लिए गए हैं। अब अथॉरिटी इन नामों की घोषणा करेगी। वहीं, जिला व ब्लॉक अध्यक्षों के नाम सामने आने के बाद फिर से कांग्रेस की राजनीति गर्मा सकती है।

दावेदारों से मिले पर्यवेक्षक, डिस्कशन के बाद हुए तय

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के दौरान पीसीसी सदस्य और डेलिगेट्स के चयन के दौरान ही प्रदेशभर से इन पदों पर नियुक्ति का प्रोसेस हो चुका है। हर जिले में जाकर जिलाध्यक्ष के लिए पर्यवेक्षकों ने संभावित दावेदारों से मुलाकात की और चर्चा की।

इसके अलावा हर डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी के स्तर पर भी चर्चा की गई है। राजस्थान में फिलहाल 13 ही जिलाध्यक्ष नियुक्त हैं। प्रदेशभर में शहर देहात मिलाकर 30 से भी ज्यादा जिलाध्यक्षों की नियुक्ति फिलहाल होनी है।

पीसीसी चीफ का निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष पर

इसके अलावा देश के तमाम प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रेसिडेंट के निर्णय को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर छोड़ा गया है। जिस तरह प्रदेश प्रभारियों ने इस्तीफे दिए। उस तरह प्रदेश के अध्यक्षों से इस्तीफे नहीं मांगे गए हैं। प्रदेशाध्यक्षों का निर्णय नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पर छोड़ा गया है। ऐसे में अब जिस पीसीसी चीफ को पद पर बरकरार रखना होगा वह रहेगा। वहीं, जहां बदलना होगा, वहां राष्ट्रीय अध्यक्ष उसे बदल देंगे। इसी तरह 400 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्तियां भी होनी है। ब्लॉक के लिए दावेदारों ने अपने स्तर पर पर्यवेक्षकों और पीसीसी को नाम दिए हैं। इन्हीं के आधार पर डीसीसी और प्रदेश के पदाधिकारियों ने मिलकर नए ब्लॉक अध्यक्षों के नाम तय कर लिए हैं।

बता दें कि 2020 में सचिन पायलट गुट की ओर हुई बगावत के बाद पूरे प्रदेश की कार्यकारिणी भंग कर दी गई थी। उसके बाद से कुछ जगहों को छोड़कर बाकी नियुक्तियां नहीं हुई हैं।

'राजस्थान विधानसभा की बिल्डिंग में भूत है'

कांग्रेस नेता बोले- इमारत में आत्मा बैठी है, उसके साथ अन्याय हुआ; अनुष्ठान कराएं

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का नया भवन बनने के बाद से ही कभी एक साथ पूरे विधायक नहीं बैठ पाने के संयोग को लेकर चर्चाएं होती रहती हैं। अब कांग्रेस नेता और नागौर से पूर्व विधायक हबीबुर्रहमान ने विधानसभा की बिल्डिंग में भूत का साया होने की बात कही है।

उन्होंने इमारत में किसी की आत्मा होने का दावा करते हुए अनुष्ठान करवाने की मांग की है। हबीबुर्रहमान ने कहा- 'विधानसभा की बिल्डिंग में कोई न कोई ऐसी आत्मा बैठी है, जिसे यह लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है। इसीलिए यहां कभी सभी 200 विधायक कभी भी एक साथ नहीं बैठ सके। विधानसभा भवन में अनुष्ठान करवाया जाना चाहिए। जो भी आत्मा है, उसकी संतुष्टि के लिए उपाय करना चाहिए।'

पूर्व विधायक ने कहा- 'विधानसभा की इस नई बिल्डिंग में कभी भी 200 विधायक पूरे नहीं हुए। राज्यपाल के अभिभाषण से लेकर बजट हो या सामान्य बैठक हो, कभी यहां पूरे विधायक नहीं हुए। जब हरिशंकर भाभड़ा पुरानी विधानसभा में स्पीकर थे, तब विधानसभा की इस नई बिल्डिंग बनाने के लिए डेलिगेशन ने दौरा किया था, उसमें मैं भी था। विधानसभा की इस जमीन पर एक तरफ नगर निगम कचरा डालता था। एक तरफ श्मशान था। दूसरी तरफ बच्चों का कब्रिस्तान। एक तरफ लोग खेती करते थे, एक कुंआ भी था।' उन्होंने आगे बताया कि जहां विधानसभा की इमारत बनी है, उसके काफी हिस्से में लोग खेती करते थे। जब यह जमीन एक्वायर की गई थी, उस समय किसानों से मुआवजे का वादा किया गया होगा। जिन किसानों से जमीन ली गई, उन्हें आज तक मुआवजा नहीं दिया गया। उस वक्त हमारे पास कई बुजुर्ग लोग आए थे।

वे कह रहे थे कि उन्हें मुआवजा नहीं मिला है। बिना मुआवजे के कई लोगों की मौत हो चुकी है। विधानसभा भवन की निर्माणाधीन लिफ्ट में गिरने से भी कुछ मजूदरों की मौतें हुई थीं। यहां कोई तो बात है। खबर में आगे बढ़ने से पहले नीचे दिए गए पोल में हिस्सा लेकर आप अपनी राय जाहिर कर सकते हैं। हबीबुर्रहमान ने कहा- 'यहां किसी की तो बद्दुआ है। जिन किसानों की जमीन ली गई, उनका बकाया मुआवजा देना चाहिए। यहां कोई न कोई हस्ती या आत्मा बैठी है, जिसके साथ अन्याय हुआ है। हमारे कई युवा एमएलए की भी डेथ हो चुकी है।

सरदारशहर वाले भवंरलाल शर्मा गुजर गए। कोरोनाकाल में चार विधायकों की मौत हो गई। इस अपशकुन से बचने के लिए जिनका मुआवजा बकाया है, उन जमीन मालिकों को कुछ मुआवजा देना चाहिए। यहां पूजा-पाठ होना चाहिए। मैंने एक बार शून्य काल में सदन में यह मामला उठाया था तो मेरा मजाक उड़ाया था, लेकिन मैं अब भी अपनी बात पर कायम हूं।

बहन बेटियों को बेचा जा रहा स्टाम्प पर

सांसद बोलीं- जातीय पंचायत नर्क बना रही बच्चियों की जिंदगी, कांग्रेस सरकार पर बोला हमला

भरतपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भरतपुर सांसद रंजीता कोली ने भीलवाड़ा में जातीय पंचायत द्वारा बहन बेटियों को गुलाम बनाने के मामले को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला, सांसद रंजीता कोली ने कहा कि, प्रियंका गांधी कहती हैं कि, लड़की हूं लड़ सकती हूं। लेकिन राजस्थान में जातीय पंचायत द्वारा बहन बेटियों की जिंदगी को नर्क बनाया जा रहा है।

सांसद रंजीता कोली ने कहा कि, प्रदेश में जातीय पंचायत के माध्यम से बहन बेटियों पर जुर्म हो रहा है। उनकी जिंदगी नर्क बनाई जा रही है। ऐसे मामलों को लेकर कभी सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी ने राज्य सरकार से जबाव नहीं मांगा, लेकिन सीएम गहलोत से इस्तीफा ले लेना चाहिए, क्योंकि राजस्थान सरकार कानून व्यवस्था नहीं संभाल पा रही। भीलवाड़ा में बहन बेटियों को स्टाम्प पर भेड़ बकरियों की तरह बेचा जा रहा है। लेकिन सरकार और प्रशासन हाथ पर हाथ रखकर बैठा है।सांसद रंजीता कोली ने मांग की है कि, ऐसे हैवानों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

क्या खड़गे का फॉर्मूला राजस्थान में लाएगा भूचाल?

50% पद युवाओं को देने की बात कही, गहलोत की प्राथमिकता अनुभव

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस के नए अध्यक्ष के तौर पर बुधवार को दिल्ली में पदभार ग्रहण कर लिया। इसी के साथ खड़गे ने अपने भाषण में कांग्रेस को मजबूत करने की बात कही। मगर खड़गे ने जिन बातों पर सबसे ज्यादा फोकस किया वो थी राजस्थान के उदयपुर में हुए चिंतन शिविर के ब्लू प्रिंट को लागू करना और पार्टी में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाना। खड़गे के भाषण से यह साफ होता है कि कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस अध्यक्ष का फोकस पार्टी में युवाओं को मजबूती देने पर है। ऐसे में इसका राजस्थान पर क्या और कैसे असर पड़ेगा यह देखना रोचक होगा।

खड़गे ने भाषण में कहा कि 'उदयपुर में जो ब्लू प्रिंट लागू हुआ था उसे लागू करने की जिम्मेदारी हम सब पर है। उदयपुर में हमने तय किया था कि युवाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। संगठन में 50 प्रतिशत पद 50 की उम्र से कम लोगों को देंगे। इसके अलावा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को सशक्त किया जाएगा। ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खाली पदों को भरा जाएगा।' खड़गे ने कहा कि 'उदयपुर संकल्प में जो निर्णय लिया है। पब्लिक इनसाइट डिपार्टमेंट, एआईसीसी इलेक्शन मैनेजमेंट डिपार्टमेंट बनाए जाएंगे। सभी राज्यों में जल्द ही पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी बनेगी।'

खड़गे के भाषण में उनका पूरा फोकस युवाओं पर था। साथ ही यह भी कहा कि देशभर में ब्लॉक से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संगठन में जो भी नियुक्तियां नहीं हुई हैं, उन्हें भरा जाएगा। ऐसे में अगर इसे राजस्थान के संदर्भ में देखा जाए तो कई मायने निकलते हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि अगर पार्टी युवाओं वाला फॉर्मूला लागू करती है तो इसका बड़ा असर राजस्थान की राजनीति पर देखने को मिलेगा।

खड़गे दिल्ली में जिस वक्त बयान दे रहे थे तब राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत उनके ठीक सामने थे। गहलोत के सामने ही खड़गे ने युवाओं पर फोकस की बात की। एक ओर जहां कांग्रेस पार्टी का फोकस पूरी तरह युवाओं पर नजर आता है। वहीं दूसरी ओर गहलोत लगातार अनुभव की वकालत करते आए हैं। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के दिन सहित कई मौकों पर गहलोत ने अनुभव की वकालत की।

गहलोत लगातार बोलते आ रहे हैं कि अनुभव की जगह कोई नहीं ले सकता। युवाओं को आईना दिखाने के लिए वे रगड़ाई शब्द का भी उपयोग करते हैं। कुल मिलाकर गहलोत के बयानों का सार युवाओं के मुकाबले अनुभव को तरजीह देने पर निकलता है। वहीं दूसरी ओर पार्टी का फोकस उनकी सोच से विपरीत है।

सीएम गहलोत गुजरात में निकालेंगे 'भारत जोड़ो पदयात्रा'

अब गुजरात चुनावों पर फोकस करेंगे गहलोत

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीऐम अशोक गहलोत कल 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक 4 दिन गुजरात के चुनावी दौरे पर रहेंगे। इस दौरान उनका 6 जगह जनसभाएं करने का कार्यक्रम रहेगा। गहलोत बनासकांठा में भारत जोड़ो पदयत्रा में भी शामिल होंगे। बुधवार को दिल्ली दौरे के दौरान CM गहलोत, राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। इस दौरान राहुल और गहलोत ने खड़गे से गुजरात में भारत जोड़ो यात्रा और विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी चर्चा की।

सीएम गहलोत के गुजरात दौरे और भारत जोड़ो पदयात्रा के अपने मायने हैं। अशोक गहलोत ने पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भी राहुल गांधी के साथ गुजरात में चुनावी दौरे किए थे। इस दौरान दोनों नेता आदिवासियों के बीच भी पहुंचे। कांग्रेस की हार हुई, लेकिन PM मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के गृह राज्य में कांग्रेस की परफॉर्मेंस काफी अच्छी रही। कुल 182 में से 99 सीटों पर BJP, 80 सीटों पर कांग्रेस, 3 सीटों पर अन्य ने जीत दर्ज की थी। चुनाव परिणाम BJP के लिए भी चौंकाने वाले रहे थे। अशोक गहलोत इस बार भी गुजरात में भारत जोड़ो पदयात्रा निकालकर पॉलिटिकल मैसेज देंगे।

गहलोत के लिए राहत के संकेत

गुजरात के प्रदेश कांग्रेस प्रभारी डॉ रघु शर्मा के इस्तीफे के बाद CM अशोक गहलोत का यह गुजरात दौरा हो रहा है। गहलोत गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के सीनियर ऑब्जर्वर हैं। चुनावी जिम्मेदारियों से पार्टी ने किसी नेता से इस्तीफा नहीं लिया है। राजस्थान के प्रभारी अजय माकन का इस्तीफा होना भी गहलोत खेमे के लिए फिलहाल राहत की बात माना जा रहा है। क्योंकि गहलोत खेमे ने माकन पर पक्षपात करने के आरोप खुलकर लगाए थे। माना जा रहा है कि राजस्थान में जल्द ही किसी दूसरे नेता को प्रभार सौंपा जाएगा। क्योंकि राजस्थान में भी एक साल बाद ही विधानसभा चुनाव हैं।

तय शेड्यूल के मुताबिक सीएम गहलोत 28 अक्टूबर को सुबह 9 बजे जयपुर से स्पेशल प्लेन से वड़ोदरा के लिए रवाना होंगे। सुबह 10.15 बजे वडोदरा पहुंचेंगे। सुबह 11 बजे गरबदा में जनसभा को संबोधित करेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर से रवाना होकर फतेहपुरा (जालोद) पहुंचेंगे और दोपहर 2 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे।

राजस्थान में रात का तापमान 10 डिग्री तक पहुंचा

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विंटर सीजन से 20 दिन पहले ही ठंड आ गई है। सुबह और रात के वक्त सर्दी की शुरुआत हो गई है। एक दिन पहले सीकर में रात का तापमान 10.5 डिग्री तक पहुंचने के बाद गुरुवार सुबह मौसम विभाग की रिपोर्ट में हनुमानगढ़ के संगरिया में न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। चित्तौड़गढ़ में 13.7 डिग्री टेम्प्रेचर रिकॉर्ड हुआ है। चूरू में 14.5, अलवर और करौली में 15.2 डिग्री,चित्तौड़गढ़ में 15.5, बारां के अंता में 15.7, उदयपुर के डबोक में 15.8 डिग्री सेल्सियस तक न्यूनतम तापमान लुढक गया है।

राजस्थान में 15 नवम्बर के बाद ठंड की शुरुआत मानी जाती है। इस साल 26 अक्टूबर से ही प्रदेश की हवा में ठंडक घुलने लगी है। रात के टेम्प्रेचर में भी 1 से 5 डिग्री तक की गिरावट बीते 3 दिन में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में देखी गई है। सीकर और हनुमानगढ़ के संगरिया में 5 डिग्री, भीलवाड़ा में 2 डिग्री, वनस्थली में 2 डिग्री, कोटा में 2.1 डिग्री, जवाई बांध पाली में 2 डिग्री, जोधपुर के फलौदी में 4 डिग्री, श्रीगंगानगर में 2 डिग्री, चूरू में 1.8 डिग्री और बीकानेर में 1.6 डिग्री, जयपुर में 1.1 डिग्री, पिलानी झुंझुनूं में 1.1 डिग्री, जैसलमेर में 1.2 डिग्री तक न्यूनतम तापमान में गिरावट इस दौरान दर्ज की गई है।

तेज ठंड नवम्बर आखिर में शुरू होगी, मार्च शुरुआत तक रहेगी

राजस्थान में नवम्बर के आखिरी हफ्ते से ही इस बार तेज ठंड की शुरुआत हो जाएगी। जैसी ठंड 15 दिसंबर बाद पड़ती है उसका एहसास 20 दिन पहले ही प्रदेश में होने लगेगा। आम तौर पर 15 फरवरी तक प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ती है। इस बार 15-20 दिन बाद तक यानी मार्च के शुरुआती हफ्ते तक ठंड कायम रहेगी। इस बार शीतलहर लम्बे वक्त तक प्रदेश में रहेगी।

मौसम ड्राई रहेगा

मौसम विभाग ने अगले एक हफ्ते तक मौसम सूखा रहने की सम्भावना जताई है। इस दौरान बारिश नहीं होगी। अब प्रदेश में धीरे-धीरे ठंड बढ़ेगी।

गुजराती प्रगति समाज ने भव्यता से मनाया स्नेह मिलन

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगति समाज द्वारा आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया, जिसमें गुजराती नव वर्ष पर डायरो लोक गीत-संगीत का सभी ने खूब आनंद लिया। काचीगुडा स्थित घनश्याम पटेल भवन में समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गुजरात के प्रसिद्ध लोक गायकों ने गुजरात की समृद्ध परंपरा, भक्ति को अपने गीत संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में श्री गुजराती प्रगति समाज के अध्यक्ष महेश पटेल ने सभी को गुजराती नूतन वर्ष की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि नववर्ष की शुरुआत गुजरात की लोक संस्कृति से करने के उद्देश्य से इस बार स्नेह मिलन में कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि लोग इससे जुड़े रहें। गुजराती लोगों की खासियत होती है कि वे जहां भी जाते हैं अपनी संस्कृति और विरासत को नहीं भूलते और उसका पालन अवश्य करते हैं। समाज के मंत्री जिग्नेश दोशी ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि समाज कई उल्लेखनीय कार्य कर रहा है और इसी प्रकार अपने नाम के अनुरूप भी भविष्य में प्रगति करता रहे। सभी कार्यों में समाज के सदस्यों का काफी सहयोग मिल रहा है।

अवसर पर कार्यक्रम समिति की संयोजिका भारती बेन पटेल ने गुजरात से आये कलाकारों की सराहना करते हुए समाज के लोगों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष महेश पटेल, उपाध्यक्ष गोविन्द भाई शाह, मंत्री जिग्नेश दोशी, कोषाध्यक्ष अंबालाल पटेल, गोपाल पटेल, भारती ए. पटेल, घनश्याम पटेल, उदय मेहता, हरजीवन के. पटेल, जे.डी. पटेल, संतोषी मेहता, अनिल पटेल, भूदरलाल पटेल, हरिलाल के. पटेल, लालाजी पटेल, अरविन्द पटेल सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रजापति समाज का दीपावली स्नेह मिलन 30 को

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। धम्माईगुडा साईबाबा नगर श्री श्रीयादेमाता मंदिर ट्रस्ट समाज बन्धुओं के सानिध्य मे दीपावली स्नेह मिलन रविवार 30 अक्टूबर प्रात: 10.15 बजे पूजा-अर्चना, दीप-प्रज्वलितकर आयोजित किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति मे सचिव लक्ष्मीनारायण हलकीया ने बताया कि रविवार 30 अक्टूबर प्रात: 10.15 बजे पूजा-अर्चना व महाआरती के पश्चात् समाज बन्धुओं के

सानिध्य में दीपावली स्नेह मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था 12.30 बजे से कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रधान केराराम ब्रांदणा, बंसीलाल ब्रांदणा, मांगीलाल रेडवाल, लक्ष्मीनारायण हलकीया, समाज के पदाधिकारी, सदस्यगण व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहेंगे।

एनएमडीसी ने स्वच्छता अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

नेहरू जूलॉजिकल पार्क में दो बाघों को गोद लिया

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पर्या-हितैषी खनिक और देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक, एनएमडीसी ने लैंडस्केप गार्डन में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया और नेहरू जूलॉजिकल पार्क, हैदराबाद में दो बाघों-एक रॉयल बंगाल टाइगर और एक व्हाइट टाइगर को गोद लिया। एनएमडीसी पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में लगातार अग्रणी रहा है। स्वच्छता 2.0 के हिस्से के रूप में, कंपनी ने देश की वनस्पतियों और जीवों की रक्षा में मदद करने के लिए विभिन्न संरक्षण प्रयास शुरू किए हैं।

2 अक्टूबर, 2022 को स्वच्छता अभियान की शुरुआत के बाद से एनएमडीसी ने स्वच्छ भारत अभियान के महत्व पर कई स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, प्रभात फेरी, स्वच्छता दौड और जागरूकता अभियान चलाए हैं। चिड़ियाघर में वृक्षारोपण अभियान एनएमडीसी संसाधन योजना विभाग के पर्यावरण प्रभाग एक नई सोच है और जैव विविधता संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है। पौधारोपण और बाघ को गोद लेने का अभियान मुख्य अतिथि सुमित देब, सीएमडी, एनएमडीसी; अमिताभ मुखर्जी, निदेशक (वित्त, एस राजशेखर (डीसीएफ) क्यूरेटर, नेहरू प्राणी उद्यान और एनएमडीसी, नेहरू प्राणी उद्यान और वन विभाग, तेलंगाना सरकार के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि एक सतत भविष्य के लिए जैव विविधता के नुकसान को रोकने के साथ-साथ मरुस्थलीकरण का मुकाबला करने और वनों के प्रबंधन की दिशा में समग्र प्रयासों की आवश्यकता है। एनएमडीसी का मानना है कि हमारे आज के कार्य राष्ट्र के भविष्य को निर्धारित करेंगे और वह नेहरू प्राणी उद्यान में वृक्षारोपण और गोद लेने की पहल का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इस अवसर पर सुमित देब ने कहा कि एनएमडीसी हमेशा एक जिम्मेदार खनिक रहा है और लुप्तप्राय वनस्पतियों और जीवों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्र के खनिक के रूप में, एनएमडीसी लोगों के हितों की रक्षा करने और पृथ्वी को टिकाऊ बनाने का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व रखता है। स्वच्छता 2.0 के माध्यम से पृथ्वी को संरक्षित करने के हमारे प्रयासों के एक हिस्से के रूप में, हम इन दो बाघों को अपनाकर जैव विविधता संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने की आशा करते हैं। बाघों को अपनाने और वृक्षारोपण अभियान के बाद चिड़ियाघर का दौरा किया गया।

सर्दी के मौसम में ट्रेन संचालन में सावधानी बरती जाएं : अरूण कुमार जैन

प्रभारी महाप्रबंधक ने अधिकारियों के साथ सुरक्षा पर बैठक की

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के के महाप्रबंधक (प्रभारी) अरूण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा और विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति पर एक विभाग प्रमुखों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की।

बैठक में सभी छह मंडलों सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। श्री जैन ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सर्दी के मौसम की शुरुआत के मद्देनजर सुरक्षा सावधानियों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिन्हित खंडों जैसे ट्रैक और बाहरी सिग्नल आदि पर गश्त को मजबूत करने की सलाह दी। उन्होंने सर्दियों के मौसम में बेहतर सुरक्षा के लिए नियमित रूप से मौसम की स्थिति की निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को बिना किसी असफलता के कार्यस्थल सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार क्षेत्र निरीक्षण करने की सलाह दी। उन्होंने लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों सहित सुरक्षा कर्मचारियों को दिए जा रहे नियमित प्रशिक्षण और परामर्श सत्रों की स्थिति की समीक्षा की। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की, जिन्हें चालू वित्तीय वर्ष यानी 2022-2023 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें ट्रैक नवीनीकरण, ट्रैक रखरखाव कार्य और क्षमता वृद्धि कार्य जैसे गति प्रतिबंधों को हटाना जहां संभव हो और बढ़ाना शामिल है। जोन के विभिन्न वर्गों की अधिकतम अनुमेय गति। उन्होंने अधिकारियों को पूरे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और विद्युतीकरण कार्यों में और तेजी लाने की सलाह दी, ताकि चालू वित्त वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किया जा सके। प्रभारी महाप्रबंधक ने भी लोडिंग प्रदर्शन की समीक्षा की। उन्होंने मालगाड़ियों की औसत गति बढ़ाने की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को पूरे जोन में फ्रेट लोडिंग को और बेहतर बनाने के लिए समान प्रयास जारी रखने की सलाह दी।

श्री विठ्ठलेश्वर मंदिर में कार्तिक मास काकड आरती कल से

हैदराबाद, 27 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री विठ्टलेश्वर मंदिर के पुजारी पंढरीनाथ नर्सीकर ने बताया कि मंदिर में कार्तिक मास काकड आरती महोत्सव का आयोजन 29 अक्तूबर से 28 नवंबर तक हो रहा है। इस संदर्भ में, श्री विठ्टलेश्वर मंदिर के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, प्रति वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी कार्तिक मास काकड आरती महोत्सव का आयोजन, शुभ स्थल श्री विठ्टलेश्वर मंदिर, जनरल बाजार, सिकंदराबाद में हो रहा है। यह महोत्सव 29 अक्तूबर से 28 नवंबर तक मनाया जायेगा। जिसमें प्रतिदिन प्रातः 6.30 बजे माखनसेवा, काकड आरती, प्रातः 7.30 बजे मुख्य दर्शन, प्रातः 7.30 से प्रातः 9 बजे तक अभिषेक, अलंकार, प्रातः 9 बजे महाआरती, प्रातः 9 से मध्याह्न 12 बजे तक उत्सव मूर्ति का दर्शन(चरण स्पर्श) कार्यक्रम होंगे। इसमें इस महोत्सव में निम्न विभिन्न कार्यक्रम रहेंगे, जिनमें 4 नवंबर को प्रबोधिनी एकादशी(देव उठनी एकादशी), 7 नवंबर को पूर्णिमा, 20 नवंबर को उत्पत्ति एकादशी पूजा, 23 नवंबर को अन्नकूट प्रसाद का वितरण कार्यक्रम शामिल हैं। अतः उक्त मंदिर के न्यासी श्रीनिवास राव पटाले, ईओ जी. सत्यनारायण, ज्यू. एस्सिस्टंट एन. रमेश ने सभी भक्तों से अनुरोध किया है कि मंदिर में देवदर्शन कर तीर्थ प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागी बनें।

बिहार समाज सेवा संघ ओडिशा शाखा ने की छठव्रतियों की मदद

30 छठ व्रतियों को सुप व नारियल प्रदान किया गया

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोक आस्था का चार दिवसीय छठ पर्व नहाय खाय से शुरू हो जाता है बिहार समाज सेवा संघ की ओर से 30 छठ व्रती महिलाओं को साड़ी, नारियल सुप वितरण किया गया। बिहार समाज सेवा संघ की ओर से रेल्वे क्लोनी फंडी के निकट वितरण किया गया, जिसमें सिद्धार्थ लोहानी, शिवशंकर शर्मा, चंदन गुप्ता, चिंटू शर्मा, अभिषेक सिंह का सहयोग रहा, वहीं बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा के मार्गदर्शन में कार्य किया गया। बिहार समाज सेवा संघ के ओडिशा प्रभारी ओपी सिंह, सुंदरगढ़ प्रभारी चन्दन यादव, राउरकेला प्रभारी सुनील सिंह, विनय सिंह रंजीत मंडल की मौजूदगी में वितरण किया गया।

सर्व धर्म समभाव से होगा महान भारत का निर्माण : साध्वी त्रिशला कुमारी

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गाणाधिपती गुरुदेव श्री तुलसी के 109वें जन्म दिवस पर आज अणुव्रत समिति हैदराबाद के तत्वावधान में अणुव्रत दिवस पर आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी आदि ठाणा 5 के पावन सानिध्य में तेरापंथ भवन डीवी कालोनी सिकंदराबाद में सर्व धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मक्का मस्जिद चारमिनार के मौलवी जनाब मोहम्मद शफिक पाशा साहेब, गुरुद्वारा साहिब सिकंदराबाद के मुख्य ग्रंथी जगदेव सिंह जी व वेस्ली चर्च सिकंदराबाद के फादर जेम्स सेसिल विक्टर सम्मानित अतिथि के रूप में पधारे। सम्मेलन का शुभारंभ श्रीमती चांद देवी वैद के गीत से हुआ।

अणुव्रत समिति हैदराबाद के सदस्यों ने अणुव्रत गीत का संघान किया। इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी ने कहा कि अणुव्रत इंसान को इंसान बनाने की कला है। हज़रत मोहम्मद साहब ने इंसान बनाना चाहा पर मुसलमान बन गए, ईसा मसीह ने इंसान बनने का रास्ता दिखाया पर ईसाई बन गए, गुरु नानक देवजी ने मानवता का पाठ पढ़ाया पर सिख बन गए, भगवान महावीर व बुद्ध ने मानवता का संदेश दिया पर जैन व बोद्ध बन गए, पर अणुव्रत मानव को मानवता तक पहुंचाने का श्रेष्ठ उपक्रम हैं। साध्वी श्री ने आगे कहा कि अणुव्रत कहता है कि व्यक्ति व्यक्ति का सुधार हो, अणुव्रत चाहता है कि पर्यावरण की सुरक्षा हो तभी हम आनंद से जी सकते हैं। साध्वी श्री रश्मि प्रभा जी ने सुंदर गीत का संघान किया व साध्वी श्री सन्मति प्रभा जी ने अणुव्रत के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किए। अणुव्रत समिति हैदराबाद के अध्यक्ष प्रकाश एच भंडारी ने अपने स्वागत वक्तव्य में पधारे हुए सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ इस सम्मेलन में सहभागिता प्रदान करने वाले मौलवी जनाब मोहम्मद शफिक पाशा साहेब, ग्रंथी जगदेव सिंहजी व फादर जेम्स सेसिल विक्टर का स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर मौलवी जनाब मोहम्मद शफिक पाशा साहेब, ग्रंथी जगदेव सिंह जी व फादर जेम्स सेसिल विक्टर ने अपने अपने धर्म की सटीक व्याख्या करते हुए कहा कि जो हमारे धर्म के मूल उद्देश्य है वे सभी उद्देश्य इस अणुव्रत आचार संहिता में समाहित हैं। आप सभी ने आचार्य श्री तुलसी को उनके 109वें जन्म दिवस पर अपनी भावांजली अर्पित की।

इस अवसर पर तेरापंथी सभा सिकंदराबाद के मानद मंत्री सुशील संचेती व तेरापंथ प्रोफेसनल फोरम के अध्यक्ष मोहित बैद व तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष विरेंद्र घोषाल ने गुरुदेव श्री तुलसी को अपनी भावांजली अर्पित करने के साथ ही अणुव्रत समिति हैदराबाद को प्रासंगिक आयोजन के लिए बधाई दी।

जरूरतमंदों में रोजमर्रा की वस्तुएं वितरित

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बैंक द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अलावा, एसबीआई के कर्मचारी भी समाज में कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। एसबीआई के कर्मचारियों ने अक्टूबर 2022 के पहले सप्ताह को "जॉय ऑफ गिविंग" सप्ताह के रूप में मनाया।

सप्ताह के दौरान एकत्र किए गए उपयोगी कपड़े, स्टेशनरी आइटम, किराने की वस्तुओं के रूप में योगदान अम्मा नाना अनाधा आश्रम, चौट्टप्पल, अनाधा विद्यार्थी गृह, एलबी नगर, प्रियदर्शनी सेवा मंडली, अमीनपुर को एसबीआई स्थानीय प्रधान कार्यालय कोटि में अमित झिंगरान सीजीएम, हैदराबाद सर्कल द्वारा सौंपा गया। इस अवसर पर श्रीमती मंजू शर्मा, महाप्रबंधक, एनडब्ल्यू-I, जितेंद्र कुमार शर्मा, डीजीएम और सीडीओ, अन्य वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।

श्री बालवीर हनुमान मंदिर में कथावाचक जितेंद्रदास जी महाराज का सम्मान करते हुए मंदिर के महंत प्रभुदासजी महाराज। उपस्थित हैं रामदेव नागला, सत्यनारायण ओझा, घनश्याम, द्वारकाप्रसाद तिवाड़ी, मंगलचंद तिवाड़ी, छगनलाल व्यास व अन्य।

तेलंगाना सहकारिता आयुक्त एम. वीर ब्रह्मय्या, महेश बैंक के चेयरमैन रमेशक्मार बंग तथा निदेशक रामप्रकाश भंडारी को दीपावली की बधाई देते हुए संघमित्रा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक नलगोंडा के चेयरमैन संगम रामकृष्णा।

अलखमठ प्राचीन मंदिर में अन्नकूट महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार चौक स्थित अलखमठ प्राचीन मंदिर में अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर भगवान जगन्नाथजी की पूजा-अर्चना एवं छप्पन भोग प्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पं. राजु गुरु, पं. लड्डू गुरु, पं. अजय गुरु, समाजसेवी दिपक पारीक, गिरधर लड्ढा, श्रीगोपाल लड्ढा, मुकेश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, अशोक मालानी, विनोद तोषनीवाल, कैलाश लड्ढा, राजेश करवा एवं हजारों कि संख्या में भक्तों ने अन्नकूट प्रसादी का लाभ लिया।

छठ पूजा के संबंध में रामंतापुर में बैठक संपन्न

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर के तत्वावधान में छठ पूजा के संबंध बैठक हुई, जिसमें गंगा भवानी मंदिर, रामतापुर के समीप तलाब में 30-31 अक्टूबर को छठ महापर्व श्रद्धापूर्वक आयोजित करने का फैसला लिया गया। छठ महापर्व का शुभारंभ 28 अक्टूबर के नहाय-खाय से शुरू होगा। तत्पश्चात 29 अक्टूबर को खरना। 30 अक्टूबर को पहला अर्ध्य और 31 अक्टूबर को दूसरा अर्ध्य के साथ महापर्व का समापन होगा। बैठक में घाट सफाई, स्वच्छ जल, बिजली, प्रसाद वितरण एवं आवागमन के वाहन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई। बैठक में राम प्रकाश गुप्ता, भगवान सिंह, मंजूनाथ गुप्ता, सुरेश सिंह, अजय शर्मा, कमलेश पांडेय, राजेश शर्मा, राजीव कुमार, सुरेश पासवान, सुनील सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, पवन सिंह, हरेन्द्र चौबे, राजू राय, रामजनम शर्मा, पंकज झा.धनंजय शर्मा, राजाराम शर्मा, संतोष गुप्ता, अनील झा, धर्मेन्द्र सिंह, सं आदि उपस्थित थे।

ईसीआईएल ने जिला परिषद हाईस्कूल, कुशाईगुडा में स्वच्छता अभियान चलाया

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) द्वारा जिला परिषद हाईस्कूल, कुशाईगुडा में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित कीं। इसमें ईसीआईएल के कर्मचारियों और स्कूल स्टाफ की टीम ने भाग लिया। इस दौरान मलबे की सफाई, निर्माण कचरे को हटाने, घास की कटाई जैसी गतिविधियों के अलावा प्लास्टिक कचरे को निर्धारित स्थान पर उनका उचित तरीके से निपटान करना आदि किया गया। कार्यक्रम के अंत में, सी मुनिकृष्ण, एजीएम (पी एंड ए) ने स्वच्छता गतिविधियों के संचालन के महत्व की जानकारी दी। इस अवसर पर एनएस शेखर बाबू, प्रमुख (ईएसडी), सी मुनिकृष्ण, एजीएम (पी एंड ए), भास्कर रेड्डी (अध्यक्ष) और जोशी कुमार आर (महासचिव), ईसीआईएल स्टाफ और श्रमिक संघ और जे. अरुण बाबू (कार्यकारी अध्यक्ष) और एल. मोहन सिंह (संगठन सचिव), ईसीआईएल अधिकारी संघ और ईसीआईएल के अन्य कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाया।

29 और 30 अक्टूबर को शहर में अखिल भारतीय ब्रह्म समाज सम्मेलन

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय ब्रह्म समाज का 131वां सम्मेलन 29 और 30 अक्टूबर को कुची भवन, ईडन बाग, कोटि में होगा। चौ. केशव चंद, अध्यक्ष, डेक्कन ब्रह्म समाज, अजय गौतम, सचिव, डॉ ज्योत्सना इलियास, इलियास अहमद, मधु बिंदु और प्रवीण वेमा ने आज यहां एक प्रेस वार्ता की। मीडिया लोगों को संबोधित करते हुए, चल्ला केशव चंद ने कहा कि सम्मेलन का विषय "भविष्य का पोषण" है। यह एक ऐसा मंच बनाने के लिए है जो हमें अगले पांच वर्षों में ब्रह्म सिद्धांतों और उनके कार्यान्वयन के बारे में बच्चों और युवाओं के बीच अधिक जागरूकता फैलाने के लिए कार्य योजना तैयार करने में मदद करेगा।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-5 का शुभारम्भ 30 को

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी फ्रेन्डस् क्लब द्वारा आयोजित सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के पाँचवे संस्करण का भव्य शुभारम्भ रविवार 30 अक्टूबर को मुख्यअतिथि व स्पॉसरों के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलितकर श्री आईमाताजी बडेर जीडिमेटला मे आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति में फ्रेन्डस् क्लब के सुरेश सैंणचा ने बताया कि हर वर्ष की भांति सीरवी समाज प्रीमियर लीग-5 का भव्य शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम मे सीरवी समाज प्रीमियर लीग के मुख्य स्पॉन्सर एल.बी.नगर के सोहनलाल सेपटा, लाईव टेलीकास्ट के स्पॉन्सर सिकंदराबाद के रामलाल चौधरी, ट्रॉफी स्पॉन्सर चिल्कानगर के तुलसाराम सिन्दड़ा, कैश प्राईस स्पॉन्सर मुसापेट के मांगीलाल चौधरी, बॉल स्पॉन्सर ओकाराम सोलंकी, अंपायर स्पॉन्सर पी.आर.इन्टरनेशनल सिकंदराबाद के महेन्द्र चौधरी, भोजन स्पॉन्सर आनन्द चौधरी व दिलीप चौधरी, मुकेश चौधरी, रुपेश चौधरी, चेतन्यप्रकाश, विशेष सहयोग रहेगा। महासभा तेलंगाना के उपाध्यक्ष मानकराम गेहलोत, प्रवीण सीरवी, सुरेश सैंणचा, महेन्द्रसिंह राठौड़, शंकरलाल चौधरी, गणेशराम, ओमप्रकाश चौधरी प्रमुखरुप से उपस्थित रहेगे। प्रतियोगिता मे भाग लेने वाली 24 टीमों के खिलाड़ी भी अवसर पर उपस्थित रहेगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राजु आगलेचा, सुमिल चोयल, मोहन चोयल, सुरेश सैंणचा, शशिकुमार सोलंकी, राजु सेपटा, लालाराम सेपटा, मुकेश सोलंकी, प्रकाश राठौड़ एवं सीरवी फ्रेन्डस् क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहेंगे।

अमीरपेट बालाजी भवन में दीपावली स्नेह मिलन 30 को

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट स्थित श्री बालाजी राजस्थानी भवन मे दिपावली स्नेह मिलन रविवार 30 अक्टूबर शाम 6 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे विजयसिंह राजपुरोहित जाणुंदा ने बताया कि श्री बालाजी राजस्थानी भवन मे रविवार 30 अक्टूबर शाम 6 बजे से दिपावली स्नेह मिलन एवं चार धाम यात्रा पूर्णकर नगर पधारने पर भजन-कीर्तन व पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए महाप्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

भारत ने नीदरलैंड को 56 रन से हराया

4 पॉइंट के साथ ग्रुप-2 में नंबर-1 पर पहुंची टीम इंडिया, सूर्या-कोहली की 95 रन की पार्टनरशिप

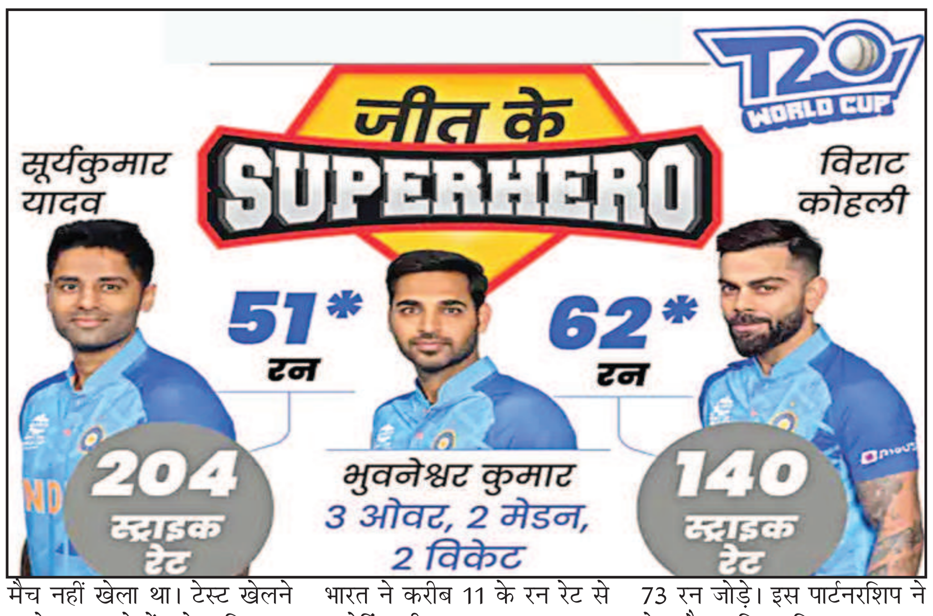

सिडनी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरा मुकाबला जीत लिया है। भारत ने गुरुवार को सिडनी में खेले गए मैच में नीदरलैंड को 56 रन से हराया। अब भारतीय टीम 4 पॉइंट्स के साथ ग्रुप-2 में पहले स्थान पर पहुंच गई है।

इस मैच में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और पावर-प्ले में सिर्फ 38 रन बने थे। इसके बाद कुल चार फैक्टर ऐसे रहे जिनकी बदौलत हमने आसान जीत हासिल कर ली। चलिए सभी कारणों को एक-एक कर जानते हैं।

नीदरलैंड की अनुभवहीनता

इस वर्ल्ड कप में भारतीय बैटिंग लाइन अप को टूर्नामेंट में सबसे दमदार कहा जा रहा है। इसके बावजूद भारतीय बल्लेबाज शुरुआती 10 ओवर तक खुल कर नहीं खेल पाए। आधी पारी समाप्त होने के बाद टीम इंडिया का स्कोर 67/1 था।

बड़े मैच खेलने की नीदरलैंड की अनुभहीनता टीम पर भारी पड़ गई। इससे पहले नीदरलैंड ने टीम इंडिया के खिलाफ कोई टी-20 मैच नहीं खेला था। टेस्ट खेलने वाले 12 देशों के खिलाफ नीदरलैंड ने अब तक सिर्फ 36 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले थे। इनमें से 21 मुकाबले आयरलैंड, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे जैसी हल्की टीमों के खिलाफ हैं।

भारत ने पूरे 20 ओवर में सिर्फ दो विकेट गंवाए और इस वजह से आखिरी ओवर्स में टीम ने एक्सिलरेट करने में कामयाबी हासिल की। आखिरी 10 ओवर में भारत ने करीब 11 के रन रेट से स्कोरिंग की।

लगातार दो बेहतरीन पार्टनरशिप

भारतीय ओपनर केएल राहुल लगातार दूसरे मैच में फ्लॉप रहे और 12 गेंद में 9 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इसके बाद भारत की ओर से लगातार दो अच्छी पार्टनरशिप हुईं। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 56 गेंदों में 73 रन जोड़े। इस पार्टनरशिप ने बेस तैयार किया जिसका फायदा विराट और सूर्यकुमार यादव की जोड़ी ने उठाया। इन दोनों ने 48 गेंद में 95 रन की पार्टनरशिप की।

कोहली का संयम और सूर्या का तूफान

12वें ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान रोहित शर्मा आउट हुए। स्कोर दो विकेट पर महज 84 रन था। पिच धीमी थी और स्ट्रोक प्ले आसान नहीं था। अगर बल्लेबाज पैनिक करते तो मुमकिन था कि यहां से स्थिति और खराब हो जाती, लेकिन यहां से विराट के संयम और सूर्या के तूफान ने भारत का काम आसान कर दिया। विराट ने तय किया कि एक छोर से विकेट न गिरे। वहीं, सूर्या ने टीम के रन रेट को बढ़ाने का काम किया। विराट ने इस इनिंग्स में 140 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की तो सूर्या ने 204 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

भुवी ने किया कमाल का ओपनिंग स्पेल

भारत ने 179 रन का स्कोर जरूर बनाया, लेकिन टी-20 क्रिकेट में आजकल ऐसा टोटल एवरेज ही माना जाता है। ऐसे में जरूरी था कि भारतीय गेंदबाज नीदरलैंड को अच्छी शुरुआत न करने दें। यह जिम्मेदारी संभाली स्विंग गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने। उन्होंने अपने पहले दो ओवर मेडन डाले और एक विकेट भी झटका। इसका असर यह हुआ कि डच बल्लेबाज पैनिक कर गए और शॉट खेलने के चक्कर में आगे एक के बाद एक विकेट गंवाते चले गए।

आईसीसी टॉप-10 में लौटे किंग कोहली

तीन महीने पहले 35वीं रैंक पर थे, अब 9 पर

विराट कोहली की टी-20 रैंकिंग

एशिया कप से पहले- 35	एशिया कप के बाद- 15	वर्ल्ड कप के पहले मैच के बाद- 9

मेलबर्न, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। रविवार को मेलबर्न में पाकिस्तान के खिलाफ 82 रन की धमाकेदार पारी खेलने वाले विराट कोहली टी-20 रैंकिंग में 635 पॉइंट के साथ 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सूर्यकुमार यादव को एक पायदान का घाटा हुआ। वो अब दूसरे से तीसरे स्थान पर आ गए हैं।

बात तीन महीने पहले की है। उस वक्त एशिया कप शुरू होने वाला था और विराट की रैंकिंग 35 थी। इसके बाद किंग कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ शतक लगाया और 15वें स्थान पर पहुंच गए। अब टॉप 10 में आ गए हैं। 2019 के बाद विराट ने इंटरनेशनल क्रिकेट में एक भी शतक नहीं लगाया था। इसके बाद एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ उनका ओवरऑल 71वां शतक आया। खबर में आगे बढ़ने से पहले पोल में हिस्सा लें...

वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। कोहली ने 82 रन की नाबाद पारी खेली। 31 रन पर 4 विकेट खो चुकी टीम इंडिया को संभाला। हार्दिक के साथ 113 की पार्टनरशिप की। आखिरी ओवर में जब 16 रन चाहिए थे, तब कोहली ने ही नो बॉल पर सिक्स लगाकर टीम को जीत का रास्ता दिखाया। कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

विराट की यह विराट पारी ऐतिहासिक थी। बहुत साधारण से आंकड़े पर गौर कीजिए। केएल राहुल, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, दिनेश कार्तिक और रविचंद्रन अश्विन। ये तमाम बैटर मिलकर महज 67 रन ही बना सके। दूसरी तरफ, अकेले विराट के बल्ले से 82 रन निकले। इससे भी ज्यादा अहम ये कि हार के मुहाने पर पहुंच चुकी टीम को वो जीत दिला गए।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम गोल्डन डक का शिकार हुए थे। इसका खामियाजा उन्हें रैंकिंग में भी उठाना पड़ा। बाबर अब चौथे पायदान पर खिसक गए हैं। टॉप-10 में सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली ही दो भारतीय बल्लेबाज हैं।

पांचवें नंबर पर साउथ अफ्रीका के एडन मार्करम हैं, जबकि छठवें पायदान पर इंग्लैंड के डेविड मलान हैं। सातवें नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एरोन फिंच और आठवें पायदान पर श्रीलंका के पथुम निसांका हैं। 10वें नंबर पर यूएई के मोहम्मद वसीम हैं।

भारत के कप्तान रोहित शर्मा रैंकिंग में 16वें जबकि केएल राहुल 18वें पायदान पर हैं।

विमेन और मेन क्रिकेटर्स को बराबर मैच फीस देगा बासीसीआई

जय शाह ने ऐलान किया; ग्रेड के मामले में असमानता जारी

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम की महिला क्रिकेटर्स को भी अब पुरुष टीम के बराबर ही मैच फीस दी जाएगी। गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने यह ऐलान किया। बीसीसीआई के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर शाह ने कहा- मैंने वादा किया था कि बीसीसीआई मेन और विमेन क्रिकेट टीम के प्लेयर्स की मैच फीस में बराबरी लाएगा। यह उसी दिशा में उठाया गया कदम है। अब बीसीसीआई की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल महिला क्रिकेटर्स को पुरुष टीम के खिलाड़ियों के बराबर फीस मिलेगी।

जानिए क्या फर्क पड़ेगा

'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' के मुताबिक, फिलहाल सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल महिला खिलाड़ियों को टेस्ट मैच के लिए 4 लाख रुपए मिलते हैं। वहीं, वनडे और टी-20 दोनों की मैच फीस एक लाख रुपए है। नए फीस स्ट्रक्चर के हिसाब से अब टेस्ट मैच की फीस 15 लाख रुपए होगी। वहीं, वनडे के लिए 6 लाख और टी-20 के लिए 3 लाख रुपए मैच फीस दी जाएगी।

लेकिन, एक जगह अब भी गैर बराबरी जारी

बीसीसीआई ने भले ही मैच फीस बराबर करने का ऐलान कर दिया हो, लेकिन एक गैर बराबरी अब भी जारी है। दरअसल, एनुअल सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट (हर साल किए जाने वाला करार) में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एनुअल कॉन्ट्रैक्ट में अब भी महिला क्रिकेटर्स की 3 कैटेगरी ही हैं। दूसरी तरफ, पुरुष क्रिकेटर्स की 4 कैटेगरी हैं। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात है कि ए ग्रेड महिला क्रिकेटर्स को जो अमाउंट मिलता है वह सी ग्रेड पुरुष क्रिकेटर्स से भी कम है।

इसे एक मिसाल से समझिए। दरअसल, महिलाओं में ए ग्रेड प्लेयर्स को 50 लाख रुपए सालाना मिलते हैं। दूसरी तरफ, पुरुषों के सी ग्रेड में शामिल प्लेयर्स को एक करोड़ रुपए मिलते हैं। आसान भाषा में कहें तो ग्रेड ऊंचा होने के बावजूद महिलाओं को पुरुष क्रिकेटर्स की तुलना में आधा ही पैसा मिलता है।

महिलाओं में बी ग्रेड के खिलाड़ियों को 30 लाख और सी ग्रेड के खिलाड़ियों को 10 लाख रुपए मिलते हैं। पुरुषों की चार कैटेगरी में सबसे ऊपर A+ ग्रेड है। इसमें शामिल खिलाड़ियों को 7 करोड़ मिलते हैं। ए ग्रेड के खिलाड़ियों को 5 करोड़, बी ग्रेड के खिलाड़ियों को 3 करोड़ और सी ग्रेड के खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपए मिलते हैं।

न्यूजीलैंड पहले ही कर चुका है यह काम

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने साल की शुरुआत में प्लेयर्स एसोसिएशन के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। इसके तहत वहां अब मेल और फीमेल प्लेयर्स को बराबर मैच फीस मिलती है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड इस पर अभी काम कर रहा है। इससे पहले बीसीसीआई ने यह काम कर दिखाया है।

साउथ अफ्रीका को इस वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी जीत

बांग्लादेश को 104 रन से हराया

सिडनी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने गुरुवार को टी-20 वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। बांग्लादेश को 104 रन से हराया। इससे पहले इसी मैदान पर न्यूजीलैंड ने 22 अक्टूबर को डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को सुपर-12 के पहले मुकाबले में 89 रन से हराया था।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड यानी SCG पर साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 16.3 ओवर में 101 रन ही बना सकी। साउथ अफ्रीका के मिडिल ऑर्डर बैटर राइली रूसो प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने महज 56 बॉल पर 109 रन बनाए। पहले देखिए, टी-20 वर्ल्ड कप 2022 की सबसे बड़ी जीत...

साउथ अफ्रीका की जीत के 2 हीरो

1. राइली रुसोः इस वर्ल्ड कप की पहली सेंचुरी बनाई। 56 बॉल में 109 रन बनाए। इसमें 8 सिक्स भी शामिल थे। क्विंटन डी कॉक (63) के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 बॉल में 168 रन की पार्टनरशिप की।

2. एनरिक नॉर्त्याः 3.3 ओवर में 10 रन पर 4 विकेट लिए। बांग्लादेश के दोनों ओपनर्स नजमुल हसन और सौम्य सरकार को पवेलियन भेजा। कप्तान शाकिब अल हसन के बाद बांग्लादेश का आखिरी विकेट भी लिया।

अब जानिए बांग्लादेश की हार के 3 कारण

1. **कमजोर बॉलिंग** - बांग्लादेश की बॉलिंग कमजोर दिखी। उसके तेज गेंदबाजों को टेंबा बावुमा (2) के रूप में दबाव बनाने का मौका मिला था। लेकिन, कोई भी गेंदबाज टीम को दूसरा विकेट नहीं दिला सका।

2. **डिकॉक-रूसो की पार्टनरशिप** -पहला विकेट जल्दी गंवाने के बाद डिकॉक और रूसो ने दूसरे विकेट के लिए 168 रन की पार्टनरशिप की। दोनों ने 2 रन पर पहला झटका लगने के बाद टीम का स्कोर 160 के पार पहुंचाया।

3. **खराब शुरुआत** -बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। उसके ओपनर्स ने तेजी से रन बनाने के चक्कर में विकेट गंवा दिए। टीम को 26 पर पहला झटका लगा। इसके बाद बांग्लादेश लगातार विकेट गंवाती रही। यही बड़ी हार का कारण भी बना।

ऐसे गिरे बांग्लादेश के विकेट

सौम्य सरकार 6 बॉल में 15 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने कगिसो रबाडा के पहले ओवर में लगातार दो छक्के जमाए। एनरिक नोर्त्या ने विकेटकीपर डिकॉक के हाथों कैच कराया। शांतो को नोर्त्या ने बोल्ड कर दिया। वो 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

नोर्त्या ने कप्तान शाकिब अल हसन (1) को एलबीडब्ल्यू कर दिया। अफीफ हुसन मिडऑफ पर कैच आउट हुए। वो महज एक रन ही बना सके।

मेहदी हसन मिराज (11) को तबरेज शम्सी ने डीप लॉन्ग ऑफ पर एडन मार्करम के हाथों कैच कराया। मोसादेक हुसैन (0) को डी कॉक ने केसव महाराज की गेंद पर स्टंपिंग कर दिया।

नूरुल हसन (2) लेफ्ट आर्म स्पिनर शम्सी के खिलाफ स्लॉग स्वीप खेलने गए और स्क्वैयर लेग पर नोर्त्या को कैच दे बैठे।

लिटन दास (34) बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में डीप स्क्वैयर पर खड़े स्टब्स के हाथ आउट हुए। हसन महमूद (0) को रबाड़ा ने डायरेक्ट थ्रो से रन आउट किया। तस्कीन अहमद को नोर्त्या ने बोल्ड कर दिया।

बांग्लादेश पर पेनल्टी, अफ्रीका को 5 रन का फायदा

बांग्लादेश पर 5 रनों की पेनल्टी लगाई गई। फायदा साउथ अफ्रीका को मिला। ये रन साउथ अफ्रीका के स्कोर में जुड़े। ये पेनल्टी बांग्लादेशी विकेटकीपर के मूवमेंट पर लगाए गए थे। दरअसल, बॉलर के रनअप के समय बॉल डिलेवर से विकेटकीपर मूव नहीं कर सकता है। यदि विकेटकीपर ऐसा करता है तो बॉलिंग टीम पर पेनल्टी लगाई जाती है।

साउथ अफ्रीका के नाम रहा पावर प्ले

पहला पावर प्ले साउथ अफ्रीका के नाम रहा। उसने 6 ओवर के खेल में 63 रन बनाए और एक विकेट भी गंवाया। टीम ने 2 रन के स्कोर पर कप्तान टेंबा बावुमा का विकेट गंवाया था। ऐसे में विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक और राइली रूसो ने पारी को संभाला।

ऐसे आउट हुए साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज

टेंबा बावुमा (2) तस्कीन की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर विकेटकीपर नुरुल के हाथ कैच हुए। विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक 38 गेंद में 63 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अफीफ हुसैन ने सौम्य सरकार के हाथ लॉन्ग ऑफ में कैच कराया। ट्रिस्टन स्टब्स 7 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शाकिब अल हसन ने लिटन दास के हाथ कैच कराया। राइली रूसो 109 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शाकिब अल हसन ने लिटन दास के हाथ कैच कराया।

वर्ल्ड कप का पहला शतक

बांग्लादेश के खिलाफ रूसो ने 56 बॉल पर बनाए 109 रन

सिडनी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज राइली रूसो ने टी-20 वर्ल्ड कप का पहला सैकड़ा जमा दिया है। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार को खेले गए सुपर-12 ग्रुप-1 मुकाबले में यह कारनामा किया। रूसो ने 56 गेंदों पर 109 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 8 छक्के जड़े। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में अब तक का 10वां शतक है। अब तक 9 बल्लेबाजों ने मिलकर ये 10 शतक जमाए हैं। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने दो शतक बनाए हैं।

रूसो टी-20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले पहले साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (2 शतक), भारत के सुरेश रैना, श्रीलंका के महेला जयवर्धने, न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम, इंग्लैंड के एलेक्ल हेल्स, पाकिस्तान के अहमद शहजाद, बांग्लादेश के तमीम इकबाल और इंग्लैंड के जोस बटलर इस टूर्नामेंट के अलग-अलग एडिशन में शतक लगा चुके हैं।

पिछले तीन मैचों में दो शतक

रूसो का पिछले तीन टी-20 इंटरनेशनल मैचों में दूसरा शतक है। वर्ल्ड कप से पहले भारत के साथ खेले गए तीन-20 मैच की सीरीज के आखिरी मुकाबले में उन्होंने 48 गेंदों पर नाबाद शतक बनाया था। उन्हें इस टी-20 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के साथ हुए साउथ अफ्रीका के पहले मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। यह मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था।

मेसी के बिना बार्सिलोना बेहाल, चैंपियंस लीग से बाहर

लगातार दूसरी बार खेलेगी यूरोपा लीग

बार्सिलोना, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बार्सिलोना की टीम अपने होम ग्राउंड पर एक भी गोल नहीं कर सकी। बायर्न म्यूनिख से बार्सिलोना की टीम में शामिल होने वाले पोलैंड के स्टार स्ट्राइकर लेवान्डॉस्की एक बार फिर से अपनी पुरानी टीम के खिलाफ फेल रहे। स्पेन की दो टीमें बार्सिलोना और एटलेटिको मैड्रिड चैंपियंस लीग से बाहर हो चुकी हैं। बुधवार को दोनों टीमें अपना मैच जीतने में नाकाम रहीं। पांच बार की चैंपियन बार्सिलोना को जर्मनी के क्लब बायर्न म्यूनिख ने 3-0 से रौंद दिया। इस हार के बाद टीम लगातार दूसरे सीजन में चैंपियंस लीग के ग्रुप दौर में बाहर हो गई। उसे फिर से यूरोपा लीग में खेलना होगा। महान फुटबॉल खिलाड़ियों में एक लियोनल मेसी के जाने के बाद टीम लगातार दूसरे सीजन में चैंपियंस लीग के नॉकआउट राउंड में नहीं पहुंच पाई।

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन : समीर वर्मा ने पहले राउंड में हासिल की जीत

एचएस प्रणय भी दूसरे दौर में पहुंचे

पेरिस, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरिस समीर और गिंटिंग के बीच अब तक चार मुकाबले खेले गए हैं। दोनों ने दो-दो जीते हैं। समीर वर्मा का सामना दूसरे दौर में थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न से होगा।

भारतीय बैडमिंडन खिलाड़ी समीर वर्मा और एचएस प्रणय पेरिस में फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए। बुधवार (26 अक्तूबर) को समीर वर्मा ने इंडोनेशिया के एंथनी सिनिसुका गिंटिंग को हराया। गैर वरीय समीर ने एक घंटे 17 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त गिनटिंग को 21-15, 21-23, 22-20 से हराया। वर्मा ने मार्च में स्विस ओपन में गिनटिंग से मिली हार का बदला ले लिया। समीर और गिंटिंग के बीच अब तक चार मुकाबले खेले गए हैं। दोनों ने दो-दो जीते हैं।

समीर वर्मा का सामना दूसरे दौर में थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न से होगा। दूसरी ओर, एचएस प्रणय ने पुरुष एकल में मलेशिया के ल्यू डैरेन को कड़ी टक्कर देकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई।

प्रणय ने एक घंटे 13 मिनट तक चले पहले दौर के मैच में अपने निचले क्रम के प्रतिद्वंद्वी को 21-16 16-21 21-16 से हराया। प्रणय का अगला मुकाबला चीन के लू गुआंग जू से होगा। पुरुष युगल में एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला की भारतीय जोड़ी पहले दौर में पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियंट से 15-21, 16-21 से हार गई।

इंग्लैंड के साथ मैच से पहले मैथ्यू वेड कोरोना संक्रमित

मैक्सवेल या वेड को मिल सकती है नई जिम्मेदारी

7 दिन में दो खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव

पर्थ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-12 में इंग्लैंड के खिलाफ करो मरो मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड कोरोना संक्रमित हो गए हैं। वह कोरोना पॉजिटिव होने वाले ऑस्ट्रेलिया के दूसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 15 स्कॉयड में शामिल एडम जंपा का भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आया था। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेल सके थे। हालांकि मैथ्यू वेड में कोरोना के हल्के लक्षण हैं, ऐसे में उनके खेलने की संभावना है। ऑस्ट्रेलियाई 15 स्कॉयड में उनके अलावा विकेटकीपर नहीं है।

इंग्लैंड के खिलाफ मैच में अगर मैथ्यू वेड नहीं खेल पाते हैं, तो डेविड वार्नर या ग्लेन मैक्सवेल कीपिंग कर सकते हैं। हालांकि कप्तान एरोन फिंच भी घरेलू मैच में कीपिंग कर चुके हैं। गुरुवार को मैक्सवेल ने प्रैक्टिस के दौरान कीपिंग की। कप्तान एरोन फिंच पहले ही कह चुके हैं कि जरूरत पड़ी तो वार्नर विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के कोरोना प्रोटोकॉल के तहत कोरोना पॉजिटिव होने के बाद भी खिलाड़ी को मैच खेलने की इजाजत है।

हारने वाली टीम को हो सकती है मुश्किल

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ग्रुप एक का यह मुकाबला दोनों टीम के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें हारने वाली टीम टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण की दौड़ से लगभग बाहर हो जाएगी। ऑस्ट्रेलिया को टूर्नामेंट के अपने पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड से हारती है तो मुश्किल में पड़ सकती है। अभी ऑस्ट्रेलिया पॉइंट टेबल में पांचवें स्थान पर है और उसका रनरेट माइनस में हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई को इंग्लैंड के बाद आयरलैंड और अफगानिस्तान से भिड़ना है। वहीं इंग्लैंड नंबर 3 पर है, पर ऑस्ट्रेलिया के बाद उसे न्यूजीलैंड और श्रीलंका से भिड़ना है। ऐसे में अगर इंग्लैंड हारती है, तो वह इंग्लैंड से जयादा मुश्किल में पड़ जाएगी। अभी पॉइंट टेबल में टॉप पर न्यूजीलैंड है, जबकि श्रीलंका दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमों के तीन-तीन मैच बाकी है। दोनों टीमों को आपस में भी भिड़ना है। इसके अलावा न्यूजीलैंड इंग्लैंड और आयरलैंड से खेलना है। जबकि श्रीलंका को अफगानिस्तान और इंग्लैंड से खेलना है।

तीर्थयात्रियों की आकांक्षाओं को पूरी करेगी विशेष ट्रेन : रावसाहेब पाटिल दानवे

रेल राज्य मंत्री ने जालना-छपरा विशेष ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने जालना रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में विधायक जालना कैलास गोरंट्याल, जन-प्रतिनिधि और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में जालना से छपरा जंक्शन उद्घाटन विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने कहा कि जालना और छपरा के बीच खंडवा, प्रयागराज और वाराणसी के बीच ट्रेन संपर्क मराठवाड़ा क्षेत्र के लोगों का एक लंबे समय से सपना है। उन्होंने कहा कि ट्रेन की उद्घाटन सेवा में 96 प्रतिशत यात्रियों की व्यस्तता है, जो बहुत उत्साहजनक है। ट्रेन को साप्ताहिक सेवा के रूप में चलाने की घोषणा की गई है, हालांकि, भविष्य में यात्रियों के जरूरतों के आधार पर, रेलवे ट्रेन की आवृत्ति में वृद्धि करेगा। इसके अलावा, रेल राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि जालना और तिरुपति के बीच एक और विशेष ट्रेन को 29 अक्टूबर, 2022 को झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल यात्रियों को उनके पसंदीदा गंतव्यों तक बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार कदम उठा रहा है। तदनुसार, मराठवाड़ा क्षेत्र के यात्रियों के एक बड़े वर्ग की मांगों को पूरा करते हुए, मराठवाड़ा और मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार आदि राज्यों में विभिन्न गंतव्यों के बीच यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों और यात्रियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जालना-छपरा-जालना के बीच खंडवा, प्रयागराज और वाराणसी के बीच एक विशेष साप्ताहिक ट्रेन शुरू की गई है।

इससे पहले प्रयागराज, वाराणसी और क्षेत्र से आगे की ओर ट्रेन से यात्रा करने वालों को दो या दो से अधिक ट्रेनों को जोड़कर अपनी यात्रा की योजना बनानी पड़ती थी। नई शुरू की गई जालना-छपरा-जालना साप्ताहिक विशेष ट्रेन यात्रियों के लिए आसान, सुरक्षित, तेज और सीधी यात्रा विकल्प की सुविधा प्रदान करेगी। यात्रियों के सभी वर्गों के लिए उपयुक्त - आरक्षित और अनारक्षित दोनों एसी और गैर एसी दोनों वर्गों के होते हैं जालना से देर रात शुरू होती है ताकि वांछित गंतव्यों तक सुविधाजनक और आराम से पहुंच सकें। एलएचबी कोचों के साथ चलाई जा रही ट्रेन यात्रा के बेहतर अनुभव के साथ अधिक आराम प्रदान करती है "ट्रेन की संरचना में फर्स्ट एसी, सेकेंड एसी, थर्ड एसी, II स्लीपर और सेकेंड जनरल क्लास शामिल है।

रेल राज्यमंत्री के इलाके में खुशी तो हैदराबाद के लोग मायूस

जालना से दौड़ी छपरा एक्सप्रेस, यहां के लोगों की मांग अनसुनी

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के जालना के लोग जालना से छपरा के लिए विशेष ट्रेन चलने से बेहद खुश है। जालना से रेल राज्य मंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे रेल राज्य सांसद है। रेल राज्य मंत्री ने काफी समय से जालना से बिहार के लिए चली आ रही लोगों की मांग को ट्रेन चलवाकर पूरा कर दिया। इतना ही रेल राज्य मंत्री ने 29 अक्टूबर को तिरूपति के लिए भी विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा कर डाली। जालना के लोगों को उत्तर में स्थिति वाराणसी, अयोध्या और दक्षिण में स्थित तिरूपति दर्शन तथा भ्रमण का लाभ मिल रहा है।

तेलंगाना में रहने वाले यूपी बिहार के लोग वर्षो से नई ट्रेन चलाने की मांग कर रहे है। कई जीएम आए और गए लेकिन मांग पूरी नहीं हो सकी। कई बार रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने आश्वासन भी दिया था कि इस दिशा में काम चल रहा है, लेकिन अभी तक मायूसी हाथ लगी है। हाल के दिनों में सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस में टिकट न मिल पाने के कारण यूपी बिहार के लोग निजी ट्रैवेल एजेंसियों की लूट और दुर्घटना के शिकार हो रहे है। मध्यप्रदेश के रीवा में हैदराबाद से प्रयागराज जा रही बस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर कई लोगों की जान चली गई। इन हादसों से भी रेलवे सबक नहीं ले रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों को कई बार यूपी-बिहार के लोगों ने नई और विशेष ट्रेन चलाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ट्रेन चलना तो दूर रहा , उनके ज्ञापनों पर क्या कार्रवाई हुई,जबाब तक नहीं दिया गया। दमरे दूसरे राज्यों के लिए कई ट्रेनों का संचालन कर रहा है। दमरे के वरिष्ठ अधिकारी सिर्फ आश्वासन पर आश्वासन दे रहे है। उनकी तरफ से इस मामले पर कोई ठोस ऐलान नहीं किया जा रहा है। बिहार के लोगों के सबसे बड़े आस्था के महापर्व छह पूजा पर ट्रेन नहीं चलाई गई। तेलंगाना में रहने वाले बिहार और यूपी के लोग जालना से छपरा के लिए ट्रेन चलने से खुश है, लेकिन तेलंगाना से वाराणसी और दानापुर के लिए ट्रेन न चलने से काफी मायूस है। विभिन्न बिहार संगठनों के पदाधिकारियों का कहना है कि काश तेलंगाना से कई रेलमंत्री होता तो हमारी मांगों पर तेजी से कार्रवाई होती।

रेलवे की बेरूखी और अड़ियल रवैया का असर बिहार से तेलंगाना तक के चुनावों पर दिख सकता है। उधर, रेलवे के सूत्र बताते है कि रेल राज्य मंत्री का लोकसभा क्षेत्र होने के कारण वहां के लोगों की मांग पर काफी ध्यान दिया जाता है। वहां पर विकास कार्यो को रेल मंत्रालय प्रमुखता करता है। रेल राज्य मंत्री की घोषणा होने के बाद लाख बाधाओं को दरकिनार कर रेलवे उनकी घोषणा को पूरा करने में जुट जाता है।

रेलवे के अडियल रैवेये के कारण अधिकांश लोग नहीं निकाल रहे हैं वेटिंग टिकट

> सिकंदराबाद-दानापुर-सिकंदराबाद में एक्सप्रेस में अगले साल मिलेगा कर्फम टिकट

> यात्रियों की भारी भीड़ के बाद भी नहीं चली वाराणसी व पटना के लिए ट्रेन

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतियों की लाइफ लाइन कही जाने वाली भारतीय रेलवे के अडियल रवैये से तेलंगाना में रहने वाले यूपी-बिहार के लोग बेहद परेशान है। रेलवे के बेरूखी के कारण काफी लोग सिकंदराबाद-दानापुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस में वेटिंग टिकट नहीं निकल रहे है। हैरत करने वाली बात है कि इस वर्ष 2022 में दिसंबर माह में एक दो दिन को छोड़ दिया जाए तो आपकों सिकंदराबाद-दानापुर ट्रेन में कंर्फम टिकट अगले बर्ष ही नसीब होगा। यह आंकडा आपकों आरआरसीटीसी की बेबसाइट पर मिल जाएगा। वाराणसी में विशाल काशी विश्वनाथ मंदिर और अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के कारण तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्री भारी संख्या में जा रहे है। इन राज्यों के लोग भी सिकंदाराबाद-दानापुर एक्सप्रेस में सफर करते है। शांतिपूर्ण तरीसे से मांग करने के बाद भी नई या विशेष ट्रेन नहीं चल रही है। रेलवे अधिकारियों का तर्क रहता है कि वेटिंग लिस्ट देखकर विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाता है। सच्चाई तो यह है कि लोगों को मालूम है कि ट्रेन में अतिरिक्त डिब्बे नहीं जुड़ सकते है, तो वेटिंग टिकट कंर्फम नहीं होगा। इसलिए लोग मजबूर होकर निजी ट्रवेल्स एजेंसियों के टिकट कराकर बसों में यूपी- बिहार की यात्रा करने के लिए मजबूर है। दिलचस्प यह है कि कई मार्गो में यात्रियों की संख्या कम होने के कारण रेलवे घोषित विशेष ट्रेनों को निरस्त कर रहा है। जबकि मांग वाले मार्गो में ट्रेन चलाने के लिए सौ कठिनाइयों का हवाला दिया जा रहा है। यात्रियों की भारी भीड़ सिकंदराबाद और पटना दोनो तरफ से है। इसके बाद भी पटना, दानापुर, सिकंदराबाद और हैदराबाद से ट्रेनों के संचालन की घोषणा नहीं की गई है।

मंत्री तलसानी आज करेंगे पिकेट नाला ब्रिज का उद्घाटन

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिकेट नाला पर बनाया गया पुल ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम द्वारा सामरिक नाला विकास योजना (एसएनडीपी) के तहत 10 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। यह बाढ़ रोकथाम कार्यों में से पहला है। पशुपालन, मत्स्य पालन और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव शुक्रवार को इस पुल का उद्घाटन करेंगे। पिछले साल 2020 में हुई भारी बारिश के कारण हैदराबाद शहर के भीतरी इलाकों में रहने वाले लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार विशेष रूप से एसएनडीपी कार्यक्रम के माध्यम से लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए हैदराबाद शहर में बाढ़ की रोकथाम के लिए एक स्थायी समाधान की व्यवस्था की गई है। शहर में बाढ़ के कारणों का अध्ययन किया गया। इसके कारणों का पता चल गया और बचाव के उपाय किए गए। जीएचएमसी के तत्वावधान में एसएनडीपी द्वारा किए गए कार्यों को पिछली गलती की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए लागू किया गया है। पिकेट नाला पर पुल के पुनर्निर्माण से सिकंदराबाद छावनी बोर्ड को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को राहत देने और जान-माल के नुकसान को रोकने में मदद मिलेगी। सिकंदराबाद छावनी बोर्ड की करीब 100 कॉलोनियां लाभान्वित होंगी। मुख्य रूप से अन्ना नगर बस्ती और रसूलपुरा, भेल कॉलोनी, आईसीआरआईएसएटी कॉलोनी, सौजन्या कॉलोनी, बोइनपल्ली के कुछ इलाकों को राहत मिलेगी। इससे करीब 8000 परिवारों को राहत मिलेगी। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि बाढ़ की समस्या के समाधान के लिए कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए कदम उठाये गये हैं। कार्य को युद्धस्तर पर निर्धारित समय में पूरा करने के लिए सभी सावधानियां बरती गईं, लेकिन लगातार भारी बारिश के कारण काम समय पर पूरा नहीं हो सका। महापौर ने बताया कि शहर में एसएनडीपी द्वारा किए गए 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरे हो चुके हैं और कार्य प्रगति के विभिन्न चरणों में युद्धस्तर पर पूरा करने के लिए गतिविधियां चलाई जा रही हैं।

डॉ. के लक्ष्मण ने टीआरएस विधायकों को खरीदने में भाजपा की भूमिका से इनकार किया

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस के चार विधायकों की खरीद के लिए गुप्त अभियान में भाजपा की भूमिका से इनकार करते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्यसभा सदस्य के लक्ष्मण ने आरोप लगाया कि भाजपा को बदनाम करने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के आधिकारिक आवास प्रगति भवन में पूरा नाटक रचा गया था। पूरे प्रकरण की उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश या केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग करते हुए लक्ष्मण ने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी भी टीआरएस के किसी विधायक को पैसे के लालच में भाजपा में शामिल होने का लालच नहीं दिया। हम हमेशा विपक्षी पार्टी के विधायकों से इस्तीफा देने और हमारे साथ जुड़ने का आग्रह करते हैं। यहां तक कि कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने भी कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया और भाजपा में शामिल हो गए।" उन्होंने आरोप लगाया कि बुधवार को गिरफ्तार किए गए तीन लोगों के मुख्यमंत्री के रिश्तेदारों से संबंध थे। लक्ष्मण ने पूरे प्रकरण में पुलिस की भूमिका का भी आरोप लगाया और पूछा कि पुलिस ने अभी तक चारों विधायकों के बयान दर्ज क्यों नहीं किए और पैसे का क्या हुआ? पुलिस ने अभी तक आरोपी से जब्त किए गए धन के बारे में कोई विवरण नहीं दिया है। पुलिस चुप्पी क्यों साध रही है?

पुलिस ने 1.7 किलो सूखा गांजा जब्त किया, एक गिरफ्तार

हनमकोंडा, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूखे गांजा की बिक्री की गुप्त सूचना के बाद वारंगल पुलिस आयुक्त की टास्कफोर्स ने परकल पुलिस के साथ मिलकर गुरुवार को परकल मंडल के वरिकोले गांव के अल्ले सैशिवा को गिरफ्तार किया और उसके पास से 35,000 रुपये मूल्य का 1.7 किलोग्राम गांजा जब्त किया। अतिरिक्त डीसीपी वैभव रघुनाथ गायकवाड़ ने एक प्रेस नोट में कहा कि आरोपी ने भद्राचलम इलाके में जाने-माने लोगों से सूखा गांजा खरीदा था और आसानी से पैसा कमाने के लिए इसे वरिकोले गांव क्षेत्र में 500 रुपये प्रति पाउच पर बेच रहा था। आरोपी कार चालक का काम करता था।

बीजेपी को विधायक खरीदने की जरूरत नहीं : किशन रेड्डी

केसीआर पर लगाया दलबदल को बढ़ावा देने का आरोप

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस और बीजेपी के बीच बड़े पैमाने पर ऑपरेशन आकर्षण को लेकर एक बड़ा युद्ध चल रहा है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह टीआरएस के चार विधायकों को खरीदने के लिए हुआ था। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने गुरुवार दोपहर हैदराबाद में भाजपा कार्यालय में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में इस घटना के बारे में बात की। इस मौके पर उन्होंने कई शंकाएं व्यक्त कीं। उन्होंने यह जानने की मांग की कि पैसा कहां से आया। क्या टीआरएस विधायक वह पैसा लाए थे या केसीआर के फार्म हाउस से आए थे? उन्होंने पूछा। किशन रेड्डी ने यह भी कहा कि बीजेपी को असली विधायक खरीदने की जरूरत नहीं है। हर कोई यह जानता है कि केसीआर ने ही दलबदल को बढ़ावा दिया। दल-बदल विरोधी कानून का सम्मान करते हुए यदि अन्य दलों के कोई नेता भाजपा में शामिल होते हैं, तो वे पहले अपने पदों से इस्तीफा देते हैं और पार्टी में शामिल होते हैं।

क्या कांग्रेस पार्टी से टीआरएस में घसीटे गए विधायकों ने इस्तीफा दिया था। इसके बारे में सीएम केसीर को जनता को बताना चाहिए। किशन रेड्डी ने केसीआर पर नया ड्रामा खेलने का आरोप लगाया क्योंकि उन्हें पिछले उपचुनाव में हार का डर था। दुब्बाका उपचुनाव के दौरान जब सर्वेक्षणों ने निष्कर्ष निकाला कि भाजपा उम्मीदवार की जीत निश्चित है, मतदान से एक दिन पहले रघुनंदन राव के घर पर हमला किया गया था। अब केसीआर ने पिछले चुनाव में हार के डर से एक नया नाटक खेला है। क्या भाजपा ने जिन चार विधायकों को खरीदने की कोशिश की, क्या वे वास्तव में लोकप्रिय नेता हैं?

विधायकों को खरीदने की कोशिश : बीजेपी सीबीआई जांच के लिए कोर्ट पहुंची

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई ने बुधवार के घटनाक्रम की केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी 'तटस्थ एजेंसी' से जांच कराने की मांग करते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय का रुख किया है, जहां पार्टी पर टीआरएस के चार विधायकों को खरीदने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है।

भाजपा के राज्य महासचिव जी. प्रेमेंद्र रेड्डी द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि इस घटना की राज्य पुलिस द्वारा जांच केवल भाजपा के नेताओं को फंसाने और सत्ताधारी पार्टी के इशारे पर उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के इरादे से की जा रही है। यह दावा करते हुए कि मुनुगोड़े में भाजपा के अभियान को 'भारी प्रतिक्रिया' मिल रही है, याचिका में आरोप लगाया गया कि टीआरएस भाजपा के अभियान को बाधित करने की कोशिश कर रही है। यह भी आरोप लगाया गया कि अजीज नगर फार्महाउस घटना के संबंध में शिकायत मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, अन्य राज्य मंत्रियों और टीआरएस के वरिष्ठ नेताओं के इशारे पर दर्ज की गई है और सीबीआई या अदालत द्वारा गठित एक विशेष जांच दल द्वारा जांच के द्वारा शिकायत के पीछे के सही तथ्य और मकसद का पता लगाया जा सकता है।

प्रेमेंद्र रेड्डी ने याचिका में कहा कि जब तक इस तरह की जांच नहीं की जाती, मुनुगोड़े में भाजपा की संभावना प्रभावित होगी और लोगों के जनादेश को प्रभावित करेगी। अदालत शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करेगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, नौ गिरफ्तार

पेद्दापल्ली, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली पुलिस ने एक अंतर-जिला ट्रांसफार्मर चोरी गिरोह का भंडाफोड़ किया और दो व्यापारियों सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से 2.07 क्विंटल तांबे के तार (31 ट्रांसफार्मर), छह बाइक, एक तौल मशीन और अन्य सामग्री बरामद की है।

गुरुवार को मीडिया के सामने आरोपी को पेश करते हुए, पेद्दापल्ली डीसीपी चेन्नुरी रूपेश ने कहा कि एसआई उपेंद्र के नेतृत्व में सुल्तानाबाद पुलिस ने गुरुवार सुबह सुल्तानाबाद मंडल के कनुकुला में एक वाहन चेकिंग की और चार व्यक्तियों को पंडारी रघु, पंडारी सुरेश, पंडारी वेंकटेशम और मुतम कुमारस्वामी को घूमते हुए संदिग्ध परिस्थितियों में पाया। इनके पास से कुछ मात्रा में तांबे के तार भी बरामद किए गए हैं।

रघु, सुरेश और वेंकटेशम पालकुर्ती मंडल के मुंजामपल्ली के हैं, जबकि कुमारस्वामी धर्मराम मंडल के खिलाड़ीपर्ती से हैं। कुमारस्वामी तांबे के तार के खरीदार हैं। पूछताछ करने पर उन्होंने खेत में ट्रांसफार्मर तोड़कर तांबे के तार चोरी करना स्वीकार किया। उन्होंने धर्मराम थाना क्षेत्र में 18, बसंतनगर में दो, अंथरगांव में तीन, सुल्तानाबाद और जुलापल्ली में एक-एक और जगतियाल जिले के वेलगाटूर में छह अपराध किए।

उनके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर एसआई महेंद्र (बसंतनगर) और श्रीनिवास (धर्माराम) के तत्वावधान में चार टीमों का गठन किया गया। टीमों ने एक खरीदार समेत बाकी सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वे वेम्पल्ली सतीश, दारमाजी प्रभाकर, अरुगुला श्रीकांत, मुचारला प्रशांत, पंडारी राजेंदर, अरुगुला रजनीकांत और एक अन्य खरीदार सप्तम हनुमंथु थे।

जैसे ही जिले में ट्रांसफार्मर चोरी की घटनाओं में वृद्धि हुई, पेद्दापल्ली एसीपी सारंगपानी, सीआई इंद्रसेना रेड्डी (सुल्तानाबाद), और प्रदीप कुमार (पेद्दापल्ली) ने एक जांच शुरू की, जिसके कारण गिरफ्तारियां हुईं।

डीसीपी ने मामले को सुलझाने में अहम भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना की।

बीसी कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन में जगन सरकार आगे : सज्जला

विजयवाडा, 27 अक्तूबर(स्वतंत्र वार्ता)। वाईसीपी सीएस सज्जला रामकृष्णा रेडड्ी ने कहा कि, गत तेदेपा सरकार ने राज्य के बीसी कल्याण(बीसी वेलफेयर) में पिछडेपन का रवैय्या अपनाया। इस संदर्भ में, विजयवाडा शहर के तुम्मलपल्ली कलाक्षेत्र में पिछडा वर्ग (बीसी) कल्याण आत्म गौरव से संबंधित विशाल रूप से आम सभा आयोजित की गयी। इस आम सभा में वाईसीपी सीएस सज्जला रामकृष्णा रेडड्ी ने भाग लिया। जिसमें सज्जला ने सीएम जगन की तारीफ करते हुए कहा कि, राज्य में वाईसीपी सरकार के सत्तारुढ होते ही सीएम वाईएस जगन ने अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों सहित बीसी वर्ग के कल्याण के लिए तथा बीसी वर्ग को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए कमर कसी है। फलस्वरूप आज बीसी वर्ग खुशहाल जिंदगी जी जी रहे हैं एवं इन वर्गों के लोग बडे बडे पदों पर आसीन हैं। इसके चलते सज्जला ने गत तेदेपा सरकार की कडी आलोचन कर कहा कि, तेदेपा सरकार ने बीसी कल्याण के लिए न के बराबर विकास कार्य किया है जोकि दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही उन्होंने कहा कि, वाईसीपी पार्टी की तरफ से बीसी नेता आर. कृष्णय्या को राज्यसभा को भेजने का श्रेय सीएम जगन को जाता है।

कोविड में काम करने वाले श्मशान श्रमिकों को मिले सम्मान : वीसी सज्जनार

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनर ने बेस्ट सिग्नेचर कॉन्टेस्ट का अनावरण किया। यह कोविड के गुमनाम नायकों के सम्मान में एक नई धन इकट्ठा करने वाली पहल है। इन नायकों ने कोविड के दौरान जान गंवाने वाले कई लोगों की मृत्यु में गरिमा सुनिश्चित की है। जेसीआई बुद्धपूर्णिमा हैदराबाद (जेसीआईबीपीएच) की एक पहल का उद्देश्य हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में लगभग 500 श्मशान और कब्रिस्तान में काम कर रहे 4000 अंतिम संस्कार श्रमिकों की सहायता और पीड़ा को कम करना है, जो एक सम्मानजनक जीवन से वंचित हैं। हाईटेक सिटी माधापुर के हाल में आयोजित एक कार्यक्रम में वीसी सज्जनार ने बेस्ट सिग्नेचर कॉन्टेस्ट की शुरुआत करते हुए कहा कि श्मशान श्रमिकों ने कोविड के शिकार होने वाले कई लोगों के मामले में मृत्यु में गरिमा सुनिश्चित की।

इतने सारे लोगों के लिए अपनों को कोरोना से खोने का मतलब अंतिम अलविदा कहना भी नहीं था। लेकिन, ये मजदूर जान जोखिम में डालकर मौके पर पहुंचे। यह जेसीआई बुद्धपूर्णिमा हैदराबाद का एक नेक विचार है। कार्यक्रम में जेसीआईबीपीएच के अध्यक्ष राकेश धन्नारापु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगडा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

|| जय श्री राम ||
श्री सखी बाबा मठ
(400 वर्ष प्राचीन)
शनिवार दि.29-10-2022
अन्नकूट प्रसाद, आरती
सायं 6.30 बजे से
इस अवसर पर सभी भक्तगण सादर आमंत्रित हैं।
एवं श्री सखी बाबा मठ समस्त ट्रस्टीगण
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेड रोड नं. 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद. मोबाइल : 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP
गोपाल-मंजू बल्दवा

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.